10 सितंबर, 2025
आश्विन, कृष्ण पक्ष, तृतीया
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
बुधवार, वर्ष 10, अंक 321

पीएम मोदी ने पंजाब और हिमाचल प्रदेश का हवाई सर्वे किया, बाढ़ पीड़ितों से मिले

जलता नेपाल: पीएम ओली भागे, पूर्व पीएम की पत्नी को जिंदा जलाया

- पूर्व पीएम देउबा और वित्त मंत्री को घर में घुस कर पीटा
- संसद-राष्ट्रपति भवन, सुप्रीम कोर्ट और मंत्रियों के घर फूंके
- राष्ट्रपति ने प्रदर्शनकारियों को बातचीत के लिए बुलाया

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में लगातार दूसरे दिन हिंसक घटनाएं जारी रहीं। राजधानी की सड़कों पर युवा प्रदर्शनकारियों का हुजूम उमड़ा हुआ है। बेकाबू होती स्थिति के बीच प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने मंगलवार को पद से इस्तीफा दे दिया और उनके सेना के हेलिकॉप्टर से देश से भागने की खबर है। इसके तुरंत बाद खबर आयी कि राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने भी इस्तीफा दे दिया है, लेकिन यह खबर सही नहीं थी। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को बातचीत के लिए बुलाया है। राजधानी काठमांडू में हालात बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं और सुरक्षा बल हालात को काबू में लाने में नाकाम दिख रहे हैं। देश में हिंसक प्रदर्शनों ने हालात को और बिगाड़ दिया है। प्रदर्शनकारियों ने पूर्व पीएम झलनाथ खनाल के घर में आग लगा दी। घर में उनकी पत्नी राज्यलक्ष्मी चित्रकार थीं। वह गंभीर रूप से जल गयीं। उन्हें तुरंत कीर्तिपुर बर्न अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गयी। राजधानी काठमांडू और आसपास के इलाकों में हुई झड़पों और आगजनी में अब तक 22 लोग मारे जा चुके हैं, जबकि चार सौ से ज्यादा लोग घायल हैं। प्रदर्शनकारियों ने संसद भवन में आग लगा दी और प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और गृह मंत्री के निजी आवासों पर भी हमला कर तोड़फोड़ और आगजनी की। गुस्साये युवाओं ने पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा को उनके घर में घुस कर पीटा, जबकि वित्त मंत्री विष्णु पौडेल को काठमांडू में उनके घर के पास दौड़ा-दौड़ा कर मारा गया। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में एक प्रदर्शनकारी उनके सीने पर लात मारते हुए दिख रहा है।

सेना प्रमुख की चेतावनी के बाद ओली ने पद छोड़ा : नेपाली सेना प्रमुख की चेतावनी के बाद प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। नेपाल के 10 से ज्यादा मंत्रियों ने पहले ही इस्तीफा दे दिया था। नेपाल के संचार, सूचना और प्रसारण मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग ने देर रात घोषणा की कि सोशल मीडिया साइटों पर प्रतिबंध लगान का फैसला वापस ले लिया गया है।

नेपाल संसद भवन आग के हवाले

भारत सरकार ने जारी की एडवाइजरी

इस बीच भारत सरकार ने नेपाल में रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। भारत सरकार ने कहा कि भारतीय नागरिक हालात सुधरने तक नेपाल की यात्रा से बचें। नेपाल में मौजूद भारतीय नागरिकों से कहा गया है कि वे सुरक्षित स्थान पर रहें और सड़क पर जाने से बचें। हर तरह की सावधानी बरतें। भारत-नेपाल सीमा पर हाइ अलर्ट घोषित कर दिया गया है। यूपी, बिहार और पश्चिम बंगाल सीमा पर अलर्ट घोषित किया गया है। इस बीच भारत से नेपाल जाने वाली उड़ानों को अब लखनऊ के लिए डायवर्ट किया गया है। काठमांडू एयरपोर्ट पर हवाई सेवा को रोक दिया गया है।

नेपाली राष्ट्रपति को सेना ने सुरक्षित निकाला

राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल को नेपाली सेना ने सुरक्षित निकाल लिया है। नेपाल के राष्ट्रपति को शिवपुरी ले जाया गया है, जहां सेना का ट्रेनिंग सेंटर है। इससे पहले नेपाली सेना ने केपी ओली को भी हेलिकॉप्टर से निकाला था। नेपाल में प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति और पीएम ओली के घर को जला दिया था।

सीपी राधाकृष्णन देश के 15वें उप राष्ट्रपति होंगे

संयुक्त विपक्ष के प्रत्याशी बी सुदर्शन रेड्डी को 152 वोटों से हराया

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन देश के 15वें उप राष्ट्रपति होंगे। मंगलवार को हुए चुनाव में उन्होंने संयुक्त विपक्ष के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को 152 वोटों से हरा दिया। राधाकृष्णन को 452 मत मिले, जबकि विपक्ष के प्रत्याशी को 300 वोट मिले। राज्यसभा महासचिव पीसी मोदी ने देर शाम करीब साढ़े सात बजे मतगणना के बाद डॉ राधाकृष्णन के विजयी होने की घोषणा की। उप राष्ट्रपति चुनाव के लिए मंगलवार को मतदान हुआ, जिसमें राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन और विपक्ष के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी के बीच सीधा मुकाबला हुआ। सुबह 10 बजे मतदान शुरू हुआ और शाम पांच बजे तक चला। शाम छह बजे मतगणना हुई और डेढ़ घंटे बाद परिणाम घोषित किया गया।

ये दल रहे चुनाव से दूर : उप राष्ट्रपति चुनाव में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और बीजू जनता दल (बीजद) के अलावा शिरोमणि अकाली दल ने बाहर रहने का फैसला किया था। अकाली दल (वारिस पंजाब दे) के सांसद सरबजीत सिंह खालसा और अमृतपाल सिंह ने उप राष्ट्रपति चुनाव के बहिष्कार करने का एलान किया था। खडूर साहिब लोकसभा सीट से सांसद अमृतपाल सिंह असम की डिब्रूगढ़ केंद्रीय जेल में बंद है। दरअसल यह चुनाव सरकार की मजबूती, संघ और भाजपा के बीच में आपसी तालमेल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की लोगों पर पकड़ का पैमाना था। उप राष्ट्रपति चुनाव के लिए 782 मत पड़ने थे। इनमें से 752 मत पड़े। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा 21 जुलाई को अचानक इस्तीफा दे देने के कारण यह चुनाव कराया गया।

झारखंड के राज्यपाल रह चुके हैं डॉ राधाकृष्णन

चार मई, 1957 को जन्मे डॉ राधाकृष्णन अभी महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं। उन्होंने 31 जुलाई 2024 को यह पद संभाला था। इससे पहले उन्हें 18 फरवरी 2023 को झारखंड का राज्यपाल बनाया गया था। डॉ राधाकृष्णन दो बार सांसद और तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

राधाकृष्णन नाम वाले दूसरे उप राष्ट्रपति

डॉ सीपी राधाकृष्णन ऐसे दूसरे उप राष्ट्रपति होंगे, जिनका उपनाम राधाकृष्णन है। उनसे पहले देश के पहले उप राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन थे, जो बाद में राष्ट्रपति भी बने।

मंदिरों की नगरी इचाक : यहां हैं 100 से अधिक मंदिर और तालाब

■ सरकार पहल करे तो भव्य पर्यटक स्थल बन सकता है इचाक

आजाद सिपाही खास

दीपक सिंह

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। हजारीबाग जिला मुख्यालय से लगभग 13 किलोमीटर दूरी पर स्थित इचाक प्रखंड क्षेत्र में 3 किलोमीटर क्षेत्र में 100 से अधिक प्राचीन मंदिर और दर्जनों ऐतिहासिक तालाब हैं। यह दुमका के मलूटी से कम नहीं। अगर पर्यटन विभाग नजरे इनायत करे तो इचाक पर्यटक स्थल के रूप में विकसित हो सकता है। इचाक क्षेत्र रामगढ़ राजाओं की राजधानी के रूप में प्रसिद्ध रहा है। यही कारण है कि परासी, कुटुमसुकरी, पुराना इचाक, छावनी जैसे इलाकों में तालाब, मंदिर और बाग-बगीचों की भरमार है, जो इस क्षेत्र की सुंदरता को चार चांद लगाते हैं। मंदिरों की अधिकता के कारण इस क्षेत्र को मंदिरों की नगरी भी कहा जाता है। यहां के मंदिर, तालाब और बाग-बगीचे ऐतिहासिक धरोहरों के रूप में जाने जाते हैं। लेकिन हाल के दिनों में इन धरोहरों की समुचित देखभाल एवं रखरखाव नहीं होने से इनकी स्थिति जर्जर होती जा रही है। सिंह दरवाजा, बंशीधर मंदिर, भैरवनाथ मंदिर, लक्ष्मी नारायण बड़ा अखाड़ा, श्रीराम जानकी छोटा अखाड़ा, बुढ़िया माता मंदिर, बनसटांड़ मंदिर, सूर्य मंदिर समेत कई ऐसे मंदिर हैं जो राजा के समय से स्थापित हैं। अगर पर्यटन विभाग पहल करे तो आज सभी मंदिर और मठ की स्थिति बदल सकती है। बड़ा अखाड़ा और छोटा अखाड़ा तो अब खंडहर का रूप लेते जा रहा है। इन मंदिरों को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने के लिए ग्रामीण और क्षेत्र के समाजसेवी व जनप्रतिनिधि प्रयासरत हैं।

इचाक की ऐतिहासिक धरोहरों की स्थिति

इचाक को मंदिरों की नगरी कहा जाता है। कभी रामगढ़ राज परिवार की राजधानी इचाक हुआ करती थी। संत-महर्षियों के विश्राम के लिए मठ हुआ करते थे, अब सभी मठ और मंदिर जर्जर हो गये हैं, इसलिए इनका पुनरुद्धार जरूरी है।

बड़ा अखाड़ा को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने की जरूरत

परासी पंचायत का बड़ा अखाड़ा देखरेख के अभाव में जर्जर होते जा रहा है, जबकि इसे पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने की कोशिश जारी है। इसको लेकर कई बार आवेदन दिये गये हैं, लेकिन अभी तक सरकार या पर्यटन विभाग ने कोई ठोस कदम नहीं उठाये हैं।

प्रसिद्ध है छोटा अखाड़ा

इचाक का छोटा अखाड़ा जिसे श्री राम जानकी मंदिर भी कहते हैं, लगभग 250-300 साल पुराना है।

आज छोटा अखाड़ा के मरम्मत की जरूरत है। चाहे मुख्य दरवाजा हो या चहारदिवारी, या फिर मंदिर सभी के मरम्मत की जरूरत है।

बाबाधाम की तर्ज पर बना है भगवती मठ मंदिर

भगवती मठ मंदिर बाबाधाम की तर्ज पर बना है। यह परासी गांव में स्थित है। एक साथ तीन मंदिरों की श्रृंखला है। देवघर की तरह दो मंदिर आमाने सामने जबकि एक मंदिर बगल में स्थित है।

सूर्यमंदिर का भी अपना है इतिहास

मंदिरों, तालाबों की नगरी इचाक में कई ऐतिहासिक धार्मिक धरोहर हैं। जिसमें सूर्य मंदिर का इतिहास लोक आस्था से जुड़ा हुआ है।

वर्ष 1772 में सूर्य मंदिर का निर्माण कराया गया था। मंदिर के सामने बड़ा तालाब है। कहा जाता है कि पूर्व में राजघराने से आने वाले इसी तालाब में स्नान के बाद सूर्य मंदिर में पूजा अर्चना करते थे।

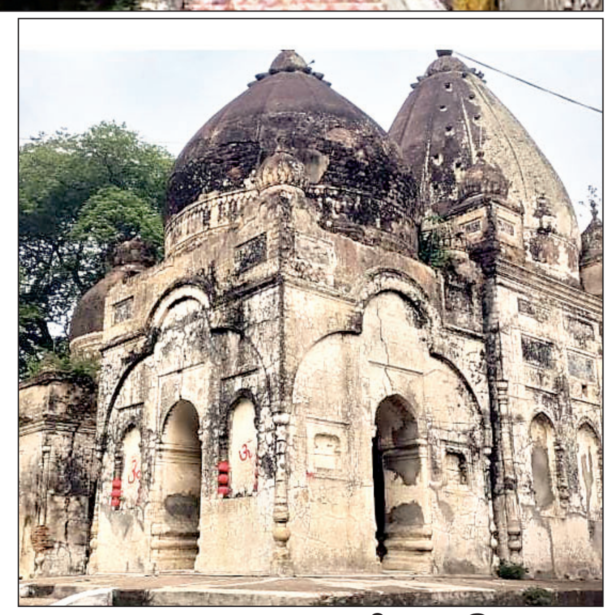

बुढ़िया माता मंदिर जहां निराकार रूप की होती है पूजा

इचाक प्रखंड के कुटुम सुकरी में एक अनोखा मंदिर है, बुढ़िया माता मंदिर, जहां माता के निराकार रूप की पूजा की जाती है। इस मंदिर की सबसे खास बात यह है कि यहां एक मिट्टी की दीवार पर देवी मां की आकृतियां उभरी हुई हैं, जिन पर सिंदूर लगाकर पूजा की जाती है। मंदिर से जुड़ी एक पौराणिक कथा के अनुसार, 1668 में फैली हैजा महामारी के दौरान एक बुढ़िया माता ने महामारी को दूर भगाने के लिए मिट्टी दी थी, और बाद में वे स्वयं गायब हो गयीं, जिससे यह स्थान आस्था का केंद्र बन गया।

बंशीधर मंदिर : यहां रात में सुनाई पड़ती थी बांसुरी की धुन

रामगढ़ राज घराने से इस मंदिर का तालुका है। जन्माष्टमी के दिन यहां विशेष पूजा अर्चना की जाती है। यहां जन्माष्टमी की रात 12 बजे बांसुरी की सुरीली धुन सुनाई पड़ती थी। ऐतिहासिक मंदिर को रखरखाव की जरूरत है।

संरक्षण और विकास की आवश्यकता

इचाक में आज भी दर्जनों अद्भुत शिल्पकला और भव्यता वाले मंदिर और मठ मौजूद हैं, जो अपनी भव्यता की झलक देते हैं। उन्हें संरक्षित कर पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने की अपार क्षमता है। इचाक की ऐतिहासिक धरोहरों को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने के लिए सरकार से कई बार गुहार लगायी गयी है, पर अभी तक राज्य सरकार ने इस दिशा में विशेष ध्यान नहीं दिया है, इसे संरक्षित करने से न केवल स्थानीय संस्कृति को बचाया जा सकेगा, बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

20 सितंबर के बाद तय होगा इस्पात कर्मियों को कितना मिलेगा बोनस

दीपक कुमार

बोकारो (आजाद सिपाही)। दुर्गा पूजा के पहले इस्पात कर्मियों को प्रायः बोनस का बेसब्री से इंतजार रहता है। बीएसएल को वित्तीय वर्ष 2024-25 में हुए मुनाफे के बाद कर्मचारियों में उम्मीद जगी है कि इस बार उन्हें सम्मानजनक बोनस मिलेगा। हालांकि आगामी 20 सितंबर को नयी दिल्ली में एनजेसीएस की होने वाली बैठक के बाद ही यह सुनिश्चित हो पायेगा कि उन्हें वस्तुतः कितनी बोनस राशि मिल पायेगी। सूत्र बताते हैं कि वित्तीय वर्ष 2023 -24 में बीएसएल (सेल) का नेट प्रॉफिट तकरीबन 1011 करोड़ रहा। जबकि पिछला वित्तीय वर्ष 2024 -25 में यह प्रॉफिट लगभग 1180 करोड़ तक पहुंच गया। इससे इस्पात कर्मियों में इस बार बोनस राशि में इजाफा होने की उम्मीद जगी है। उन्हें उम्मीद है कि इस बार उन्हें 40 से 50 हजार रुपये बोनस के रूप में मिलेंगे। जबकि सूत्र बताते हैं इस बार भी प्रति कर्मचारी 30 से 32000 के बीच ही बोनस राशि खाते में आयेंगे। हालांकि, एनजेसीएस की मीटिंग में इस बार कुछ खोज ठोस सहमति के आसार भी दिख रहे हैं। श्रमिक संगठनों के दावों की माने तो 20 सितंबर के एनजेसीएस की मीटिंग में इस्पात कर्मियों के बोनस के मुद्दे को प्रखरता से उठाया जायेगा और सम्मानजनक राशि देने की बात की जायेगी।

बोनस पर सेल प्रबंधन श्रमिक संगठनों की बात सुने : साधु शरण गोप

जनता मजदूर सभा के महासचिव साधु शरण गोप ने बोनस की बाबत बताया कि विगत कुछ वर्षों से सेल प्रबंधन श्रमिक संगठनों की नहीं सुन रहा। प्रबंधन और मजदूर यूनियन नेता बोनस की राशि को एपीएलआरएस के तहत मिलने वाली राशि कहते हैं, लेकिन बातचीत की भाषा में इसे आज भी बोनस ही कहा जाता है। गोप ने कहा कि एनजेसीएस की बैठक तो होती हैं, लेकिन सिर्फ कोरम पूरा करने के लिए ही। बैठक में बोनस पर कमेटी में बैठने वाले एटक, इंटक, सीटू, एचएमएस, बीएमसी आदि श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि बोनस आधारित प्रस्ताव में बड़ी बोनस राशि की डिमांड तो करते हैं। लेकिन प्रबंधन अपने मुताबिक ही राशि तय कर उसे कर्मचारियों के खाते में डाल दे रहा है। यही सच्चाई है।

दुर्गा पूजा पर प्रतिवर्ष कब कितना बोनस मिला इस्पात मजदूरों को

2008---16000	2014---18040	2020---16500
2009---15680	2015---9000	2021---21000
2010---18040	2016---10000	2022---40500
2011---18040	2017---11000	2023---27000
2012---18040	2018---13000	2024---23500
2013---18040	2019---15500	

ठेका श्रमिक को भी मिले बोनस : कृष्णा राय

बीएमएस के प्रदेश उपाध्यक्ष सह उद्योग प्रभारी कृष्णा राय ने बोनस की बाबत बताया कि आगामी 20 सितंबर को नयी दिल्ली में एनजेसीएस की होने वाली बैठक में ही तय हो पायेगा कि इस्पात कर्मियों को बोनस कितना मिलेगा। हालांकि, इस बार पहले से तय फार्मूले के अलावे नये सिरे से भी एक अलग फार्मूले पर सहमति बनाने की कोशिश होगी। उन्होंने कहा कि बीएसएल में इस्पात कर्मियों की संख्या घट रही है। उनकी जगह कुशल और गैर कुशल ठेका श्रमिक ले रहे हैं और प्लांट के उत्पादन में सहभागिता दे रहे हैं। ऐसे में बोनस का हक उन्हें भी दिया जाना चाहिए जिससे उनका मनोबल बढ़े। ताकि,उत्पादन में वह पूरे मनोवेग से अपना योगदान दे सकें।

सम्मानजनक बोनस की मांग प्रमुखता से रखी जायेगी: राजेंद्र सिंह

किम्स के महामंत्री राजेंद्र सिंह ने कहा है कि इस बात कर्मियों में बोनस की राशि को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है आगामी 20 सितंबर को नयी दिल्ली में होने वाली बैठक के बाद ही बोनस में मिलने वाली राशि की स्थिति स्पष्ट हो पायेगी। उन्होंने कहा कि पिछले अनुभव यह बताते हैं की सेल प्रबंधन से बोनस को लेकर सभी बिंदुओं पर चर्चा तो होती अवश्य है, लेकिन कुछ मामलों में सहमति नहीं बन पाती। लेकिन इस बार प्रबंधन पर पूरा दबाव बनाया जायेगा कि बोनस की जो भी राशि दी जाये वह सम्मानजनक हो। जिससे वह पूरे उत्साह एवं ऊर्जा से उत्पादन में अपनी सहभागिता निभायें। उन्होंने कहा कि पहले से तय फार्मूले के अलावा कुछ नये फार्मूले पर भी इस बार बैठक में विचार मंथन किया जायेगा और सहमति बनाने की प्रयास होगा। बोनस की बाबत पूछे जाने पर इस्पातकर्मी मिथलेश कुमार योगेश्वर ने बताया कि बोनस इस्पातकर्मियों के लिए एक प्रोत्साहन राशि है। इस्पात कर्मियों को सम्मानजनक बोनस मिलने से उनका मनोबल बढ़ेगा। सेल का प्रॉफिट उत्साहजनक है। अतएव बोनस कम से कम पचास हजार तो मिलना ही चाहिए।

अवैध खनन पर लगाम लगाये प्रशासन नहीं तो होगा आंदोलन : बाबूलाल मरांडी

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। मंगलवार को धनबाद सर्किट हाउस (परिसदन) में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने प्रेसवार्ता को संबोधित किया। बाबूलाल मरांडी कतरास क्षेत्र में हुए भू धंसान का जायजा लेने धनबाद पहुंचे थे। प्रेस वार्ता में बाबूलाल मरांडी ने रामकनाली खदान हादसे पर गंभीर सवाल उठाये। मरांडी ने कोयला माफियाओं और जिला प्रशासन की मिलीभगत पर आरोप लगाये और चेतावनी दी कि यदि सरकार कार्रवाई नहीं करती है तो आने वाले समय में भाजपा आंदोलन करेगी। इस दौरान उन्होंने रामकनाली खदान हादसे में मारे गये सात लोगों की मौत को प्राकृतिक आपदा मानने से इनकार किया और इसे पूरी तरह कृत्रिम आपदा करार दिया।

मरांडी ने कहा कि धनबाद जिले में आये दिन ऐसी घटनाएं हो रही हैं, जो जिला प्रशासन की लापरवाही के कारण आम जनता की जिंदगी को खतरे में डाल रही हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि यह कहना अब मुश्किल हो गया है कि कोयला माफियाओं को जिम्मेदार ठहराया जाये या जिला प्रशासन को, क्योंकि दोनों की मिलीभगत से यहां बड़े पैमाने पर अवैध खनन और कोयले की लूट हो रही है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि स्थानीय लोगों से बातचीत में उन्हें पता चला कि रोजाना 500 से लेकर 1000 तक ट्रक अवैध कोयला धड़ल्ले से बाहर भेजे जाते हैं। वहीं, हाइवा ट्रकों से भी अवैध वसूली की जाती है। मरांडी ने आरोप लगाया कि कोयला माफिया अवैध खनन से होने वाली कमाई का 20 से 50 लाख रुपये तक की बंदरबांट करते हैं और कोयला बेचकर मोटा मुनाफा कमाते हैं।

रामकनाली हादसे को लेकर मरांडी ने कहा कि जिस क्षेत्र में सात लोगों की मौत हुई है, वहां करीब 50 घरों में रहने वाले लोग लगातार जोखिम में जी रहे हैं। सरकार और जिला प्रशासन को तत्काल उन्हें सुरक्षित स्थान पर पुनर्वासित करना चाहिए।

प्रेसवार्ता में मुख्य रूप से भाजपा झारखंड प्रदेश के मंत्री सरोज सिंह, महानगर अध्यक्ष श्रवण राय, ग्रामीण जिला अध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर, रमेश राही, जिला मंत्री सह मीडिया संयोजक पंकज सिन्हा उर्फ कुमार अमित, राजकुमार अग्रवाल, मानस प्रसून, बीरेंद्र हांसदा, अजय निषाद मोहन कुंभकार, योगेंद्र यादव, गीता सिंह, जिला मीडिया सह प्रभारी पंकज सिन्हा, सत्येंद्र मिश्रा आदि उपस्थित थे।

www.epaper.azadsipahi.in

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

10 सितंबर, 2025
आश्विन, कृष्ण पक्ष, तृतीया
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
बुधवार, वर्ष 10, अंक 321

लद्दाख में हिमस्खलन, 3 जवान शहीद कुल्लू में लैंडस्लाइड, 5 लोगों की मौत

झारखंड का 'टीबी कैपिटल' बनता जा रहा है गोला

आजाद सिपाही खास

- हर महीने मिल रहे हैं 20 से 30 मरीज, पांच साल में 840, फिलहाल 200 एक्टिव मरीज
- डॉक्टरों के अनुसार, एक मरीज 10 लोगों को संक्रमित कर सकता है
- धूल और धुएं के कारण लगातार बढ़ रहा है टीबी पीड़ितों का आंकड़ा

अंजनी कुमार

गोला (आजाद सिपाही)। हरी सब्जियों और कृषि उत्पादों के लिए चर्चित रामगढ़ का गोला इलाका इन दिनों झारखंड का 'टीबी कैपिटल' बनता जा रहा है। प्रदूषण. धूल और धुएं के कारण इस इलाके के लोग टीबी यानी यक्ष्मा रोग से पीड़ित हो रहे हैं। हालत यह है कि पिछले पांच साल में टीबी मरीजों की संख्या 840 तक पहुंच गयी है। हर महीने 20 से 30 लोग इस संक्रामक बीमारी की चपेट में आ रहे हैं। इस इलाके में 'टीबी मुक्त भारत अभियान' पूरी तरह बेअसर साबित हो रहा है।

घटने की बजाय बढ़ रहे हैं मरीज : गोला में टीबी कितनी तेजी से फैल रहा है, इसका प्रमाण यही है कि यहां मरीजों की संख्या घटने की बजाय लगातार बढ़ रही है। अभी यहां दो सौ से अधिक टीबी मरीज हैं। पिछले पांच साल के दौरान यहां टीबी के 840 मरीज मिले हैं। इस वर्ष जनवरी से नौ सितंबर तक कुल 163 मरीज मिल चुके हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2020 में 99, 2021 में 109, 2022 में 125, 2023 में 143 और 2024 में 201 टीबी मरीज मिले थे। यहां हर महीने 80 से एक सौ लोगों की जांच की जा रही है। इनमें से 20 से 30 लोग टीबी से ग्रस्त पाये जाते हैं।

यक्ष्मा विभाग पर है इलाज की जिम्मेदारी

इन मरीजों के इलाज की जिम्मेदारी यक्ष्मा विभाग पर है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोला में टीबी मरीजों के लिए ना तो कोई अलग वार्ड है और ना ही कोई विशेषज्ञ चिकित्सक। टीबी मरीजों के लिए आइसोलेशन वार्ड की जरूरत होती है। यदि टीबी मरीजों की तबीयत ज्यादा बिगड़ जाती है, तो उन्हें सदर अस्पताल के वार्ड में भर्ती कराया जाता है।

जहां-तहां थूकने और खांसने से फैलती है बीमारी: डॉ स्वराज

जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ स्वराज ने बताया कि टीबी संक्रमण से बचाव को लेकर समय-समय पर जागरूकता अभियान चलाया जाता है। साथ ही लोगों को इस बीमारी को लेकर सावधान भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया की टीबी एक संक्रामक बीमारी है। यह बीमारी छूने से नहीं, बल्कि टीबी मरीजों द्वारा जहां-तहां थूकने और खांसने से फैलती है। उन्होंने बताया कि एक टीबी मरीज 10 लोगों को रोगी बना सकता है। उन्होंने बताया कि टीबी लाइलाज बीमारी नहीं है, लेकिन इलाज नहीं होने पर यह जानलेवा हो सकता है।

गोला में कैसे फैल रहा है टीबी

गोला कभी कृषि क्षेत्र के रूप में विख्यात था। कहा जाता है कि यहां की मिट्टी में भरपूर मात्रा में पोषक तत्व हैं, लेकिन इस क्षेत्र में संचालित कारखानों ने उपजाऊ भूमि को प्रभावित कर दिया है। इतना ही नहीं, वातावरण को सांस लेने लायक तक नहीं छोड़ा है। प्रदूषण से वातावरण विषैला हो गया है। कारखानों से निकलनेवाली धूल और धुएं से टीबी मरीजों की संख्या बढ़ी है। कारखानों के आसपास रहने वाले लोग इसमें ज्यादा प्रभावित हुए हैं।

आजाद सिपाही की खबर का असर

मादा जिराफ मिष्टी की मौत की जांच के आदेश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य सरकार ने ओरमांझी स्थित भगवान बिरसा जैविक उद्यान में मादा जिराफ मिष्टी की मौत की जांच का आदेश दिया है। वन विभाग के संयुक्त सचिव ने प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी एवं वन्य प्राणी प्रतिपालक) परितोष उपाध्याय को एक सप्ताह के भीतर जांच रिपोर्ट देने को कहा है। बता दें कि 'आजाद सिपाही' ने सोमवार 08 सितंबर को इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था।

क्या है आदेश में : आदेश में कहा गया है कि 3 सितंबर को भगवान बिरसा जैविक उद्यान में मादा जिराफ की मौत हो गयी थी। इससे संबंधित खबर मीडिया में प्रकाशित हुई। यह अत्यंत ही गंभीर मामला है। मादा जिराफ की मौत किस परिस्थिति में हुई, इसकी जांच कर एक सप्ताह में जांच रिपोर्ट दें।

बेजुबान हूं लेकिन कष्ट में हूं: 'मिष्टी' की मौत से सामने आया ओरमांझी जू का कड़वा सच

आजाद सिपाही खास

'मिष्टी' की मौत पर सवाल उठ रहे

मिष्टी

जैविक उद्यान अपने बुरे दिन से गुजर रहा

निदेशक पर लगते रहे हैं आरोप

निदेशक के मित्र हैं जांच अधिकारी : इस मामले में खास बात यह है कि जांच अधिकारी परितोष उपाध्याय और जैविक उद्यान के प्रभारी निदेशक जब्बर सिंह करीबी मित्र हैं। इसलिए जिराफ की मौत की जांच को अभी से ही संदेह की नजर से देखा जाने लगा है। वन्य प्राणियों की देखभाल का जायजा लेने के लिए सिंगापुर की यात्रा करने वाले अधिकारियों के दल में भी ये दोनों अधिकारी शामिल थे। जिराफ की मौत के बाद उद्यान के अधिकारियों की भूमिका पर कई गंभीर सवाल उठाये गये हैं।

8 अगस्त को लाया गया, 3 सितंबर को मौत

मिष्टी नामक मादा जिराफ को 8 अगस्त के बंगाल से भगवान बिरसा जैविक उद्यान में लाया गया था। क्वारेंटाइन के नियमों का उल्लंघन कर उसे 15 अगस्त को ही आम लोगों के सामने प्रदर्शित कर दिया गया। नियमानुसार किसी भी वन्य प्राणी को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने के बाद नयी जगह पर 30 दिनों तक क्वारेंटाइन करना होता है। अंततः 3 सितंबर को मिष्टी की मौत हो गयी

चांडिल में नाबालिग से गैंगरेप

- आदिम जनजाति परिवार की है पीड़िता
- राशन लाने के लिए दुकान गयी थी

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। सरायकेला खरसावां जिले के चांडिल थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग बच्ची के साथ गैंगरेप हुआ है। आदिम जनजाति परिवार की यह बच्ची मंगलवार को राशन लेने गयी थी। इसी दौरान गांव के ही कुछ युवकों ने उसे पकड़ लिया और गैंगरेप किया।

जानकारी के अनुसार आदिम जनजाति की दो बच्चियां चाकुलिया स्थित पीडीएस दुकान से राशन लेने गयी थीं। दुकान उनके घर से चार किलोमीटर दूर स्थित है। वापसी के दौरान पास के गांव के दो युवकों ने एक बच्ची को पकड़ लिया, जबकि दूसरी बच्ची भागने में सफल रही। उसने गांव पहुंच कर ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी। ग्रामीण तुरंत जंगल पहुंचे और पीड़िता को बेहोशी की अवस्था में बाहर निकाला। आनन-फानन में पीड़िता को चिलगू स्थित निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया, जहां हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने उसे एमजीएम अस्पताल रेफर कर दिया। सूचना मिलते ही चांडिल थाना प्रभारी दिलशन बिरुआ पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। थाना प्रभारी ने बताया कि दुष्कर्म की पुष्टि हुई है। पुलिस ने गांव के ही दो युवकों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ जारी है। उनकी पहचान खगेन मार्डी (24) और हरिपदो सोरेन (26) के रूप में हुई है।

सीडब्ल्यूसी की टीम ने की पूछताछ

चाइल्ड वेलफेयर कमेटी की सदस्य पदमा गोराई ने बताया कि तीन सदस्यीय टीम ने अस्पताल पहुंचकर पीड़िता से पूछताछ की है। पीड़िता के परिजनों ने दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग की है।

पेसा नियम लागू होने तक नहीं होगी बालू खदानों की नीलामी

हाइकोर्ट ने जतायी कड़ी नाराजगी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड हाइकोर्ट ने मंगलवार को बड़ा आदेश देते हुए कहा कि जब तक अनुसूचित जनजातीय क्षेत्रों में ग्राम सभा को संसाधनों पर अधिकार देने वाली पेसा नियम की अधिसूचना जारी नहीं हो जाती, तब तक राज्य में किसी भी लघु खनिज खदान की नीलामी नहीं की जायेगी। इस आदेश से फिलहाल जिलों में चल रही बालू घाटों की नीलामी प्रक्रिया रुक जायेगी। आदेश मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने दिया। प्रार्थी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अजीत कुमार, अभिषेक राय और ज्ञानंत सिंह ने पक्ष रखा।

पिछले आदेश की अवमानना पर सुनवाई : मामला आदिवासी बुद्धिजीवी मंच द्वारा दायर अवमानना याचिका से जुड़ा है। मंच ने अदालत को बताया कि 29 जुलाई 2024 को दिये गये आदेश के बावजूद राज्य सरकार ने पेसा नियम अधिसूचित नहीं किया और बालू घाटों की नीलामी जारी रखी। अदालत ने इसे गंभीरता से लेते हुए सरकार को फटकार लगायी।

सुनवाई के दौरान जब पंचायती राज विभाग के प्रधान सचिव मनोज कुमार ने यह जिम्मेदारी मुख्यमंत्री और मंत्रियों पर डालने की बात कही, तो अदालत ने तीखा रुख अपनाते हुए पूछा - क्या आप चाहते हैं कि हम मुख्यमंत्री और मंत्रियों को जेल भेज दें? यही आप कह रहे हैं? कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सरकार 73वें संविधान संशोधन की मंशा को ठेंगा दिखा रही है, जबकि अनुसूचित क्षेत्रों में भूमि और प्राकृतिक संसाधनों पर ग्राम सभा का अधिकार सुनिश्चित होना चाहिए।

याचिकाकर्ता का तर्क : याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि सरकार जानबूझकर नियमों को अधिसूचित करने में देरी कर रही है, ताकि इस बीच बालू घाटों और अन्य खनिज खदानों की दीर्घकालिक नीलामी और पट्टे जारी कर दिये जायें। इससे ग्राम सभाओं को मिलने वाले अधिकार व्यर्थ हो जायेंगे। हाइकोर्ट ने राज्य सरकार को नियम अधिसूचित करने के लिए चार सप्ताह का समय देने से इनकार करते हुए केवल दो सप्ताह की मोहलत दी है। इसके बाद मामले की अगली सुनवाई होगी।

Euro Kids
EUROKIDS GLOBAL SCHOOL
CBSE PATTERN
Play Group | Nursery | Euro Jonior (LKG) | Euro Senior (UKG) — AGE GROUP 1.8 TO 6 YEARS
OFFERS YOU
Class 1 | Class 2 | Class 3 | Class 4 | Class 5
आपके बच्चों को दे सही शुरूआत
ADMISSION OPEN
KOKAR RIMS ROAD, TUNKI TOLA, RANCHI
7903079507, 8092334348

SACRED CHILD ACADEMY
PLAY SCHOOL
Pre Nursery | KG - I | Nursery | KG - II
ADMISSION OPEN
Tiril Road, Kokar, Ranchi
9661169815

BABU DINESH SINGH UNIVERSITY
(Established Under Government of Jharkhand Act-06, 2023 & Section 2(f) of the UGC Act, 1956, Member of AIU, Delhi)
BEST PRIVATE UNIVERSITY IN JHARKHAND | 10000+ BOOKS AVAILABLE IN LIBRARY | 150+ QUALIFIED, EXP. & MOTIVATED FACULTY | 150+ ACRE CAMPUS
300+ BEDS IN BOYS & GIRLS HOSTEL | 1500+ REGISTERED ALUMNI | LABS WITH MODERN TOOLS & EQUIPMENTS | RAGGING FREE CAMPUS
Where dreams BECOME REALITY
CAREER-ORIENTED PG/UG/DIPLOMA PROGRAMMES
Programs Approved by AICTE & Apex Bodies
ADMISSION OPEN SESSION 2025-26
Faculty of Engg. & Tech — B.Tech: Civil Engineering, Electrical and Electronic Eng., Computer Science & Eng., CSE (Artificial Intelligence), CSE (Cyber Security)
Polytechnic / Diploma: Civil Engineering, Mechanical Eng., Electrical and Electronic Eng., Computer Science & Eng., Electrical Engineering
Faculty of Law: LL.B., B.A. LL.B., B.B.A. LL.B
Faculty of Management: Bachelor of Business Administration (BBA), Master of Business Administration (MBA)
Faculty of Information Tech.: Bachelor of Computer Application (BCA), Master of Computer Application (MCA), Post Graduation in Computer Application (PGDCA)
Faculty of Education: Bachelor of Elementary Education (B.Ed), Diploma of Elementary Education (D.El.Ed.), M.A (Education)
Faculty of Arts & Social Science: B.A (Hindi), B.A (English), B.A (Sanskrit), B.A (Economics), B.A (Psychology), B.A (Sociology), M.A (Hindi), M.A (English), M.A (Sanskrit), M.A (Economics), M.A (Psychology), M.A (Sociology)
Faculty of Pharmacy: Diploma in Pharmacy (D.Pharm), Bachelor of Pharmacy (B.Pharm)
Faculty of Dental Science: Bachelor of Dental Surgery (BDS), Master of Dental Surgery (MDS)
Faculty of Homeopathy: Bachelor of Homeopathic Medicine & Surgery- BHMS, M.D Homeopathy, B.Sc Medical Pathology, B.Sc Medical Biochemistry, B.Sc Medical Microbiology, M.Sc Medical Microbiology, M.Sc Medical Biochemistry
Faculty of Nursing & Allied Health Science: Bachelor of Science in Nursing (B.Sc. Nursing), General Nursing and Midwifery (GNM), Auxiliary Nurse Midwives (ANM)
Paramedical: OT, DMLT, ECG, X-RAY, Medical in Sanitary Inspector, Medical in Ophthalmic Assistant, Medical in Certificate in Dresser
Library Science: B.Lib.I.Sc., M.Lib.I.Sc
Faculty of Science: B.Sc. (Mathematics), B.Sc. (Chemistry), B.Sc. (Physics), B.Sc. (Botany), B.Sc. (MLT), B.Sc. (Zoology), B.Sc. (Pathology), B.Sc. (Biochemistry), B.Sc. (Microbiology), M.Sc. (Mathematics), M.Sc. (Chemistry), M.Sc. (Physics), M.Sc. (Botany), M.Sc. (Zoology), M.Sc. (Physiology), M.Sc. (Biochemistry), M.Sc. (MLT), M.Sc (Microbiology)
Faculty of Commerce: B.Com, M.Com
TRANSPORT FACILITIES | HOSTEL FACILITIES | LUSH GREEN CAMPUS | WI-FI CAMPUS | WORLD CLASS INFRASTRUCTURE | 100% PLACEMENT ASSISTANCE
Admission Helpline: 9661462506, 6206297213, 9934688493
Farathiya, Garhwa-822114, Jharkhand | https://bdsu.ac.in/

FLORENCE GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of :Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN
COLLEGE OF NURSING: M.Sc. Nursing, Post Basic B. Sc. Nursing, B.Sc. Nursing, GNM (General Nursing And Midwifery), ANM (Auxiliary Nursing And Midwifery)
COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE: BMLT, DMLT, OT ASSISTANT, ECG, OPHTHALMIC ASST., CRITICAL CARE (ICU), RADIO-IMAGING, ANESTHESIA TECH., DRESSERS
COLLEGE OF PHARMACY: D-PHARM, B-PHARM
Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsniba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) के उम्मीदवार
श्री सी.पी. राधाकृष्णन
को उपराष्ट्रपति के लिए चयन होने पर
बहुत - बहुत हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
स्वामी देवेन्द्र प्रकाश
प्रदेश संयोजक, कार्यक्रम और बैठक विभाग
झारखंड प्रदेश भाजपा

बाबूलाल पर झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता ने साधा निशाना

केंद्र के आदेश पर हटाया जा रहा अतिक्रमण : सुप्रियो

झारखंड की जनता अतिक्रमणकारी नहीं है, बाहर से आये लोग हैं अतिक्रमणकारी

पहले एचइसी या डीआरएम ऑफिस घेर कर दिखाइये

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी पर हमला बोला। सुप्रियो ने कहा कि मरांडी इन दिनों मुद्दों की तलाश में रांची में ही रहकर सक्रियता दिखा रहे हैं, लेकिन उनकी बयानबाजी से ज्यादा भ्रम फैल रहा है। उक्त बातें सुप्रियो भट्टाचार्य सोमवार को कैंप कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बोल रहे थे। इस दौरान भट्टाचार्य ने हाल ही में वायरल हुए उस वीडियो का ज़िक्र किया, जिसमें बाबूलाल मरांडी हटिया विधायक के साथ बिरसा चौक पर दिखे थे और मौके से डीसी को कॉल कर रहे थे। इस पर उन्होंने कहा कि एचइसी इलाके में अतिक्रमण हटाने का निर्णय राज्य सरकार का नहीं, बल्कि भारत सरकार के भारी उद्योग मंत्रालय और साउथ इस्टर्न रेलवे के निर्देश पर लिया गया है। केंद्रीय मंत्रालय ने राज्य सरकार को पत्र लिखकर कहा था कि एचइसी की जमीन पर आवासीय परिसर खड़ा कर दिया गया है और इसे खाली कराना जरूरी है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब आदेश केंद्र सरकार की ओर से आया है तो मरांडी ने भारी उद्योग मंत्रालय और रेलवे को पत्र क्यों नहीं लिखा। भट्टाचार्य ने कहा कि बाबूलाल बतायें कि जिन लोगों ने एचइसी की जमीन पर कब्जा किया है, वे कौन हैं। झारखंड की जनता अतिक्रमणकारी नहीं है, यहां बाहर से आये लोग ही जमीन पर कब्जा जमाये बैठे हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि कूटे गांव में विस्थापित परिवारों को सरकार ने आवास उपलब्ध कराया है, लेकिन धुर्वा डैम के आसपास सेक्टर-2 और सेक्टर-3 के पीछे किसके समय में बिजली के खंभे लगाये गये और किस आधार पर उन बस्तियों को वार्ड में शामिल किया गया, इसका जवाब भी बाबूलाल को देना चाहिए। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि असल अतिक्रमणकारी तो भाजपा है। असम में 3000 एकड़ जमीन कॉरपोरेट को सौंप दी गयी, जिस पर अदालत को सवाल उठाना पड़ा। सुप्रियो ने कहा कि झामुमो सरकार ने विस्थापन आयोग बनाया है और राज्य में विस्थापन की पीड़ा को भलीभांति समझती है। लेकिन भाजपा और उसके नेता केवल कॉरपोरेट घरानों के हित में खड़े रहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एचइसी की अतिक्रमित जमीन पर जमीन दलाली करने वाले रहते हैं और इसी कारण वहां बाबूलाल मरांडी को दर्द दिखायी देता है। सीएम आवास घेरने की मरांडी की घोषणा पर भी भट्टाचार्य ने कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि पहले एचइसी या डीआरएम ऑफिस घेर कर दिखाइये। वहां सीआइएसएफ और आरपीएफ आपका स्वागत करेंगे। इसके बाद सीएम आवास की बात कीजिये। सुप्रियो ने कहा कि विस्थापन और अतिक्रमण की असली दोषी भाजपा है, जबकि झामुमो सरकार झारखंडी जनता के साथ खड़ी है।

बांग्लादेशी-रोहिंग्या को बसाने और अपनों को उजाड़ने में जुटी झामुमो सरकार : अजय साह

पुनर्वास विफलता का ठीकरा केंद्र पर फोड़ रही है राज्य सरकार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झामुमो के बयान पर भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार बांग्लादेशी, रोहिंग्या घुसपैठियों को बसाने में लगी है, जबकि अपने ही देश के गरीब और बेसहारा नागरिकों को बेघर करने के लिए नये-नये बहाने गढ़ रही है। उन्होंने कहा कि झामुमो बड़ी चालाकी से भारत सरकार के उस पत्र का जिक्र करती है जिसमें अतिक्रमण हटाने का अनुरोध किया गया था, लेकिन उन सभी पत्रों को दबा देती है जिनमें बेघर और बेसहारा लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पुनर्वास देने की स्पष्ट बात लिखी है। भारत सरकार की नीति साफ और पारदर्शी है, गरीबों को घर देना और घुसपैठियों को हटाना। इसके विपरीत, राज्य सरकार ने बिना किसी पुनर्वास योजना के अतिक्रमण हटाकर अपने असफल प्रयासों का दोष केंद्र पर डालने की कोशिश की है। अजय साह ने आगे कहा कि भारत सरकार और झारखंड उच्च न्यायालय ने कई बार राज्य सरकार को घुसपैठियों को हटाने का निर्देश दिया, लेकिन सरकार हर बार बहानेबाजी करती रही। आज वही सरकार उन लोगों को खदेड़ रही है जो पिछले 40-50 वर्षों से रांची में रह रहे हैं। नगर निगम चुनाव न होने के कारण गरीबों को घर देने वाली योजनाएं अधर में लटकी हुई हैं और जिन योजनाओं पर काम चल रहा है, उनमें भी राज्य सरकार और निगम के अधिकारियों द्वारा करोड़ों रुपये की हेराफेरी की गयी है। अजय ने कहा कि किसी भी अतिक्रमण को हटाने से पहले राज्य सरकार को पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए और साथ ही साथ यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि वहां पर कोई भी नया निर्माण ना हो। भाजपा प्रवक्ता ने यह भी आरोप लगाया कि झामुमो सरकार अतिक्रमण हटाने में धर्म देखकर कार्रवाई करती है। रांची शहर के बीचों बीच विशेष समुदाय के अवैध कब्जों पर कोई कार्यवाही नहीं होती, जबकि दशकों से बसे हिंदू समाज के गरीब परिवारों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। अजय साह ने स्पष्ट कहा कि राज्य सरकार का यह दोहरा रवैया जनता की नजरों से अब छिपा नहीं है और आने वाले समय में जनता झामुमो सरकार को करारा जवाब देगी।

सेवन स्टार्स अकादमी ने मनाया शिक्षक दिवस

रांची (आजाद सिपाही)। सेवन स्टार्स अकादमी, मंडप टोली, हेहल में सोमवार को शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया गया। मौके पर जहां बच्चों ने मनमोहक प्रसतुति दी वहीं, शिक्षको ने भी सभी के बीच अपने अशीर्वचन का प्रसाद बांटा। कार्यक्रम की शुरुआर दार्शनिक, शिक्षक और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। चरण धोकर शिक्षको का सम्मान किया गया। गुरुओ को उपहार स्वरूप पुरस्कार भी दिए गए। मौके पर विद्यालय के निर्देशक डॉ. बी. बेक ने अतिथियों और शिक्षकों का स्वागत किया। साथ ही शिक्षक दिवस के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। समाज में शिक्षकों की भूमिका को रेखांकित किया। फिर नन्हें-मुन्नों ने रंगारंग कार्यक्रम की शुरुआत कर एक से बढ़ कर एक प्रस्तुति दी। नृत्य-गीत आदि प्रस्तुत कर सबका मन मोहा। समापन मौके पर विद्यालय परिवार ने एक स्वर से संकल्प लिया कि वे डॉ. राधाकृष्णन के आदर्शों को आत्मसात करते हुए शिक्षा को समाज में नई दिशा देने हेतु निरंतर प्रयासरत रहेंगे। धर्मचंद उरांव, सीमा तिग्गा ,प्राचार्य डाक्टर बबन कुमार , प्रफुल कुमार बिद , उप प्राचार्य रीतू प्रिया, अमर अमीप, सहित सभी शिक्षक गण, कार्यालय कर्मचारी आदि उपस्थित थे।

अदाणी फाउंडेशन ने लगाया रोजगार मेला

बड़ी संख्या में युवाओ ने लिया हिस्सा

आजाद सिपाही संवाददाता

बड़कागांव (हजारीबाग)। बड़कागांव में मंगलवार को अदाणी फाउंडोशन की ओर से रोजगार मेला लगाया गया। इसमें दो सौ से ज्यादा युवाओ ने हिस्सा लिया। पूर्वाह्न बाद कार्यक्रम का उद्घाटन थाना प्रभारी कृष्ण कुमार गुप्ता ने किया। मेले की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह का आयोजन बार-बार होना चाहिए। अदाणी फाउंडेशन में रोजगार की अत्याधिक संभावना है। इसका लाभ उठाया जाना चाहिए। युवा इससे जुड़कर रोजगार के क्षेत्र में अपना भविष्य सुरक्षित करें। अदाणी के हर प्रोजेक्ट में रोजगार की संभावनाएं मौजूद हैं। और स्थानीय युवाओं को इनसे जुड़कर अपने भविष्य को मजबूत करना चाहिए। मैके पर गोंदुलपारा खनन परियोजना प्रमुख पुंडरीक मिश्रा ने रैयतों को आरएनआर पॉलिसी और एलए एंड आरआर एक्ट 2013 के तहत मिलने वाले लाभों की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि फाउंडेशन जल्द ही इलाके में स्कूल, हॉस्पिटल और स्किल ट्रेनिंग सेंटर की स्थापना करेगा, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास के क्षेत्र में स्थानीय लोगों को सुविधा मिल सकेगी। उन्होंने फाउंडेशन के अन्य प्रोजेक्ट्स में चल रहे सीएसआर कार्यक्रमों की भी जानकारी दी। शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन स्तर सुधार से जुड़े कार्य आदि के बारे में विस्तार से बताया।

मेले के बाद भी जमा करा सकेंगे सीवी : रोजगार मेले के बाद भी एक सप्ताह तक सीवी ड्रॉप बॉक्स सक्रिय रहेगा, जहां इच्छुक उम्मीदवार अपने दस्तावेज जमा कर सकते हैं। प्राथमिकता विस्थापित परिवारों, परियोजना प्रभावित और आसपास के ग्रामीण परिवारों को दी जायेगी।

इच्छुक युवाओं ने जमा कराया सीवी

रोजगार मेले में आए सभी युवाओ ने सीवी जमा कराया है। जिनकी शॉर्टलिस्टिंग की प्रक्रिया जारी है। अदाणी फाउंडेशन के अधिकारियों ने बताया कि युवाओं को उनकी योग्यता, अनुभव और कौशल के आधार पर नौकरी के ऑफर दिए जाएंगे। रोजगार के ये अवसर अहमदाबाद के मुंद्रा, मध्यप्रदेश के सिंगरौली, पटना, आंध्रप्रदेश और पुणे समेत अन्य जगहों के लिए है। युवाओं के लिए जो मौके उपलब्ध हैं उनमें कंटेनर मोबिलिटी ऑपरेटर, एचएमवी ड्राइवर और सोलर ऑपरेटर के पद शामिल हैं।

वेतन के साथ मिलेंगी कई सुविधाएं

चयनित उम्मीदवारों को हर महीने वेतन के साथ कर्मचारी भविष्य निधि (इपीएफ), वार्षिक मेडिकल जांच, सस्ते दर पर भोजन, आवास सुविधा तथा इंसेंटिव जैसी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

वर्षे से चल रहा सेवा कार्य

अदाणी फाउंडेशन पिछले कई वर्षों से बड़कागांव इलाके में सीएसआर गतिविधियों को निरंतर चला रहा है। इसके तहत फ्री एम्बुलेंस सेवा, टीबी मरीजों को पोषण किट, नेत्र एवं स्वास्थ्य जांच शिविर, शैक्षणिक सहयोग और छात्रवृत्ति योजनाएं शामिल हैं, जिनसे बड़ी संख्या में स्थानीय लोग लाभान्वित हो रहे हैं।

निभायी भागीदारी

सुरक्षा प्रमुख अमित कोले, डीजीएम राजेश वर्मा, सीएसआर विभाग के प्रभारी मोहित गुप्ता, सेवानिवृत डीएसपी जीतेन्द्र दुबे, डिप्टी मैनेजर संतोष तिवारी, एचआर लीड लक्ष्मीकांत, एडमिन अधिकारी मिथिलेश कुमार सिन्हा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने इसमें खास तौर से भागीदारी निभायी।

रांची में सफाई व्यवस्था चरमरायी

महालक्ष्मी टावर के सामने कचरे का अंबार, नगर निगम बेखौफ

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राजधानी रांची की सफाई व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। बकरी बाजार स्थित कार्ट सराय रोड पर महालक्ष्मी टावर के सामने कई दिनों से कचरे का अंबार जमा हुआ है। इलाके में रहने वाले लोगों का कहना है कि नगर निगम की लापरवाही के कारण नियमित सफाई नहीं हो रही, जिसके चलते हर समय मच्छरों का आतंक रहता है और बदबू से जीना मुश्किल हो गया है। बारिश के मौसम में यह कचरा मच्छरों और मक्खियों के पनपने का केंद्र बन गया है, जिससे डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ गया है। आसपास रहने वाले लोगों ने बताया कि शिकायतों के बावजूद नगर निगम की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गयी है। नतीजतन, महालक्ष्मी टावर के सामने गंदगी का पहाड़ खड़ा हो गया है। एक निवासी ने बताया, हमें बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं। वहीं त्योहारों का सीजन नजदीक होने के कारण इलाके में भीड़भाड़ बढ़ेगी, ऐसे में स्वच्छता की अनदेखी गंभीर स्वास्थ्य आपदा का कारण बन सकती है। दुकानदारों का कहना है कि गंदगी की वजह से ग्राहक भी प्रभावित हो रहे हैं और व्यापार पर असर पड़ रहा है। स्थानीय लोगों की मांग है कि प्रशासन तत्काल इस कचरे को हटाने के साथ-साथ पूरे क्षेत्र को सैनिटाइज करे, ताकि संक्रमण के खतरे को रोका जा सके। यह मुद्दा केवल स्थानीय असुविधा का नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और शहरी स्वच्छता प्रबंधन से जुड़ा गंभीर सवाल है। नगर निगम को त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए ताकि राजधानी की छवि और नागरिकों की सुरक्षा दोनों बनी रह सकें।

बइरबी-सायरंग रेल परियोजना: पूर्वोत्तर भारत को प्रगति से जोड़ती ऐतिहासिक पहल

आजाद सिपाही संवाददाता

कोलकाता। भारतीय रेल ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए, आजादी के बाद पहली बार मिजोरम की राजधानी आइजोल को देश के रेल मानचित्र से जोड़ा है। बइरबी-सायरंग रेल परियोजना के पूरा होने से पूर्वोत्तर भारत की चौथी राजधानी को रेल संपर्क प्राप्त हुआ है। यह परियोजना न केवल भौगोलिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण मानी जाती है, बल्कि इंजीनियरिंग और निर्माण की दृष्टि से भी भारतीय रेल के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

पूर्वोत्तर में नयी रेल क्रांति : अब तक पूर्वोत्तर क्षेत्र की तीन राजधानियां–गुवाहाटी (असम), ईटानगर (अरुणाचल प्रदेश) और अगरतला (त्रिपुरा)- सीधे रेल नेटवर्क से जुड़ी थीं। मई 2025 में सायरंग तक सफल ट्रायल रन के साथ आइजोल इस सूची में चौथी राजधानी बन गयी। यह ऐतिहासिक कदम न केवल मिजोरम के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करता है, बल्कि क्षेत्र की सामाजिक और आर्थिक प्रगति का मार्ग भी प्रशस्त करता है।

परियोजना का स्वरूप और लागत बइरबी-सायरंग रेल परियोजना की कुल लंबाई 51.38 किलोमीटर है। यह बइरबी से शुरू होकर आइजोल के निकट स्थित सायरंग तक जाती है। परियोजना को चार प्रमुख सेक्शनों में बांटा गया है:

-बइरबी-हरतकी सेक्शन- 16.72 किमी

-हरतकी-कावनपुई सेक्शन- 9.71 किमी

-कावनपुई-मुअलखांग सेक्शन- 12.11 किमी

-मुअलखांगझसायरंग सेक्शन- 12.84 किमी

पूरे प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत लगभग ?8071 करोड़ रुपये से अधिक है। इस परियोजना के तहत चार नये स्टेशन- हरतकी, कावनपुई, मुअलखांग और सायरंग का निर्माण किया गया है।

इंजीनियरिंग और निर्माण की चुनौतियां : मिजोरम का भौगोलिक स्वरूप कठिन और पहाड़ियों वाला है। यहां रेलवे ट्रैक बिछाने के लिए अनेक पुलों और सुरंगों की आवश्यकता थी। इस परियोजना में कुल 55 बड़े पुल और 87 छोटे पुल बनाये गये हैं। इसके अलावा 48 सुरंगों का निर्माण किया गया है, जिनकी कुल लंबाई 12.8 किलोमीटर से अधिक है। परियोजना का सबसे उल्लेखनीय इंजीनियरिंग चमत्कार है पुल संख्या 196 का पियर पी-4, जिसकी ऊंचाई 114 मीटर है। यह कुतुब मीनार से भी 42 मीटर ऊंचा है। इसके अतिरिक्त, यात्रियों और माल ढुलाई की सुगमता के लिए 5 रोड ओवरब्रिज और 6 रोड अंडरब्रिज का भी निर्माण किया गया है।

निर्माण कार्य की उपलब्धियां : रेलवे इंजीनियरों ने अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में इस परियोजना को पूरा किया। नरम मिट्टी, बरसात से भरे मौसम और दुर्गम पहाड़ियों पर काम करना बिल्कुल भी आसान नहीं था। इसके बावजूद, ऑटोमैटिक टनलिंग मेथड जैसी आधुनिक तकनीकों, सुरक्षा उपायों और सटीक निर्माण योजना की मदद से सुरंगों की ड्रिलिंग, पुलों की नींव डालने तथा ऊंचाई पर विशाल संरचनाएं खड़ी करने जैसे जटिल कार्य सफलतापूर्वक पूरे किये गये, ताकि यात्रियों की रेल यात्रा न केवल तेज और आरामदायक हो, बल्कि सुरक्षित भी हो।

मिजोरम को मिलनेवाले लाभ

- बइरबी-सायरंग रेल परियोजना मिजोरम की आर्थिक और सामाजिक प्रगति के लिए मील का पत्थर साबित होगी।
- कृषि और स्थानीय उद्योग के लिए नये बाजार: मिजोरम के किसान, बुनकर और स्थानीय उद्योग अब अपने उत्पादों को आसानी से देश के अन्य हिस्सों तक पहुंचा पायेंगे।
- माल ढुलाई की दक्षता: रेल मार्ग से माल परिवहन तेज और सस्ता होगा, जिससे व्यापार और उद्योग को बल मिलेगा।
- समय की बचत: सड़क मार्ग पर ज्यादा समय लेने वाली यात्रा अब ट्रेनों के जरिए कम समय में पूरी होगी।
- पर्यटन को बढ़ावा: मिजोरम की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक धरोहर तक पहुंच आसान होगी, जिससे पर्यटन उद्योग को गति मिलेगी।

पूर्वोत्तर का भविष्य और रेल संपर्क

भारतीय रेल की यह परियोजना केवल मिजोरम तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूर्वोत्तर भारत के लिए एक नयी विकास गाथा लिखती है। बेहतर रेल संपर्क से इस क्षेत्र में निवेश की संभावनाएं बढ़ेंगी और रोजगार के नये अवसर सृजित होंगे। यह परियोजना कनेक्टिंग नॉर्थ ईस्ट टू द नेशन के संकल्प को मजबूत करती है। बइरबी-सायरंग रेल परियोजना भारतीय रेल की इंजीनियरिंग दक्षता, दूरदर्शी योजना और विकास के प्रति प्रतिबद्धता का जीवंत उदाहरण है। कठिन पहाड़ियों और चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों को पार करते हुए यह परियोजना पूर्वोत्तर भारत की जीवनधारा को नयी गति देती है। आइजोल का रेल मानचित्र से जुड़ना मिजोरम के साथ पूरे देश के लिए गर्व का विषय है।

महत्वपूर्ण खबरें

रवींद्र भवन में चार दिनी मेला सह बिक्री प्रदर्शनी 'उमंग' 12 सितंबर से

रांची (आजाद सिपाही)। सीएमपीडीआइ का रवींद्र भवन में 12 सितंबर से चार दिनी मेला सह बिक्री प्रदर्शनी उमंग 2.0 से गुलजार रहेगा। इसका आयोजन वोमेन इन पब्लिक सेक्टर (विप्स) की ओर से किया जा रहा है। शुक्रवार की शाम बतौर मुख्य अतिथि कस्तूरी महिला सभा सीएमपीडीआइ की अध्यक्षा रूपाली गुप्ता इसका उद्घाटन करेंगी। मौके पर सीएमपीडीआइ के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक और निदेशकगण खास तौर से उपस्थित रहेंगे। मेले का समापन 15 सितंबर की रात आठ बजे होगा। मेले परिसर लगभग 70 स्टालों से शुशोभित रहेगा। आधुनिक परिधान, हैंडलूम साड़ियां, सूट, आभूषण, घरेलू साज-सज्जा और सजावट के सामान के साथ खाने-पीने का समान बरबस ही लुभायेगा। इसके अतिरिक्त जूट, पुनर्चक्रित कागज, शिल्प और स्मृति चिह्न, मोमबत्तियां, हैंड बैग, हस्त निर्मित वस्तुएं की क्या कहने। सभी के सभी बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे। सारे उतपाद रांची जिले और आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं द्वारा बनाये गये हैं। मेला प्रबंधन समिति ने बताया कि इसका उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना, छोटे उद्यमियों को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने और बिक्री के लिए एक मंच प्रदान करना है। साथ ही लोगों के बीच टिकाऊ और पर्यावरण हितैषी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देना है। कोई भी इच्छुक स्टाल के पंजीकरण और अन्य विवरण के लिए -9898678477, 9423060011 और 7433009463 पर संपर्क कर सकते हैं।

संत माइकल पब्लिक स्कूल में निबंध प्रतियोगिता

रांची (आजाद सिपाही)। संत माइकल पब्लिक स्कूल में मंगलवार को खादी और ग्रामोद्योग आयोग की ओर से हिंदी निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इसमें रानी कुमारी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर बाजी मारी। संजीव कुमार मरांडी दूसरे और इसनम अनवर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजयी प्रतिभागियों को ट्रॉफी दी गयी, जबकि अन्य प्रतिभागियों को प्रयास के लिए प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। हिंदी भाषा के महत्व को बढ़ावा देने और छात्रों में लेखन कौशल विकसित करने के उद्देश्य से प्रतियोगिता करायी गयी। जिसमें कक्षा आठ से 10 तक के छात्रों और छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रधानाचार्या मंजू पांडेय के मार्गदर्शन में कार्यक्रम संपन्न हुआ। जगरनाथ मरांडी और चंदन कुमार ने इसमें निर्णायक की भूमिका अदा की।

रोटरी नार्थ ने दिव्यांग बच्चों में बांटी यूनिफॉर्म

रांची (आजाद सिपाही)। रांची के बहूबाजार स्थित सेंट माइकल ब्लाइंड स्कूल में रोटरी क्लब ऑफ रांची नॉर्थ ने एक सराहनीय पहल की। इस कार्यक्रम में स्कूल के लड़कों और लड़कियों को स्कूल ड्रेस वितरित किया गया। इसके साथ ही, दिन का भोजन और केला-बुंदिया भी बांटा गया। कार्यक्रम में हेजल डेविस, पूनम लाल, राजन चड्ढा, निहार दास, परवेज रामा, समीर चंद्रा सहित कई गणमान्य उपस्थित थे। स्कूल की प्रिंसिपल सरिता तालेजा ने भी इस मौके पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस आयोजन के माध्यम से रोटरी क्लब ने दृष्टिबाधित छात्रों के प्रति अपनी संवेदनशीलता और समर्थन का प्रदर्शन किया।

वरिष्ठ पत्रकार कुमार राजेश की माता का निधन, शोक में डूबा परिवार

रांची (आजाद सिपाही)। राजधानी रांची के वरिष्ठ पत्रकार कुमार राजेश की मां फुदिया देवी का 79 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वो कुछ महीने से बीमार चल रही थीं। सीसीएल के गांधीनगर हॉस्पिटल में मंगलवार सुबह उन्होंने अंतिम सांस लीं। उनके दो बेटे हैं, जिनमें से बड़े बेटे सतीश कुमार रांची स्थित सीसीएल (दरभंगा हाऊस) में कार्यरत हैं। छोटे बेटे कुमार राजेश शहर के जाने-माने वरिष्ठ पत्रकार हैं। इन्होंने सहारा दिल्ली से अपने करियर की शुरूआत की। दैनिक अखबार प्रभात खबर, हिंदुस्तान रांची में लंबे समय तक अपनी सेवाएं दीं। वरिष्ठ पत्रकार कुमार राजेश की माता की मौत का समाचार सुनकर पूरे पत्रकारिता जगत समेत कांके रोड स्थित चंदवे, सर्वोदय नगर, श्याम नगर में शोक की लहर दौड़ गयी।

170वां सुंदरकांड पाठ से गुंजायमान रहा श्रीश्याम मंदिर

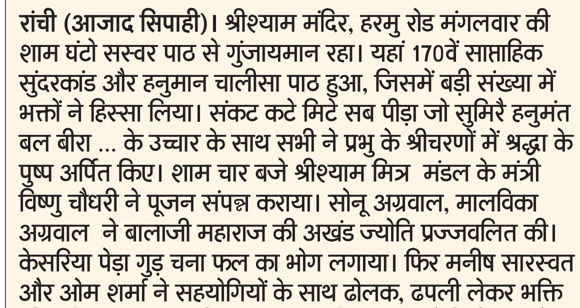

रांची (आजाद सिपाही)। श्रीश्याम मंदिर, हरमु रोड मंगलवार की शाम घंटो सस्वर पाठ से गुंजायमान रहा। यहां 170वें साप्ताहिक सुंदरकांड और हनुमान चालीसा पाठ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने हिस्सा लिया। संकट कटे मिटे सब पीड़ा जो सुमिरै हनुमंत बल बीरा ... के उच्चार के साथ सभी ने प्रभु के श्रीचरणों में श्रद्धा के पुष्प अर्पित किए। शाम चार बजे श्रीश्याम मित्र मंडल के मंत्री विष्णु चौधरी ने पूजन संपन्न कराया। सोनू अग्रवाल, मालविका अग्रवाल ने बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्जवलित की। केसरिया पेड़ा गुड़ चना फल का भोग लगाया। फिर मनीष सारस्वत और ओम शर्मा ने सहयोगियों के साथ ढोलक, ढपली लेकर भक्ति की अविरल धारा बहायी। श्रवण ढानढनिया, पुष्पा देवी पोद्दार,मुकेश मित्तल, राजेश जयसवाल, महामंत्री गौरव अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्रवन ढानढनिया, अशोक लड़ियां, कोषाध्यक्ष मनोज खेतान, निवर्तमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, मंत्री विष्णु चौधरी, सोनू अग्रवाल, मालविका अग्रवाल, अरुण खूंटेटा, हर्ष, कृष्णा कुमार आदि ने इसमें खास तौर से हिस्सा लिया।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
No. 1 Channel
YouTube Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	31.8 °C	23.9 °C
सूर्यास्त (आज) :		17.59 बजे
सूर्योदय (कल) :		05.33 बजे

महत्वपूर्ण खबरें

मंदबुद्धि निराश्रितों की सेवा कर कराया भोजन

रांची (आजाद सिपाही)। मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम, अपना घर आश्रम, पुंदाग में मंगलवार को मानव सेवा माधव सेवा के भाव से 40 मंदबुद्धि दिव्यांग निराश्रितों की सेवा कर सभी को स्वादिष्ट भोजन कराया गया। सुनीता और अशोक अग्रवाल ने इसमें खास तौर से सहयोग दिया। मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि सात अगस्त से अबतक लगभग 6120 निराश्रितों और उनकी देखभाल करने वाले सेवादार साथियों के बीच अन्नपूर्णा सेवा चलाया गया। अर्थव कुमार, सुनीता कुमारी, विशाल जालान, रंजना शर्मा, मनोज कुमार यादव, शांती देवी, निर्मल अग्रवाल, दीपक केसरी, विवेक सिंह, कौशिक चंदेल, बबीता लाल, राजेश रंजन, दीपक गुप्ता, सुनीता देवी, प्रकाश चंद मोदी, खुशबू गुप्ता, आनंद कुमार सिंह, अनुप टाटीया, पूनम सिन्हा, रुची गुप्ता, संध्या मोदी, रेणु देवी गोयल, राजीव रंजन, कृष्णा ठक्कर, कविता बेंकट गाडोदिया, बीना देवी, अशोक कुमार अग्रवाल, निलेश, ट्विंकल, छावनीका, दीपांकर केसरी, सोनू कुमार,हरीश पारीख, रामपाल जैन, अपूर्वा कुमारी, ज्ञान शर्मा, अभिषेक सिंह, सतेंद्र त्रिपाठी, आनंद माणिक,आदिति प्रिया, रेणु कुमारी, संजय साहू, राम रतन धानुका, अभिषेक कुमार, राधा कुमारी, सतेंद्र सिंह ने भी इस पुनित कार्य में बढ़-चढ़ कर भागीदारी निभायी। ट्रस्ट के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष निर्मल जालान, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, सचिव मनोज कुमार चौधरी, निर्मल छावनिका, सज्जन पाड़िया, पुजारी अरविंद पांडे, पुरणमल सर्राफ, शिव भगवान अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, नंद किशोर चौधरी, संजय सर्राफ, विशाल जालान, सुनील पोद्दार, मधुसूदन जाजोदिया, पवन कुमार पोद्दार, विष्णु सोनी आदि मौके पर मौजूद थे।

झारखंड प्रजापति (कुम्हार) महासंघ ने की माटी कला बोर्ड गठन की मांग

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड प्रजापति (कुम्हार) महासंघ की प्रदेश कार्य समिति की बैठक विधानसभा सभागार रांची में संपन्न हुई। इस बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष देवनारायण प्रजापति और संचालन प्रदेश महामंत्री सह माटी कला बोर्ड के पूर्व सदस्य ईश्वरचंद प्रजापति ने किया। इस बैठक में महासंघ के पदाधिकारियों और सदस्यों ने भाग लिया और झारखंड में कुम्हारों की स्थिति और उनके हितों के बारे में चर्चा की। महासंघ ने सरकार से मांग की है कि झारखंड में माटी कला बोर्ड का गठन जल्द से जल्द किया जाये। महासंघ ने कहा कि झारखंड में कुम्हारों की संख्या 32 लाख है, लेकिन उन्हें सरकार से अपेक्षित समर्थन नहीं मिल रहा है। इस अवसर पर मुख्य रूप से महासंघ के पूर्व संरक्षक सह बेरमो के पूर्व विधायक योगेश्वर महतो (बाटुल), महासंघ के पूर्व अध्यक्ष माटी कला बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष श्रीचंद प्रजापति, महासंघ के कार्यकारी अध्यक्ष सह माटी कला बोर्ड के पूर्व सदस्य राजेंद्र पंडित और माटी कला बोर्ड के सदस्य नीरज प्रजापति उपस्थित रहे। इस बैठक में उपाध्यक्ष संजय पंडित, पुना बेसरा, संगठन मंत्री पप्पू पंडित, प्रदेश मंत्री लक्ष्मण पंडित, रमेश चंद्र मांझी प्रदेश प्रवक्ता विक्रम महतो, प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय प्रजापति, महिला प्रदेश महिला प्रभारी कामिनी देवी, प्रदेश युवा प्रभारी शंभू प्रजापति, सह प्रभारी संदीप पंडित मौजूद थे।

अतिक्रमण को लेकर भ्रम फैला रही बीजेपी : लाल किशोरनाथ शाहदेव

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता लाल किशोरनाथ शाहदेव ने बीजेपी पर पलट वार करते हुए कहा कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को लेकर बीजेपी भ्रम फैला रही है। बांग्लादेशी रोहिंग्या घुसपैठियों के मुद्दे को विधानसभा चुनाव में भुनाने के बाद भी राज्य की जनता ने खारिज करने का काम किया था। उन्होंने कहा कि भाजपा को इस अनर्गल आरोप प्रत्यारोप का जवाब था कि उन्हें विपक्ष में बैठने के लिए मजबूर होना पड़ा, लेकिन आने वाले समय में जनता भाजपा को विपक्ष में बैठने लायक भी नहीं छोड़ेगी। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई प्रशासनिक कार्रवाई है और बीजेपी इस मुद्दे को बेवजह राजनीतिक रंग देकर समाज में विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रही है। सरकार किसी भी समुदाय के साथ भेदभाव नहीं कर रही है। अतिक्रमण चाहे किसी भी धर्म या समुदाय का हो, कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। रांची में विशेष समुदाय के अवैध कब्जों पर कार्रवाई न होने का आरोप बेबुनियाद है। सरकार हर तरह के अवैध निर्माण पर नजर रख हुए है और जरूरत पड़ने पर उचित कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से भेजे गए पत्र में स्पष्ट है कि अवैध कब्जों को हटाया जाना चाहिए। वहीं राज्य सरकार पुनर्वास योजनाओं पर काम कर रही है और किसी भी गरीब परिवार को बेघर नहीं किया जायेगा। बीजेपी अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए केंद्र सरकार की योजनाओं का हवाला देकर जनता को गुमराह कर रही है। कांग्रेस प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव ने आगे कहा कि नगर निगम चुनाव को लेकर भी बीजेपी नेताओं का बयान का राजनीतिक स्टंट है। सरकार गरीबों के लिए आवास योजनाएं चला रही है, लेकिन बीजेपी के अड़ियल रवैये के कारण कुछ योजनाओं में देरी हो सकती है। सरकार गरीबों को न्याय दिलाने को लेकर दृढ़ संकल्प है।

अन्नपूर्णा सेवा ने तय किया तीन साल का सफर

रांची (आजाद सिपाही)। पहाड़ी मंदिर रोड के पास रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से चलाए जा रहे श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर अन्नपूर्णा सेवा का तीसरा वर्षगांठ सोमवार को मनाया गया। इसकी शुरुआत स्वर्गीय सत्यनारायण नारसरिया और शारदा देवी नारसरिया की स्मृति में किया गया था, ताकि जरूरतमंदों को सहजता से भोजन मिल सके। दोपहर बाद माल्यार्पण और पुष्पांजलि से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। फिर इससे जुड़े सदादारों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सम्मेलन के जिला अध्यक्ष सज्जन पाड़िया ने किया। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष सह अन्नपूर्णा सेवा के संयोजक सुरेश चंद्र अग्रवाल ने नारसरिया परिवार और इस सेवा में सहयोग देने वाले दानदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। समाजसेवी रामावतार नारसरिया और प्रदीप नारसरिया ने कहा कि मानव सेवा से बढ़कर कोई कार्य नहीं है। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री निर्मल बुधिया ने किया। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के वरीय उपाध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार, महामंत्री विनोद जैन, संयुक्त महामंत्री संजय सर्राफ, श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर के सचिव अनूप अग्रवाल, श्रीमाहेश्वरी सभा अध्यक्ष किशन साबू, नरेंद्र लाखोटिया, निर्मल बुधिया,अशोक नारसरिया, अभिषेक नारसरिया, जितेश अग्रवाल, ओमप्रकाश गाड़ोदिया, महेश अग्रवाल, नरेश बंका, आनंद जालान, मनोज रुईया, द्वारका प्रसाद अग्रवाल, रमेश बंका, सांवरमल बुधिया, राजकुमार मित्तल, अमित चौधरी, अजय खेतान, विजय खोवाल, कमल शर्मा, स्नेहा नारसरिया, प्रीति नारसरिया, मंजू लोधा मौके पर उपस्थित थे।

उपराष्ट्रपति पद पर सीपी राधाकृष्णन की जीत ने भाजपाइयों में भरा जोश

रांची (आजाद सिपाही)। उपराष्ट्रपति चुनाव के नतीजों का एलान हो गया है। एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने इस चुनाव को जीत लिया है और इसके साथ ही वह देश के 15वें नये उपराष्ट्रपति बनने वाले हैं। राज्यसभा के सेक्रेटरी जनरल पीसी मोदी ने चुनाव के नतीजों के एलान किया। उपराष्ट्रपति चुनाव में राजग उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन का सीधा मुकाबला विपक्ष के संयुक्त उम्मीदवार सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी से था।

सीपी राधाकृष्णन का उपराष्ट्रपति निर्वाचित होना झारखंड के लिए गौरव की बात है : संजय सेठ

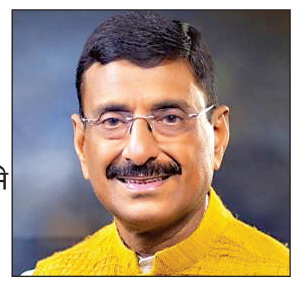

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने सीपी राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति निर्वाचित होने पर अपनी ढेर सारी शुभकामनाएं दी। सेठ ने कहा कि यह झारखंड के लिए गौरव की बात है। झारखंड के राज्यपाल रहे ऐसे मृदभाषी और सादगी से परिपूर्ण ऐसे विभूति आज उपराष्ट्रपति निर्वाचित हुए हैं। इनका अनुभव हम सबों को प्राप्त होगा और उपराष्ट्रपति के तौर पर इनका कार्यकाल एक सुनहरे अक्षरों में याद किया जायेगा। झारखंड वासियों की ओर से ढेर सारी शुभकामनाएं।

सीपी राधाकृष्णन के मार्गदर्शन में राष्ट्र नयी ऊंचाइयों की ओर अग्रसर होगा : प्रदीप वर्मा

राज्य सभा सांसद प्रदीप वर्मा ने कहा कि सीपी राधाकृष्णन को भारत के उपराष्ट्रपति पद पर निर्वाचित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। जनसेवा और सार्वजनिक जीवन में आपका व्यापक अनुभव, आपके आदर्श मूल्य और नेतृत्व क्षमता हमारे लोकतंत्र को और मजबूत बनायेगा। पूर्ण विश्वास है कि आपके मार्गदर्शन में राष्ट्र नयी उंचाइयों की ओर अग्रसर होगा।

व्यापक अनुभव से विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र को नयी मजबूती मिलेगी : महेश पोद्दार

पूर्व राज्यसभा सांसद महेश पोद्दार ने कहा कि सीपी राधाकृष्णन को देश के उपराष्ट्रपति निर्वाचित होने पर बहुत-बहुत बधाई। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपके व्यापक अनुभव और नेतृत्व से विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र को नयी मजबूती मिलेगी। सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं।

सीपी राधाकृष्णन का अनुभव संवैधानिक मूल्यों की गरिमा को आगे बढ़ायेगा : रमेश सिंह

भाजपा नेता रमेश सिंह ने कहा कि सीपी राधाकृष्णन को भारत के 15वें उपराष्ट्रपति निर्वाचित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। राधाकृष्णन जी का व्यक्तित्व सेवा, समर्पण और सादगी का संगम रहा है। उन्होंने सदैव जनसेवा को अपने जीवन का ध्येय माना और अपनी विनम्रता तथा प्रखर बौद्धिकता से एक विशिष्ट पहचान बनायी। निश्चय ही आपका विराट अनुभव और प्रखर मेधा देश के सर्वोच्च सदन और संवैधानिक मूल्यों की गरिमा को अवश्य बढ़ायेगा।

दूरदर्शी मार्गदर्शन और संवेदनशील नेतृत्व से भारत नयी उंचाइयों को प्राप्त करेगा: सन्नी टोप्पो

भाजपा नेता सन्नी टोप्पो ने कहा कि सीपी राधाकृष्णन को हार्दिक बधाई एवं सफल कार्यकाल की मंगलकामनाएं। आपकी सहजता, सरलता और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण सदैव प्रेरणादायी रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपके दूरदर्शी मार्गदर्शन और संवेदनशील नेतृत्व में भारत नयी उंचाइयों को प्राप्त करेगा।

राष्ट्र की सशक्त लोकतांत्रिक परंपरा की जीत: कृपाशंकर सिंह

भाजपा नेता कृपाशंकर सिंह ने कहा कि सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति चुनाव में शानदार विजय की हार्दिक बधाई और अनंत शुभकामनाएं। 452 मतों से प्राप्त यह ऐतिहासिक जीत न केवल आपके व्यक्तित्व और कार्यशैली पर विश्वास की मुहर है, बल्कि यह राष्ट्र की सशक्त लोकतांत्रिक परंपरा की भी जीत है। उन्होंने कहा कि आपके नेतृत्व में उपराष्ट्रपति पद और भी गौरवशाली होगा और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत रहेगी।

राधाकृष्णन की दूरदृष्टि और समर्पण से लोकतंत्र मजबूत होगा: देवशरण भगत

आजसू के मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत ने कहा कि आज सीपी राधाकृष्णन देश के उपराष्ट्रपति पद की जिम्मेदारी संभालने जा रहे हैं, तो पूरा विश्वास है कि उनके अनुभव, दूरदृष्टि और जनकल्याण के प्रति समर्पण से भारत की लोकतांत्रिक परंपराएं और अधिक सशक्त होंगी और झारखंड को भी इसका लाभ मिलेगा।

भाकृअनुप-केन्द्रीय चावल अनुसंधान संस्थान
कटक (ओडिशा)-753006, भारत
ICAR-CENTRAL RICE RESEARCH INSTITUTE
CUTTACK (ODISHA)-753006, INDIA
विज्ञापन संख्या / Advertisement No.: 25/GA/AFO/2025-26 दिनांक / Date: 09.09.2025
प्रत्यक्ष साक्षात्कार हेतु सूचना / Notice for walk-in-Interview
प्रधान अन्वेषक, ईएपी-453 योजना के तहत सभी योग्य उम्मीदवारों को दो (02) ग्रैजूएट असिस्टेंट एवं एक (01) कृषि क्षेत्र सहायक के चयन हेतु को भाकृअनुप-कें.चा.अनु.सं., कटक, ओड़िशा में प्रत्यक्ष साक्षात्कार हेतु आमंत्रित करते है। अधिक जानकारी के लिए कृपया भाकृअनुप-कें.चा.अनु.सं., की वेबसाइट: https://icar-crri.in/walk-in-interview-3/ पर जाएं।
P.I. of the project EAP-453, invites all the eligible candidates for walk-in-Interview for the post of Two (02) Graduate Assistant and One (01) Agricultural Field Operator at ICAR-CRRI, Cuttack, Odisha. For further details please visit to ICAR-CRRI website: https://icar-crri.in/walk-in-interview-3/.
प्रधान अन्वेषक / PRINCIPAL INVESTIGATOR

जैलेंद्र कुमार ने गेतलसूद में जुलूस निकालकर जश्न मनाया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। उपराष्ट्रपति के पद पर डॉ सीपी राधाकृष्णन की जीत पर रांची के गेतलसूद में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जुलूस निकाल कर जश्न मनाया मिठाइयां बांटी और आतिशबाजी की। भाजपा के पूर्व रांची जिलाध्यक्ष जैलेंद्र कुमार के नेतृत्व में विजय जुलूस निकाला गया। जैलेंद्र कुमार ने कहा कि डॉ सीपी राधाकृष्णन के राजनीतिक अनुभव का लाभ देश को मिलेगा। अपने 40 सालों के राजनैतिक जीवन में इसकी राजनीतिक सुचिता बनी रही। भाजपा ने दिखा दिया कि भाजपा का आम कार्यकर्ता कहीं भी पहुंच सकता है। भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है। इस अवसर पर बिगेश्वर महतो, सीताराम मुंडा, अजय राज, गणेश लोहारा, राजीव सिंह,जितेंद्र महतो, कैलाश महतो, भोला महतो, शिवा महतो, रामबिहारी सिंह, नरेश महतो, शिकारी महतो, बीरेंद्र यादव और संतोष सिंह आदि उपस्थित थे।

राज्य के लिए गर्व का विषय : प्रवीण प्रभाकर

आजसू पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर ने बधाई देते हुए आशा व्यक्त की है कि राधाकृष्णन जी का कार्यकाल भारत को सामाजिक, सांस्कृतिक और संवैधानिक मजबूती प्रदान करने की दिशा में ऐतिहासिक सिद्ध होगा। झारखंड के पूर्व राज्यपालों का देश के दो श्रेष्ठतम पदों पर होना गर्व का विषय है।

AFFIDAVIT
As per Affidavit Ref. No. 6521 date 01/09/2025. I, PRIYA KUMARI YADAV W/o Vijay Shankar Yadav, aged about 31 years, by faith- Hindu, residing at Near Hanuman Mandir, Phusro, P.O.-Phusro Bazar, P.S. Bermo, Dist.-Bokaro, (Jharkhand)-829144,
1. That, my actual and correct name is PRIYA KUMARI YADAV as per my Aadhaar Card vide No.- 2537 1531 8008 and PAN Card vide no. CKEPD7405G.
2. That, in my Bank Account of Bank of India, Phusro Bazar Branch vide A/c No. 489210110014918 and Punjab National Bank, vide A/c No. 4545000100037735 my name has been mentioned as PRIYA DEVI.
3. That, PRIYA KUMARI YADAV and PRIYA DEVI both name are of same and one lady i.e. myself.

डॉ एनके सिंह आरएसएसडीआइ उपाध्यक्ष चुने गये, झारखंड के लिए गर्व का पल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रिसर्च सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ डायबिटीज इन इंडिया (आरएसएसडीआइ) ने डॉ एनके सिंह को उपाध्यक्ष (2026-2029) चुने जाने की घोषणा की है। यह ऐतिहासिक विजय न केवल डॉ. सिंह की अथक निष्ठा और डायबिटीज केयर को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है, बल्कि झारखंड के लिए भी गर्व का पल है। रिसर्च सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ डायबिटीज इन इंडिया (आरएसएसडीआइ) एशिया का सबसे बड़ा संगठन है, जो डायबिटीज के स्वास्थ्य विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं के लिए समर्पित है। इसकी स्थापना 1972 में हुई थी और यह इंटरनेशनल डायबिटीज फेडरेशन द्वारा मान्यता प्राप्त भारत की राष्ट्रीय संस्था है। आरएसएसडीआइ का मुख्य उद्देश्य डायबिटीज अनुसंधान को बढ़ावा देना, चिकित्सकों को एडवांस्ड सर्टिफिकेट कोर्स इन डायबिटोलॉजी के माध्यम से प्रशिक्षित करना और जनता में डायबिटीज की रोकथाम एवं प्रबंधन के बारे में जागरूकता फैलाना है।

डॉ. एनके सिंह के बारे में

बता दें कि झारखंड में दो दशकों से अधिक समय से डॉ. सिंह नैतिक, साक्ष्य-आधारित और रोगी-केंद्रित डायबिटीज केयर के अग्रणी विशेषज्ञ रहे हैं। उन्होंने कई वैज्ञानिक लेख, केस रिपोर्ट और शैक्षणिक संसाधन प्रकाशित किये हैं। सीएमइ इंडिया के संस्थापक के रूप में, उन्होंने हजारों चिकित्सकों को जोड़ने और सतत चिकित्सा शिक्षा को बढ़ावा देने का अनूठा मंच तैयार किया है।

झारखंडी संस्कृति को हमेशा प्रोत्साहित किया सीपी राधाकृष्णन ने : सुदेश महतो

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी प्रमुख सुदेश महतो ने देश के उपराष्ट्रपति पद पर निर्वाचित होने पर सीपी राधाकृष्णन को शुभकामनाएं और बधाई प्रेषित की हैं। महतो ने कहा कि राधाकृष्णन जी का निर्वाचित होना न केवल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के लिए गौरव का विषय है बल्कि यह पूरे देश के लोकतांत्रिक मूल्यों की सुदृढ़ता का प्रतीक भी है। झारखंड के राज्यपाल रहते हुए उन्होंने यहां के जनजीवन से गहरा जुड़ाव बनाया और अपनी सादगीपूर्ण कार्यशैली से जनसेवा का नया मानक स्थापित किया। महतो ने कहा कि कि झारखंड में अपने कार्यकाल के दौरान 'गूंज महोत्सव' में जिस प्रकार अपनी उपस्थिति से राधाकृष्णन ने कला, संस्कृति और परंपराओं को प्रोत्साहित किया, उसने जनता को गहरे रूप से प्रभावित किया है। महतो ने विश्वास प्रकट किया कि अपने उपराष्ट्रपति कार्यकाल में भी राधाकृष्णन पूरे देश की विविध आकांक्षाओं को साथ लेकर भारत को नयी ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सफल होंगे।

श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन मां चैतन्य मीरा ने कहा

कथा में समाहित है जीवन का सार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। अग्रसेन भवन में चल रहे श्रीमद्भावग कथा के तीसरे दिन मां चैतन्य मीरा ने अपने प्रवचन और भजन के माध्यम से कथा प्रसंग पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही जीवनउपयोगी बाते भी बतायी। कहा कि यह मात्र कथा नहीं, सफल जीवन का सार है। इसके श्रवण मात्र से जीव का कल्याण हो जाता है। गुरु मां ने बताया कि श्रीमद् भागवत और श्री राम कथा का श्राद्ध पक्ष में श्रवण करने से अत्यधिक लाभ होता है। इससे हम अपने पितरों को शांति और प्रभु के चरणों में स्थान दिलाते हैं। यह आयोजन अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की ओर से किया गया है।

राधा-रानी शिक्षा कोष की हुई शुरुआत : कथा के दौरान मारवाड़ी महिला मंच रांची शाखा की ओर से राधा रानी शिक्षा कोष प्रारंभ किया गया। इसमें मंच की महिलाओं ने 51000 का सहयोग राशि दे कर इसकी शुरुआत कोष प्रभारी प्रभाकर जी अग्रवाल ने बताया की इस कोष से गरीब कन्याओं की शिक्षा की व्यवस्था की जाएगी।

दर्ज करायी उपस्थिति : झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल, महामंत्री विनोद कुमार जैन, वरीय उपाध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार, संकटमोचन बालाजी परिवार की ओर से सुनयना लॉयलका, लालचंद बगड़िया एक्युप्रेशर संस्थान से रमाशंकर बगड़िया, झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री एवं प्रवक्ता संजय सर्राफ, दीपशिखा संस्थान से सुधा लीला और मंजू गुप्ता, पूरश्री संस्थान से प्रियंका जालान और रश्मि कनोई, रूपा अग्रवाल,अनसूया नेवटिया, अलका सरावगी, मधु सर्राफ, उर्मिला पाड़िया, नैना मोर,प्रीती बंका,मंजू केडिया, बीना मोदी, रीना सुरेखा, बीना बूबना,प्रीती पोद्दार, शोभा हेतमसरिया, मीरा टिंबरेवाल, करुणा अग्रवाल, सीमा टॉटीया, प्रीती अग्रवाल आदि मौजूद थे।

पूर्व मध्य रेल
ई. निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति के तरफ से निम्न कार्य हेतु ई.निविदा आमंत्रित की जाती है।
क्रम 1. कार्य का नाम एवं स्थान – डिजाइन, ड्राइंग, संशोधन, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण और कमीशन 25kv OHE कांति, मोतीपुर, महवाल, मेहसी, चकिया, पिपरा और जीवधारा में यार्ड का पुनर्निर्माण और मुजफ्फरपुर –सुगौली सेगमेंट में बैलेंस OHE काम और डाइ.सीईई /कांन/एन/एसपीजे के तहत किसी अन्य स्थानों पर। e-Tender No. EL-C-N-MHX-ETEN-08-25-26. 2. अनुमानित कार्य की लागत : रू. 22,03,11,719.00, 3. जमा किए जाने वाले बयाना राशि एवं निविदा प्रपत्र का मूल्य – NIT के अनुसार एवं रू शून्य, 4. कार्य पूर्ण करने का समय : 18 माह, 5. निविदा बंद होने का तिथि एवं समय : 15/09/2025 दोपहर 12.00 बजे तक। 6. वेबसाइट विवरण नोटिस बोर्ड का स्थान जहां निविदा की पूर्ण जानकारी देखा जा सकता है तथा कार्यालय का पता जहां से निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है : आई.आर.इ.पी.एस बेवसाईट www.ireps.gov.in पर, पर निविदा डाउन लोड किया जा सकता है एवं सीईई/कॉन महेन्द्रूघाट, कार्यालय सीएओ/कॉन ईसीआर ऑफिस परिषर, पटना 800004 में निविदा पट पर देखा जा सकता है।
हिन्दी एवं अंग्रेजी की सूचना में किसी प्रकार की भिन्नता पाये जाने पर अंग्रेजी में प्रकाशित सूचना को सही माना जायेगा।
उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण/उत्तर
पू.म.रे./महेंद्रूघाट/पटना
पीआर/908/सीएन/एन/एमएचएक्स/ईएलईसीटी/टी/25-26/36

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा
भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ डीईई/टीआरडी/दक्षिण पूर्व रेलवे, चक्रधरपुर नीचे उल्लिखित अनुसार ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। निविदाओं को 29.09.2025 को अपराह्न 3.30 बजे खोला जाना निर्धारित है। इन निविदाओं के तहत मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है और प्राप्त ऐसे किसी भी मैनुअल प्रस्ताव को नज़रअंदाज़ कर दिया जाएगा। क्रम संख्या: 1। निविदा सूचना संख्या: सीकेपी-डी-659-मैनिंग-डिपो, दिनांक: 08.09.2025। कार्य का नाम: दो वर्षों के लिए चक्रधरपुर मंडल के टावर वैगन/कारों का पहरा सहित विभिन्न ओएचई/पीएसआई डिपो (17 अदद) की नॉन-कोर ट्रैक्शन परिसम्पत्तियों का पहरा/देखभाल। निविदा मूल्य: ₹ 2,57,53,903.68। जमा बयाना राशि: ₹ 2,78,800। पूरा करने की अवधि: 24 महीना। क्रम संख्या: 2। निविदा सूचना संख्या: सीकेपी-डी-656-ऑपरेशन-टीएसएस, दिनांक: 08.09.2025। कार्य का नाम: दो वर्षों के लिए चक्रधरपुर मंडल के रेलवे स्वामित्व वाले ट्रैक्शन सब-स्टेशन (21 अदद) अर्थात मानीकुई, केंदपोसी, बड़ाजामदा, बांसपानी, गोइलकेरा, चक्रधरपुर, सलगाझरी, राजखरसावां, भालुलता, बामरा, राजगंगपुर, चण्डीपोसी, नुआगांव, चाईबासा, केचुबाहल, आरएसपी (राउरकेला), गारपोस, धूतरा, मनोहरपुर, रायरंगपुर एवं बिमलगढ़ के परिचालन के लिए पहरा देना/आउटसोर्सिंग। निविदा मूल्य: ₹ 4,12,89,685.92। जमा बयाना राशि: ₹ 3,56,500। पूरा करने की अवधि: 24 महीना। क्रम संख्या: 3। निविदा सूचना संख्या: सीकेपी-डी-675-पीएसजे-यार्ड, दिनांक: 08.09.2025। कार्य का नाम: चक्रधरपुर मंडल में पतसाही यार्ड पर सम्बंधित रूपांतरण सहित अतिरिक्त लोडिंग/अनलोडिंग लाइन के निर्माण के सम्बन्ध में ओएचई/पीएसआई कार्य। निविदा मूल्य: ₹ 2,24,10,899.48। जमा बयाना राशि: ₹ 2,62,100। पूरा करने की अवधि: 12 महीना। निविदा खुलने की तारीख एवं समय: 29.09.2025 को अपराह्न 3.30 बजे (क्रम संख्या 1 से 3 प्रत्येक के लिए)। ई-निविदा खुलने का स्थान: वरिष्ठ डीईई/टीआरडी/दक्षिण पूर्व रेलवे का कार्यालय (क्रम संख्या 1 से 3 प्रत्येक के लिए)। निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 29.09.2025 को अपराह्न 3.00 बजे (क्रम संख्या 1 से 3 प्रत्येक के लिए)। ई-निविदा वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदादाता/बोलीदाताओं के पास क्लास-III डिजीटल सिग्नेचर प्रमाणपत्र अवश्य होना चाहिए और उन्हें आईआरईपीएस पोर्टल के अधीन अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। सिर्फ पंजीकृत निविदादाता/बोलीदाता ही ई-निविदा में भाग ले सकते हैं। ई-निविदा में भाग लेते समय सभी सम्बंधित कागजात अवश्य अपलोड करने होंगे। (PR-606)

सड़क पर उतरे युवा

नेपाल में सड़कों पर उतरा युवाओं का गुस्सा अचानक आयी प्रतिक्रिया नहीं और न ही सरकार के किसी एक फैसले से उपजा आक्रोश है। यह लंबे वक्त की हताशा है, जो सब्र का बांध टूटने के बाद जाहिर हो रही। नेपाल सरकार को सख्ती के बजाय समस्या की जड़ को समझना चाहिए और युवाओं से बातचीत कर रास्ता निकालने की कोशिश होनी चाहिए।

अभिव्यक्ति पर बैन : नेपाल सरकार ने स्थानीय स्तर पर रजिस्ट्रेशन नहीं कराने के कारण बीते हफ्ते 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बैन लगा दिया। इनमें फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, एक्स (पूर्व में ट्विटर), वट्सऐप जैसे बड़े प्लेटफॉर्म भी हैं। सरकार भले सुप्रीम कोर्ट के आदेश और नियमों का हवाला दे रही हो, लेकिन उसके इस कदम ने जनता खास कर युवाओं में दबे आक्रोश को उभार दिया। युवा वर्ग का कहना है कि यह प्रतिबंध सीधे उनके काम और अभिव्यक्ति पर है।

करप्शन से परेशान : जो सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म अभी उपलब्ध हैं, उन्हीं के जरिये युवा एक-दूसरे से जुड़े और इस आंदोलन को खड़ा किया। इस दौरान 'नेपो बेबी' ट्रेंड करना बताता है कि भाई-भतीजावाद और करप्शन से लोग किस कदर परेशान हैं। इस साल की शुरुआत में भी ऐसा ही एक आंदोलन हो चुका है, जब देशभर में मांग उठी कि राजशाही की वापसी हो। उस समय भी जनता ने भ्रष्टाचार को लेकर गुस्सा जताया था।

देश की डीजीपी में मामूली तेजी का अनुमान है, लेकिन सरकार युवाओं में उम्मीद और भरोसा जगाने में नाकाम रही है। युवाओं को कोरे वादे नहीं, बदलाव चाहिए।

राजनीतिक अस्थिरता : नेपाल के अंदरूनी हालात लंबे समय से नाजुक बने हुए हैं। यह देश राजनीतिक अस्थिरता, बेरोजगारी और दूसरे मुद्दों से जूझ रहा है। विडंबना है कि 2008 में इन्हीं सब मुद्दों को लेकर व्यापक जन आंदोलन छिड़ा था, जिसने राजशाही का अंत कर गणतांत्रिक व्यवस्था कायम की। लेकिन, दो दशक भी नहीं बीते और उस सिस्टम से जनता का मोहभंग हो चुका है। चुने हुए नेताओं ने लोगों को किस कदर निराश किया है, समझने के लिए यह बताना काफी है कि 17 बरसों में यहां 14 सरकारें बन चुकी हैं और पूर्व प्रधानमंत्रियों शेर बहादुर देउबा से लेकर बाबूराम भट्टराई, प्रचंड और मौजूदा पीएम केपी शर्मा ओली तक - तमाम राजनेता किसी न किसी तरह के करप्शन के आरोपों का सामना कर रहे हैं।

भरोसे की कमी : नेपाल की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से पर्यटन और प्रवासी नागरिकों की ओर से भेजी गयी रकम पर निर्भर है, पर हाल में दोनों में कमी आयी है। युवाओं में बेरोजगारी दर 19.2% है और 82% आबादी informal employment में है। देश की डीजीपी में मामूली तेजी का अनुमान है, लेकिन सरकार युवाओं में उम्मीद और भरोसा जगाने में नाकाम रही है। युवाओं को कोरे वादे नहीं, बदलाव चाहिए।

अभिमत
आजाद सिपाही

पूर्वोत्तर भारत की वादियों में जल्द ही एक नयी गूंज सुनाई देने वाली है–रेल की सीटी की गूंज। आजादी के 78 साल बाद मिजोरम तक रेल पटरी पहुंचना केवल एक निर्माण कार्य नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है। यह परियोजना उस भरोसे की मिसाल है कि चाहे रास्ते कितने भी कठिन क्यों न हों, जब राजनीतिक इच्छाशक्ति, इंजीनियरिंग दक्षता और जनसहयोग साथ आते हैं, तो असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है। बइरबी से सायरंग तक बिछी यह 52 किलोमीटर लंबी लाइन मिजोरम को पहली बार सीधे न सिर्फ भारतीय रेल नेटवर्क से जोड़ेगी बल्कि विकास, अवसर और आत्मनिर्भरता की नयी राह खोलेगी।

पहाड़ों से जुड़ी पटरी, सपनों से जुड़ा मिजोरम

गौरव कुमार पुष्कर

मिजोरम, पूर्वोत्तर भारत का वह राज्य जहां आजादी के 78 साल बाद पहली बार रेल सेवा शुरू होने जा रही है। पहाड़ों की गोद में बसे इस खूबसूरत प्रदेश तक रेल पहुंचना अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। बइरबी से सायरंग तक लगभग 52 किलोमीटर लंबी रेल लाइन बन कर तैयार हो चुकी है। ट्रायल रन सफल रहा है और अब इंतजार है तो केवल उस क्षण का, जब इन वादियों में ट्रेन की सीटी गूंजेगी और सफर की कठिनाइयां मिनटों में सिमट जाएंगी। इस लाइन के शुरू होने से राजधानी आइजोल को सीधी रेल कनेक्टिविटी मिलेगी। यह परियोजना न सिर्फ क्षेत्रीय संपर्क को मजबूत करेगी, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था, शिक्षा और पर्यटन को भी नए अवसर देगी।

'लैंड ऑफ हिल पीपुल' कहे जाने वाले मिजोरम में रेल पटरी बिछाना आसान काम नहीं था। यहां का इलाका दुर्गम है, लगातार बारिश और भूस्खलन के खतरे बने रहते हैं। कई जगह तो उपकरण और निर्माण सामग्री तक पहुंचाना बेहद मुश्किल था। यही कारण है कि दशकों तक यहां रेल लाइन बिछाने की कल्पना भी असंभव लगती रही, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इच्छाशक्ति, इंजीनियरों की तकनीकी निपुणता और श्रमिकों के साहस ने इस असंभव को संभव बना दिया। करीब पाँच हजार करोड़ रुपये की लागत से यह परियोजना चार चरणों में पूरी की गयी।

ट्रेन सेवा शुरू होने की खबर ने यहां के लोगों के चेहरों पर मुस्कान ला दी है।

निर्माण के दौरान सबसे बड़ी चुनौती मौसम रहा। बारिश के कारण निचले इलाकों में जलभराव हो जाता था, जिससे काम प्रभावित होता था। भूस्खलन ने भी कई बार बाधा खड़ी की। लेकिन इन मुश्किलातों को पार करते हुए अंततः 11 सालों की मेहनत के बाद एक मई 2025 को पहला ट्रायल रन सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

पूरी रेल लाइन ही भारतीय इंजीनियरिंग की एक अद्भुत मिसाल है। इस ट्रैक पर 48 सुरंगें, 55 बड़े पुल और 87 छोटे ब्रिज बने हैं। लेकिन सबसे बड़ी उपलब्धि है ब्रिज नंबर 196, जिसका पाया कुतुब मीनार से भी 42 मीटर ऊँचा है। यह केवल एक संरचना नहीं, बल्कि मानवीय कौशल और तकनीकी साहस का प्रतीक है। नार्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी नीलांजन देव बताते हैं कि परियोजना में हर स्तर पर आधुनिकतम तकनीक और सुरक्षा मानकों का पालन किया गया।

पूरी रेल लाइन ही भारतीय इंजीनियरिंग की एक अद्भुत मिसाल है। इस ट्रैक पर 48 सुरंगें, 55 बड़े पुल और 87 छोटे ब्रिज बने हैं। लेकिन सबसे बड़ी उपलब्धि है ब्रिज नंबर 196, जिसका पाया कुतुब मीनार से भी 42 मीटर ऊँचा है। यह केवल एक संरचना नहीं, बल्कि मानवीय कौशल और तकनीकी साहस का प्रतीक है। नार्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी नीलांजन देव बताते हैं कि परियोजना में हर स्तर पर आधुनिकतम तकनीक और सुरक्षा मानकों का पालन किया गया। दुर्गम इलाकों में बनाये गये ये पुल और सुरंगें यह साबित करते हैं कि भारतीय इंजीनियरिंग किसी भी चुनौती को पार करने में सक्षम है।

यह रेल परियोजना केवल कंक्रीट और लोहे की नहीं, बल्कि संस्कृति और कला की भी कहानी है। सुरंगों की दीवारों पर स्थानीय मिजो संस्कृति की झलक दिखाने वाली कलाकारी उकेरी गयी है। यह पहल न सिर्फ यात्रियों को आकर्षित करेगी, बल्कि मिजोरम की पहचान और परंपरा को देश-दुनिया तक पहुंचाने का माध्यम भी बनेगी।

मिजोरम की खूबसूरत वादियां, बादलों से बातें करते पहाड़, हवा की ताजगी और बांस की कलाकृतियां पहले ही पर्यटकों को खींचती रही हैं। अब रेल संपर्क इन पर्यटन स्थलों तक पहुंच को आसान बनाकर स्थानीय अर्थव्यवस्था को नयी रफ्तार देगा।

ट्रेन सेवा शुरू होने की खबर ने यहां के लोगों के चेहरों पर मुस्कान ला दी है। युवा वर्ग का कहना है कि यह रेल लाइन उनके सपनों को नयी उड़ान देगी। अब तक बेहतर शिक्षा और रोजगार की तलाश में राज्य से बाहर जाना एक मजबूरी थी। नयी रेल सेवा इस तस्वीर को बदलेगी। यह केवल भौगोलिक दूरी घटाने का प्रयास नहीं है, बल्कि संभावनाओं और अवसरों को पास लाने की ऐतिहासिक पहल है। आत्मनिर्भर भारत की असली झलक तभी सामने आएगी जब देश के दूरस्थ इलाकों के युवा अपने ही परिवेश में भविष्य की राह तलाश सकेंगे।

मिजोरम की सीमाएं दो देशों–बांग्लादेश और म्यांमार–से मिलती हैं। ऐसे में यह परियोजना केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामरिक दृष्टि से भी बेहद अहम है। रेल संपर्क से न केवल व्यापार और सामाजिक गतिविधियां बढ़ेंगी, बल्कि भारत की रणनीतिक स्थिति भी और मजबूत होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' के तहत यह रेल लाइन पूर्वोत्तर को दक्षिण-पूर्व एशिया से जोड़ने की दिशा में एक अहम पड़ाव है।

लंबे समय तक पूर्वोत्तर भारत ने खुद को देश की मुख्यधारा से अलग-थलग महसूस किया। भौगोलिक दूरी, परिवहन की कमी और आर्थिक चुनौतियों ने इस अलगाव को और गहरा किया। लेकिन बीते एक दशक में केंद्र सरकार ने इस क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास किये हैं। सड़क, हवाई और अब रेल संपर्क ने न केवल भौतिक दूरी घटाई है, बल्कि दिलों की दूरी भी मिटाई है। लोगों के बीच विश्वास और आत्मीयता का सेतु मजबूत हुआ है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई मौकों पर यह स्पष्ट कर चुके हैं कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में पूर्वी भारत की भूमिका निर्णायक होगी। बीते दस वर्षों में उनका 70 बार इस क्षेत्र का दौरा करना इस बात का प्रमाण है कि केंद्र सरकार के लिए पूर्वोत्तर का विकास सर्वोच्च प्राथमिकता है।

निस्संदेह, बइरबी से सायरंग तक रेल लाइन का बनना केवल एक ढांचागत परियोजना नहीं, बल्कि भारत की विकास यात्रा का ऐतिहासिक पड़ाव है। यह तकनीकी क्षमता, राजनीतिक इच्छाशक्ति और जनसहयोग का जीवंत संगम है। मिजोरम तक रेल पहुंचना उस नये भारत का प्रतीक है, जहां देश का कोई भी कोना विकास की दौड़ में पीछे न रहे।

यह रेल परियोजना भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' को मजबूती देती है, सामरिक दृष्टि से एक सुदृढ़ सुरक्षा कवच प्रदान करती है और आर्थिक दृष्टि से समृद्धि की नयी राह खोलती है। मिजोरम तक रेल पहुंचने की कहानी संघर्ष, धैर्य और तकनीकी निपुणता से भरी है–और सबसे बढ़कर यह आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

जब राजनीतिक इच्छाशक्ति, इंजीनियरिंग दक्षता और जनसहयोग एक साथ आते हैं, तो विकास की कोई सीमा शेष नहीं रहती। आने वाली पीढ़ियों के लिए यह रेल लाइन केवल यात्रा का साधन नहीं, बल्कि आशा, आत्मनिर्भरता और प्रगति की कहानी लिखने वाली राह है।

(लेखक : भारतीय सूचना सेवा के अधिकारी हैं।)

कोल्हान की खबरें

कपाली में अवैध खनिज परिवहन पर कार्रवाई, दो हाइवा जब्त

कपाली (आजाद सिपाही) । सरायकेला-खरसावां जिले के उपायुक्त नीतीश कुमार सिंह के निर्देश पर खनन विभाग की टीम ने चांडिल और कपाली थाना क्षेत्र में औचक जांच अभियान चलाया। मंगलवार को अभियान के दौरान अवैध खनिज परिवहन करते दो हाइवा जब्त किया।पकड़े गए वाहनों में पत्थर के साथ हाइवा नंबर जेएच05बीके 8724 और जेएच01बीके 7176 में बालू लदे हुए थे। दोनों वाहनों को कपाली थाना क्षेत्र के पुड़ीसिल्ली से पकड़ा गया थाने में सुपुर्द कर दिया गया। मौके पर वाहन मालिक, चालक और अन्य संलिप्त लोगों पर मामला दर्ज किया गया। कार्रवाई के दौरान टीम में खान निरीक्षक समीर कुमार ओझा, चांडिल थाना प्रभारी डिल्सन बिरुआ, कपाली थाना प्रभारी धीरंजन कुमार और पुलिस बल शामिल रहे।

रोटरी ग्रीन का सीपीआर ट्रेनिंग कार्यक्रम

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। मानगो एनएच स्थित मिथिला मोटर्स में रोटरी क्लब ऑफ जमशेदपुर ग्रीन द्वारा सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया गया। इसमें बड़ी संख्या में कंपनी के कर्मचारी एवं अधिकारी शामिल हुए। रांची से पधारे प्रशिक्षकों राजू, राजेश, आशीष एवं सूरज कुमार ने कर्मचारियों को प्रशिक्षण देते हुए बताया सही विधि से दिये गये सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) से आपात स्थिति में किसी की जान बचाई जा सकती है। उन्होने जानकारी दी अकस्मात दिल का दौरा पड़ने से व्यक्ति की सांस या ड़कल रुक जाती है। जिसे सही तरीके से तुरंत सीपीआर देकर धड़कन बहाल किया जा सकता है, ताकि मरीज की धड़कन पुनः चालू कर आगे इलाज के लिए अस्पताल और चिकित्सक से संपर्क किया जा सके। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कंपनी कर्मचारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।सीपीआर की सही विधि समझा। कार्यक्रम में रोटरी ग्रीन की अध्यक्ष अनन्ना दत्ता, सचिव नीलम जायसवाल, रीता मिश्रा, डॉ बीके गुप्ता आदि सहित मिथिला मोटर्स के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

पीड़ित परिवार से मिले सामाजिक कार्यकर्ता और सबर समुदाय का प्रतिनिधिमंडल

चांडिल (आजाद सिपाही)। दलमा तराई क्षेत्र में नाबालिग से दुष्कर्म की घटना से पूरा इलाका स्तब्ध है। इस अमानवीय कृत्य की निंदा करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता दीपक रंजीत और सबर समुदाय के नेता सुखलाल पहाड़िया के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल एमजीएम अस्पताल पहुंचे और पीड़िता एवं उसके परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया और हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। मौके पर सत्यनारायण मुर्मू, पंचायत के सबर समुदाय के बासुदेव सबर और चिलगु पंचायत के उप मुखिया राधा नाथ सिंह समेत कई लोग उपस्थित रहे। सभी ने पीड़िता एवं परिजनों से मुलाकात कर मानसिक एवं सामाजिक सहयोग का भरोसा दिया। उन्होंने डॉक्टरों से पीड़िता का बेहतर इलाज के लिए आग्रह किया। साथ ही मुआवजा और अन्य सरकारी सुविधाएं दिलाने के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी। दीपक रंजीत ने कहा कि यह केवल एक बच्ची के साथ हुई दरिंदगी नहीं, बल्कि समाज पर सामूहिक हमला है। पीड़िता को न्याय दिलाना और उसके परिवार को सुरक्षा एवं सहयोग उपलब्ध कराना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। झारखंडी समुदाय में पहले इस तरह की घटनाएं लगभग नहीं होती थीं, लेकिन बाहरी संस्कृति के प्रभाव में आने से अब बलात्कार जैसी कुप्रवृत्तियां समाज में प्रवेश कर रही हैं। यह गंभीर चिंता का विषय है।

टीम केडिया-कांवटिया अनुभव और युवाशक्ति का संगम, उद्योग, व्यापार और समाज के उत्थान का प्रण

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। सिंहभूम चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के आगामी चुनाव 2025झ27 को लेकर टीम केडिया एवं काँवटिया ने जुगसलाई, मानगो, परसुडीह एवं सिंहभूम के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया। अभियान के दौरान व्यापारियों,उद्योगपतियों एवं सामाजिक प्रतिनिधियों ने टीम को भरपूर समर्थन और आशीर्वाद दिया। मौके पर सचिव पद के उम्मीदवार ने कहा बीते कार्यकाल में चेंबर ने महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए कई ट्रेड फेयर और विशेष सत्र आयोजित किये। टीम ने महिला व्यवसायियों को कार्यकारिणी में सक्रिय रूप से शामिल किया था। इस परंपरा को टीम केडिया कांवटिया अपने कार्यकाल में निरंतर आगे बढ़ायेगी। सचिव पद के उम्मीदवार सुरेश शर्मा ने कहा वे हमेशा समाज और प्रत्येक व्यापारी के साथ मजबूती से खड़े रहे हैं। युवा अवस्था से ही मारवाड़ी युवा मंच, मारवाड़ी सम्मेलन, ब्राह्मण संघ जैसे संगठनों से सक्रिय होकर समाज सेवा करते आ रहे हैं। यही प्रतिबद्धता सिंहभूम चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री में भी निभा रहे हैं। अध्यक्ष विजय आनंद मूनका के नेतृत्व में सचिव के रूप में उन्होंने हर एक व्यापारी तक पहुंच कर उनके हितों की रक्षा की और लाभकारी पहल की।

टीम केडिया कांवटिया ने पुनः संकल्प लिया आने वाले कार्यकाल में भी व्यापारी वर्ग, उद्योग जगत एवं समाज के हर क्षेत्र में नवाचार, विश्वास और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। इस अवसर पर विजय आनंद मूनका, मानव केडिया, अनिल मोदी, भरत मकानी, अभिषेक अग्रवाल गोल्डी, सुरेश शर्मा लिप्पू, हर्ष बाक्रेवाल, विनोद शर्मा, राजीव अग्रवाल, अंशुल रिंगसिया, अश्विनी कुमार अग्रवाल, मोहित मूनका, प्रतीक अग्रवाल, उमेश कुमार खीरवाल, विष्णु कुमार गोयल, दिलीप कुमार अग्रवाल, पवन कुमार नरेडी, अभिषेक काबरा, अमिश कुमार अग्रवाल, दीपक कुमार चेतानी, पियुष गोयल, प्रीतम जैन, रोहित काबरा, अजय कुमार अग्रवाल, आकाश मोदी, अमित संघी, मनीष गोयल, सुमन नागेलिया, बब्लू कुमार अग्रवाल, शुभम सेन, पंकज कुमार चोशालिया, विकास गढ़वाल, पियूष चुड़ीवाला, प्रांजल सरावगी, जय प्रकाश हीरवाल, महेश कुमार अग्रवाल, कौशिक मोदी, राजेश कुमार अग्रवाल, अशोक कुमार गोयल और सौरभ संघी शामिल रहे।

सीपी राधाकृष्णन भारत के उपराष्ट्रपति निर्वाचित होने पर राजेश शुक्ल ने दी बधाई

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। झारखंड स्टेट बार काउंसिल के वाइस चेयरमैन और सुप्रसिद्ध वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश कुमार शुक्ल ने भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए प्रत्याशी सी पी राधाकृष्णन की शानदार जीत पर खुशी जाहिर करते हुए उन्हें बधाई दी। श्री शुक्ल ने कहा राधाकृष्णन ने झारखंड ,महाराष्ट्र,तेलंगाना में राज्यपाल के रूप में भी सराहनीय कार्य किए हैं। उन्होंने राज्यपाल रहने के दौरान झारखंड में उच्च शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए। श्री शुक्ल ने कहा राधाकृष्णन से उनके निजी संबंध रहे। जब वे झारखंड के राज्यपाल सह विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति थे तब उनसे उच्च शिक्षा के सुधार के लिए और विश्वविद्यालयों की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार मिलने का अवसर मिला था। उन्होंने कोल्हान विश्वविद्यालय के संस्थापक सिंडिकेट सदस्य के रूप में किये गये उन्नयन में योगदान की सराहना भी की। श्री शुक्ल ने कहा राधाकृष्णन उपराष्ट्रपति निर्वाचित होने से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व में अविराम गति से चल रहे भारत के विकास यात्रा को नयी ऊंचाई मिलेंगी। देश को एक नये शिखर पर ले जायेंगे। देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और भी मजबूती मिलेगी। साथ ही राज्यसभा को बेहतर ढंग से संचालन में प्रेरणादायक भूमिका निभायेंगे।

राधाकृष्णन का अनुभव राष्ट्र के लिए अमूल्य : काले

- सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति बनने पर काले ने दी बधाई

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। भारत के नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन को बधाई देते हुए झारखंड भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले ने कहा कि उनका चयन पूरे देशवासियों के लिए गर्व और गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि झारखंड का यह विशेष सौभाग्य है कि जहां एक पूर्व राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू देश की राष्ट्रपति पद पर आसीन हैं, वहीं अब झारखंड के ही पूर्व राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन देश के उपराष्ट्रपति पद की गरिमा बढ़ायेंगे। प्रदेश प्रवक्ता काले ने कहा कि राधाकृष्णन का संघर्षपूर्ण जीवन, अनुशासनप्रिय कार्यशैली और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण भाव पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वे संविधान की मयार्दाओं एवं लोकतांत्रिक परंपराओं का पालन करते हुए भारत को नयी दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत जिस तीव्र गति से विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है, उसमें नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का अनुभव और मार्गदर्शन निश्चित रूप से अमूल्य योगदान सिद्ध होगा।

प्रकृति की रक्षा और जल, जंगल, जमीन को बचाये रखने का संकल्प सबको लेना चाहिए : विधायक सोनाराम सिंकू

आजाद सिपाही संवाददाता

गुवा। जगन्नाथपुर विधान सभा क्षेत्र विधायक सोनाराम सिंकू ने कहा सभी लोगों को एक साथ प्रकृति की रक्षा करने एवं जल, जंगल, जमीन को बचाये रखने का संकल्प लेनी चाहिए। साथ ही प्रकृति की रक्षा संकल्प के तहत प्रण लेनी चाहिए। आसपास खुशहाली, हरियाली को बनाए रखने में सहयोग करें और प्रकृति की रक्षा करें। उन्होंने कहा जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र में लगातार दो बार विधानसभा का चुनाव में जीत का परचम लहराने में कडी मेहनत करनी पड़ी। क्षेत्र का विकास ही उनके जीवन का मुख्य ध्येय है। उन्होंने आंदोलनकारी व्यक्तित्व पर चर्चा करते हुए कहा पूर्व में हाई स्कूल की पढ़ाई के दौरान आजसू पार्टी के साथ अंदोलनकारी के रूप जनसेवा का कार्य करने का प्रण लिया था। आंदोलनकारी सुर सिंह बबोंगा एवं मंगल सिंह बबोंगा के साथ कई आन्दोलन किए।जन समस्या के निराकरण के लिए किए गए आंदोलन के तहत उन्हे जेल भी जाना पड़ा था। बंगाल एवं ओड़िशा की आर्थिक नाकेबंदी की आन्दोलन के सूत्रपात ने उन्हें चर्चे में लाया और लोगों के बीच पहचान बनी। उनका यह प्रयास सारंडा क्षेत्र में सड़कों एवं पुलिया का जाल बिछा दिया। जिससे आसपास के गांव शहरों से जुड़ जाये। ग्रामीण क्षेत्रों में पानी एवं बिजली की समस्या के समाधान हेतु वे सतत प्रयासरत रहे। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार के सहयोग से सड़कों का जाल गांव-गांव तक बिछाया जाना अत्यंत अनिवार्य है। मलूका क्षेत्र में पीसी सी सड़क के साथ पिच भी बनायी जा रही है। जिन क्षेत्रों में विगत 15 सालों से सड़क का नामोनिशान नहीं था, वहां सड़कों का जाल बिछाया गया। आज स्वाभाविक रूप से एंबुलेंस और चिकित्सा के साथ-साथ शादी विवाह में भी लोग आसानी इन क्षेत्रों में पहुंच रहे हैं।

अटल चौक पर दूसरी प्रतिमा स्थापित करने का भाजपाइयों ने किया विरोध

जिला प्रशासन एक तरफ अतिक्रमण हटा रही है, वहीं चौक-चौराहों पर अतिक्रमण करवा रही है: रितेश चौबे

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी रितेश चौबे ने मझिआंव मोड़ पर प्रतिमा लगाने को लेकर झामुमो पर कड़ा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि मझिआंव मोड़ चौक पर पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी चौक के नाम से जाना जाता है। यह नाम पहले ही घोषित हो चुका है। लेकिन अटल बिहारी वाजपेयी का प्रतिमा स्थापित नहीं किया गया है। वहीं अतिक्रमण हटाओ अभियान के बाद जिला प्रशासन आखिर किस परिस्थिति में किसी दुसरे का प्रतिमा लगाने का अनुमति दिया। उन्होंने जिला प्रशासन उपायुक्त से मांग किया है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल प्रतिमा लगाने पर रोक लगायी जाये। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी का अपमान हो रहा है। इससे जनभावनाओं का अपमान हो रहा है, अगर रोक नहीं लगाया गया तो तमाम आम जनमानस के साथ भाजपा कार्यकर्ता आंदोलन को बाध्य होंगे। उन्होंने झामुमो पर प्रहार करते हुए कहा कि झामुमो के तथाकथित लोग पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जैसे सर्वमान्य नेता का अपमान कर रहे हैं। वे एक ऐसा नेता थे जिसका विपक्ष भी सम्मान करता था। लेकिन राजनीति के चक्कर में झामुमो के लोग पुरी तरह को भी बढ़ावा मिल रहा है। जिला प्रशासन मामले को देखते हुए अविलंब रोक लगाए। अन्यथा भाजपा कार्यकर्ता जनता के साथ उग्र आंदोलन को बाध्य होगी। जिसकी सारी जबावदेही जिला प्रशासन की होगी। प्रेसवार्ता में भाजपा नेता संजय जायसवाल, नवीन जायसवाल आदि अनेकों कार्यकर्ता मौजूद थे।

नगर मंडल अध्यक्ष ने उपायुक्त को ज्ञापन सौंप कर अन्य प्रतिमा लगाये जाने पर रोक लगाने की मांग की

गढ़वा (आजाद सिपाही)। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल गढ़वा के अध्यक्ष उमेश कश्यप के नेतृत्व में मझिआंव मोड़ पर स्थापित हो रहे शाहिद अब्दुल हमीद की प्रतिमा लगाने के विरोध में गढ़वा उपायुक्त को ज्ञापन दिया गया एवं उपायुक्त से आग्रह किया कि पूर्व में मझिआंव मोड का नामकरण अटल चौक के रूप में गढ़वा नगर परिषद के बैठक में स्वीकृत किया गया है। जिसमें भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के नाम से रखा गया है। उनकी प्रतिमा वहां लगाया जाने का निर्णय लिया गया है लेकिन कुछ लोगों के द्वारा जबरन वहां पर शहीद अब्दुल हमीद का प्रतिमा लगाकर भाईचारा बिगाड़ने और समाज में द्वेष फैलाना चाहते हैं। उपायुक्त को दिये ज्ञापन में कहा गया है कि एक तरफ जिला प्रशासन के द्वारा अतिक्रमण हटाने का कार्य किया जा रहा है और वहीं मझिआंवा मोड़ पर संकुचित जगह दो पुल के बीच में प्रतिमा लगाना अनुचित और अतिक्रमण को भी दर्शाता है। भाजपाइयों ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल गढ़वा उपायुक्त से मांग करती है कि प्रतिमा लगाने का कार्य को अभिलंब रोका जाए। मांग पत्र देने वालों में भाजपा मंडल अध्यक्ष उमेश कश्यप, विधायक प्रतिनिधि अरविंद पटवा, जिला सोशल मीडिया प्रभारी जयंत पांडे, मंडल कार्यकर्ता विशाल गुप्ता आदि शामिल थे।

डोभा में डूबने से किशोर की मौत

मेराल (आजाद सिपाही)। ग्राम पंचायत ओखरगाड़ा पूर्वी के धरनियां गांव के धुरियाही टोला में बने एक सरकारी डोभा में डूबने से एक किशोर की मौत हो गयी। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार धरनियां गांव निवासी शकील अंसारी के पुत्र इबरान अंसारी 15 वर्ष दोपहर बाद अपने दोस्तों के साथ घर से खेलने के लिए निकला था। घर से कुछ ही दूरी पर खेलने के बाद वह बगल के एक डोभा में अपने चार अन्य दोस्तों के साथ नहाने लगा, नहाने के क्रम में वह डोभा के गहरे पानी में डूब गया। दोस्तों द्वारा हो हल्ला करने पर पहुंचे ग्रामीणों में उसे पानी से बाहर निकाला। घटना की जानकारी गांव में जंगल कि आग की तरह फैल गई और देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग वहां पहुंच गये। परिजनों में कोहरा मच गया। ग्रामीणों द्वारा घटना की सूचना मेराल थाना पुलिस को दी गयी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए गढ़वा सदर अस्पताल भेज दिया। जहां अंत्य परीक्षण के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया।

लवाही मंगरदह मंदिर परिसर पर कब्जे का आरोप, ग्रामीणों का विरोध तेज

आस्था पर हमला बर्दाश्त नहीं, ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

जितेंद्र यादव

डंडई (आजाद सिपाही संवाददाता)। प्रखंड के लवाही मंगरदाह मंदिर परिसर में अतिक्रमण को लेकर मंगलवार को ग्रामीणों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप है कि मंदिर के चारों ओर कुछ लोगों द्वारा धीरे-धीरे अवैध कब्जा किया जा रहा है, जिससे भविष्य में श्रद्धालुओं को पूजा-पाठ और आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। उनका कहना है कि यह मंदिर वर्षों से आस्था और विश्वास का प्रतीक रहा है, जहां दूर-दराज से श्रद्धालु पूजा-अर्चना करने आते हैं, लेकिन कुछ स्वार्थी तत्व मंदिर की भूमि पर कब्जा कर निजी उपयोग में लाने की कोशिश कर रहे हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बशरूदीन अंसारी ने मंदिर के पास स्थित कई नीम के पेड़ को काट दिया, जिसकी पूजा की जाती थी, और दावा किया जाता कि यह उसकी जमीन है। इतना ही नहीं, मंदिर की जमीन पर कब्जा जमाने के लिए ईंट-बालू गिराया गया और पेड़ काटने का झूठा आरोप मंदिर कमिटी के लोगों पर लगाकर उन पर केस भी कर दिया गया। ग्रामीण बलदेव साव, कामेश्वर चंद्रवंशी, लालबिहारी यादव, पप्पू यादव, उमेश पासवान, धर्मदेव ठाकुर, बलराम बैठा, सुनील चंद्रवंशी, राहुल पासवान और गोरेलाल साव सहित कई लोगों ने एक स्वर में कहा कि मंदिर परिसर पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। लालबिहारी यादव ने कहा कि मंदिर हमारी आस्था और पहचान का प्रतीक है, और अगर यहां अतिक्रमण हुआ तो आने वाली पीढ़ियां इसे कलंक के रूप में याद करेंगी। ग्रामीणों ने बताया कि इस मामले को लेकर पूर्व में अंचलाधिकारी और एसपी को आवेदन दिया गया था, जिसमें स्पष्ट जांच और कार्रवाई की मांग की गयी थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

दो दिनों के अंदर हो कार्रवाई नहीं तो होगा उग्र आंदोलन : मंगलवार को मंदिर परिसर में बैठक के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रशासन को दो टूक चेतावनी दी कि अगर दो दिन के भीतर सीओ, बीडीओ और थाना प्रभारी ने कार्रवाई नहीं की तो वे लवाही में सड़क जाम कर उग्र आंदोलन करेंगे।

उधर, सीओ जयशंकर पाठक ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है और दोनों पक्षों को नोटिस भेजा गया है। जल्द ही जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी। वहीं मुखिया बच्चा लाल ने कहा कि मंदिर परिसर की जमीन पर किसी भी हाल में अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

देवकी महावीर होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय ने नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का किया आयोजन

गढ़वा (आजाद सिपाही)। देवकी महावीर होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं रिसर्च अस्पताल, फराठिया, गढ़वा ने ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से नि:शुल्क होम्योपैथिक दवा वितरण एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्रो. (डॉ.) नंद किशोर प्रसाद और एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अजय कुमार के नेतृत्व में बीएचएमएस चतुर्थ वर्ष के छात्र-छात्राओं ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। इनमें नेहा, अंजली, राजा आलम, श्वेता, अविनाश और आदित्य कुमार शामिल थे। शिविर में 60 से अधिक लोगों को होम्योपैथिक चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं और दवाएं प्रदान की गईं। सबसे अधिक मरीज शुगर, गठिया, एनीमिया और पेट में कीड़े की शिकायत से पीड़ित थे। चिकित्सकों ने लोगों को होम्योपैथिक चिकित्सा के लाभों और स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जागरूक किया। इस शिविर के आयोजन से ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हुआ और लोगों को नि:शुल्क चिकित्सा सेवाओं का लाभ मिला।

वाहन चेकिंग के दौरान पान मसाला लोड तीन छोटे मालवाहक वाहन जब्त

बंशीधर नगर (आजाद सिपाही)। पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान पान मसाला लोड तीन छोटे मालवाहक वाहन को पकड़ा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार चेकिंग के दौरान अशोक ले लैंड कंपनी के दो छोटे मालवाहक वाहन और महेंद्रा कंपनी का एक पिकअप पकड़ा गया है। बताया गया है कि उक्त वाहनों से यूपी से पान मसाला और जर्दा श्री बंशीधर नगर एवं पलामू लाया जा रहा था। पकड़े वाहनों पर लोड पान मसाला के प्रस्तुत किये गये जीएसटी बिल एवं अन्य दस्तावेजों के सत्यापन के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया है। थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि गश्ती के दौरान पान मसाला लोड तीन वाहनों को पकड़ा गया है।

झामुमो की प्रखंड कमेटी का गठन, हरिदास बने अध्यक्ष

भंडरिया (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय स्थित पीडब्ल्यूडी डाक बंगला मे मंगलवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड की बैठक झामुमो के प्रखंड उपाध्यक्ष रविशंकर कश्यप की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। बैठक में सभी तरह के पुराने प्रखंड कमेटी को भंग करते हुए नये प्रखंड कमेटी, युवा मोर्चा व महिला मोर्चा की गठन व विस्तार पर चर्चा करते हुए सर्वसम्मति से प्रखंड कमेटी के अध्यक्ष हरिदास तिर्की सचिव लौरेंस कुजूर सह सचिव अर्जुन राम उपाध्यक्ष सुमंगल टोप्पो, मिडिया प्रभारी अशोक प्रसाद अनुमंडल उपाध्यक्ष चंद्रशेखर सिंह, युवा मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष अशोक सिंह व महिला मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष प्रियंका कुमारी का चयन किया गया। वहीं उपाध्यक्ष रविशंकर कश्यप ने कार्यकर्ताओं को झारखंड सरकार के विभिन्न विभागों की योजनाओं और कल्याणकारी कार्यक्रमो की विस्तृत जानकारी दी। मौके पर मोबिन अंसारी, जोगेंद्र सिंह, प्रदीप तिर्की, अर्जुन मिंज, हारुन रशीद, शिशिर मिंज चमन मिंज विपिन कुमार राम, राजमोहन केरकेट्टा सहित काफी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सेवानिवृत्त पंचायत सचिव को विभिन्न पंचायतों के प्रतिनिधियों ने दी विदाई

मेराल (आजाद सिपाही)। प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में पदस्थापित रहे पंचायत सचिव परमानंद पाठक को सेवानिवृत्ति होने पर मंगलवार को गोंदा, चामा तथा मेराल पश्चिमी के बाद प्रखंड परिसर स्थित मेराल पूर्वी पंचायत सचिवालय के सभागार में उन्हें भावभीनी विदाई दी गयी। प्रखंड मुखिया संघ के अध्यक्ष और मेराल पूर्वी के मुखिया रामसागर महतो की अध्यक्षता में आयोजित विदाई सह सम्मान समारोह में विधायक प्रतिनिधि डॉ लालमोहन के साथ पंचायत प्रतिनिधियों तथा कई समाज सेवी और पंचायत कर्मी शामिल रहे। इस अवसर पर सेवानिवृत्ति प्रमाण पाठक को सभी ने संयुक्त रूप से फूल माला पहनकर तथा अंग वस्त्र भेंट देखकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में प्रखंड के प्रभारी कृषि पदाधिकारी रामनाथ चौधरी, पंचायती राज एसोसिएशन प्रियंका कुमारी, पंचायत सचिव रेखा कुमारी, रोजगार सेवक निभा तिवारी, उप मुखिया अलिशेर अंसारी, वार्ड सदस्य विनोद चौधरी सहित उपस्थित लोगों द्वारा परमानंद पाठक को उपहार देकर भाविनी विदाई दी गयी।

सोनपुरवा पंचायत में मनरेगा घोटाला: जनसेवक निलंबित, ग्राम रोजगार सेवक कार्यमुक्त

आजाद सिपाही संवाददाता

मझिआंव। सोनपुरवा पंचायत में मनरेगा योजना के तहत गंभीर अनियमितता के मामले में जिला प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है। जनसेवक श्रीकांत उपाध्याय को निलंबित कर रंका प्रखंड में पदस्थापित किया गया है, जबकि ग्राम रोजगार सेवक भिखारी राम को पूर्ण रूप से कार्यमुक्त कर दिया गया है। पंचायत के मुखिया अख्तर खान को चेतावनी देकर बरी कर दिया गया।

यह कार्रवाई उपायुक्त के निर्देश पर जिला स्तरीय टीम द्वारा की गयी जांच रिपोर्ट के आधार पर की गयी। उपायुक्त कार्यालय के ज्ञापांक 627 (दिनांक 2/9/2025) के अनुसार, निलंबन अवधि के दौरान श्रीकांत उपाध्याय को सेवा नियम 96 के तहत मूल वेतन का आधा जीवनयापन भत्ता मिलेगा। ज्ञापांक 626 के तहत ग्राम रोजगार सेवक भिखारी राम की सेवा समाप्त कर दी गयी है।

इस मामले की शिकायत सोनपुरवा निवासी आजाद अहमद सिद्दीकी ने की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी पत्नी के नाम से फर्जी जॉब कार्ड बनाकर मनरेगा की राशि धोखाधड़ी से निकाली जा रही थी, जबकि उनकी पत्नी ने इस योजना के तहत कभी कोई कार्य नहीं किया। सिद्दीकी स्वयं एक ठेकेदार और आयकर दाता हैं।

पंचायत उन्नति सूचकांक कार्यशाला आयोजित

आजाद सिपाही संवाददाता

सगमा (गढ़वा)। प्रखंड कार्यालय स्थित प्रशिक्षण भवन सभागार में मंगलवार को पंचायत उन्नति सूचकांक (पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स-पीएआई) को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ बीडीओ सह सीओ बिमल कुमार सिंह, बीपीआरओ ओम प्रकाश सिंह, बीपीएम सत्येंद्र प्रजापति और मास्टर ट्रेनर दिनेश कुमार पाल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर बीडीओ बिमल कुमार सिंह ने कहा कि पंचायत विकास लक्ष्य के स्थानीयकरण और चिन्हित विषयगत क्षेत्रों के साक्ष्य-आधारित अनुश्रवण एवं विकास के विभिन्न मानकों का आकलन करने के लिए पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा यह पहल शुरू की गयी है। उन्होंने बताया कि पंचायतों से संबंधित सूचनाओं और आंकड़ों को पोर्टल पर दर्ज किया जायेगा और बेहतर अंक प्राप्त करने वाली ग्राम पंचायतों को पुरस्कृत भी किया जायेगा। बीडीओ ने कहा कि ग्राम स्तर पर योजनाओं की निगरानी, मूल्यांकन और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स लागू किया गया है। इस प्रणाली से समाज के सभी वर्गों के लोगों तक सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचेगा और विकास कार्यों में तेजी आयेगी।

प्रशिक्षण के पश्चात बेहतर कार्य करने वाले पंचायतों के मुखिया, पंचायत सचिव और रोजगार सेवक को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया।

निश्चय मित्र दिवस पर सम्मान समारोह

मझिआंव (आजाद सिपाही)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मझिआंव में निश्चय मित्र दिवस के अवसर पर मंगलवार को 'निश्चय मित्र सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुल 19 मरीजों को फूड बास्केट प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. राज कुमार पांडेय ने 07 मरीजों को, डॉ. पूनम कुमारी ने 05 मरीजों को, डॉ. वीर प्रताप सिंह ने 05 मरीजों को तथा कन्हैया कुमार (रळर) ने 02 मरीजों को फूड बास्केट प्रदान किए। समारोह में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ गोविंद प्रसाद सेठ सभी डॉक्टर, नर्स एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मरीजों के स्वास्थ्य सुधार एवं नियमित देखभाल को लेकर जागरूकता संदेश भी दिये गये।

टीडीएम कॉलेज में पुरस्कार वितरण सह शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित

माता-पिता देते हैं जीवन, सार्थक बनाते हैं शिक्षक :देव

आजाद सिपाही संवाददाता

पुरस्कृत किये गये विद्यार्थी : कॉलेज में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों, प्रतियोगिताओं और परीक्षा में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की संयोजिका ममता कुमारी के निर्देशन में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में अंतिमा कुमारी, रूबी कुमारी, शिबू कुमारी, संतन कुमार, रवि कुमार, अनीता कुमारी, तान्या कुमारी, प्रियंका कुमारी, रोहित, लालसा, रीमा कुमारी, निशा कुमारी, शोभा कुमारी, लाडली कुमारी और बेबी कुमारी को अतिथियों ने उपहार देकर पुरस्कृत किया।

श्री बंशीधर नगर। टीडीएम इंटर कॉलेज अधौरा श्री बंशीधर नगर गढ़वा में मंगलवार को पुरस्कार वितरण सह शिक्षण सम्मान समारोह (शिक्षक दिवस) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के अध्यक्ष राजेश्वर प्रताप देव, प्राचार्य धनंजय सिंह सहित अन्य अतिथियों ने मां सरस्वती और डॉ सर्वपल्ली राधा कृष्णन जी की तस्वीर पर पुष्पार्चन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। महाविद्यालय प्रशासन ने बुके प्रदान कर और छात्रा तान्या एवं समूह ने स्वागत गीत सह नृत्य से अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए महाविद्यालय के अध्यक्ष राजेश्वर प्रताप देव ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के भाग्य विधाता होते हैं। माता पिता भले ही उन्हें जीवन देते हैं परंतु उस जीवन को सार्थक शिक्षक ही बनाते हैं। शिक्षकों का सच्चे मन से सम्मान मात्र से विद्यार्थियों का जीवन धन्य हो जाता है। इस मौके पर प्राचार्य धनंजय सिंह ने कहा कि शिक्षक अपने विद्यार्थियों के संपूर्ण विकास के लिए कटिबद्ध होता है।

उक्त अवसर पर छात्र-छात्राओं ने सभी शिक्षकों और अतिथियों को कलम और डायरी देकर सम्मानित किया। मौके पर अतिथि इंद्र प्रताप देव, संजय प्रताप देव, सुशील कुमार सिंह, उपस्थित थे। जबकि संचालन शिक्षक विवेक कुमार सिंह ने किया।

केतार: ग्रामीणों ने उपायुक्त से प्रभारी प्रधानाध्यापक को हटाने की मांग की

आजाद सिपाही संवाददाता

केतार। प्रखंड स्थित राजकीय मध्य विद्यालय-ताली में करीब 22 वर्षों से पदस्थापित प्रभारी प्रधानाध्यापक सुनील कुमार पांडेय को तत्काल हटाने को लेकर सक्रिय प्रबंधन समिति के सदस्य रामराज गुप्ता, नीतीश भारद्वाज ने उपायुक्त को हस्ताक्षर युक्त आवेदन सौंपा है। आवेदन में ग्रामीणों ने लंबे समय से एक ही विद्यालय में पदस्थापित रहने के कारण प्रधानाध्यापक मनमाने ढंग से कार्य करने का गंभीर आरोप लगाया है। ग्रामीणों के अनुसार, शिक्षण कार्य में रुचि नहीं ली जाती है। साथ ही सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मध्याह्न भोजन (एमडीएम) में भारी अनियमिततायें बरतने का शिकायत किया है। बच्चों को निर्धारित मेनू के अनुसार भोजन नहीं दिया जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय बिकास की राशि बिना समिति की सहमति के मनमाने तरीके से खर्च की जाती है, जिससे संसाधनों का सही उपयोग नहीं हो पा रहा। अभिभावकों और समिति के सुझावों को भी प्रधानाध्यापक नजरअंदाज करते हैं। ग्रामीणों ने उपायुक्त से मांग की है कि प्रभारी प्रधानाध्यापक सुनील कुमार पांडेय का तत्काल स्थानांतरण किया जाए, ताकि विद्यालय की व्यवस्था सुधर सके और बच्चों की शिक्षा पर सकारात्मक असर पड़े।

मुखिया ने मंदिर परिसर की भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने को लेकर सीओ को सौंपा हस्ताक्षर युक्त आवेदन

आजाद सिपाही संवाददाता

केतार। मुकुंदपुर पंचायत के मुखिया मूंगा साह ने सीओ सह प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रशांत कुमार को श्री सूर्य नारायण मंदिर परिसर की भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने को लेकर हस्ताक्षर युक्त आवेदन सौंपा है। आवेदन में उल्लेख किया गया है कि सुप्रसिद्ध श्री सूर्य नारायण मंदिर को झारखंड सरकार के पर्यटक स्थल विभाग से पर्यटन स्थल का दर्जा प्राप्त है। इस मंदिर परिसर में छठ महापर्व के अवसर पर अपने प्रदेश सहित आधे दर्जन प्रदेश के लाखों व्रतधारी अपनी मन्नतें लेकर पहुंचते है। आवेदन में उल्लेख किया गया है कि 31 अगस्त 2025 को गांव के ही अशोक पासवान, संतोष पासवान और अनूप पासवान पिता - स्व. नथुनी पासवान के द्वारा मंदिर परिसर की भूमि पर अतिक्रमण कर जबरन जुतायी कर दी गयी है। ग्रामीणों का कहना है कि यह भूमि वर्षों से मंदिर की संपत्ति मानी जाती रही है, और किसी भी प्रकार की निजी खेती या निर्माण कार्य कभी नहीं किया गया। इस भूमि का स्वामित्व स्वर्गीय सालिक सिंह है। जिन्होंने मंदिर परिसर की मर्यादा को बनाए रखते हुए कभी भी उस क्षेत्र में खेती नहीं की। वर्तमान में आरोपित पक्ष खाता संख्या 148, प्लॉट संख्या 912 का हवाला देकर जमीन पर दावा कर रहे हैं, लेकिन ग्रामीणों द्वारा कागजात केवला की मांग किये जाने पर उसे दिखाने से इंकार कर रहे हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इन लोगों के द्वारा अवैध तरीके से भूमि का ऑनलाइन मोशन और नीलामी करा रहे हैं, और विरोध करने पर ग्रामीणों को अनुसूचित जाति अत्याचार अधिनियम के तहत झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी भी दे रहे हैं। ग्रामीणों ने अंचलाधिकारी तथा जिला प्रशासन से मामले की जांच कर, मंदिर परिसर की भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि यह सिर्फ भूमि का नहीं, बल्कि आस्था और परंपरा का अपमान है। ऐसे में मंदिर परिसर की जमीन पर अतिक्रमण न केवल कानूनी उल्लंघन है, बल्कि सामाजिक सौहार्द के लिए भी खतरा बन सकता है।

उपायुक्त के निर्देश पर अबुआ आवास योजना के लाभुकों का हुआ सत्यापन

आजाद सिपाही संवाददाता

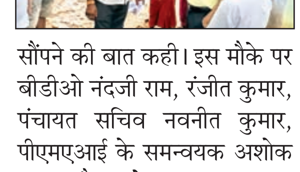

भवनाथपुर। प्रखंड के भवनाथपुर पंचायत में अबुआ आवास योजना में अयोग्य लाभुकों का चयन कर उन्हें आवास दिये जाने को लेकर भवनाथपुर बीडीसी चंदन ठाकुर द्वारा लिखित शिकायत के आलोक मंगलवार को मामले की जांच की गयी। उपायुक्त के निर्देश पर जांच करने पहुंचे भूमि सुधार उप समाहर्ता परमेश्वर कुशवाहा ने अबुआ आवास योजना के लाभुकों के घर-घर जाकर मामले की बारीकी से सत्यापन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि अबुआ आवास योजना में जिन अयोग्य लाभुकों की शिकायत की गयी थी, इस मामले में सभी पहलुओं पर सघन जांच की गयी है। उन्होंने इसकी जांच प्रतिवेदन उपायुक्त को सौंपने की बात कही। इस मौके पर बीडीओ नंदजी राम, रंजीत कुमार, पंचायत सचिव नवनीत कुमार, पीएमएआई के समन्वयक अशोक कुमार मौजूद थे।

जांच टीम अबुआ आवास योजना के लाभुक संगीता देवी का आवास जांच किया, इस दौरान लाभुक वहां मौजूद नहीं थी, इसके बाद जांच अधिकारी किराए के मकान में रह आवास विहीन लाभुक संगीता से पूछताछ किया जहां उसने बताया कि बीडीसी चंदन ठाकुर आवास दिलाने के एवज में 10 हजार रुपये मांगे थे, तो तीन हजार रुपये उन्हें दी थी। वें 7 हजार रुपये के लिए लगातार मुझे परेशान कर रहे थे, असमर्थता जताने पर वे गाली गलौज कर आवास जांच कराने की धमकी देते रहे है। बताया कि मेरे पहले पति मुझे छोड़ दिया है, कुछ समय के लिए बबन पासवान मुझे पत्नी का दर्जा दिया, लेकिन वे भी मुझे अब छोड़ चुके है। मैं किसी तरह अपने बाल बच्चों का पालन पोषण कर रही हूं। जबकि संगीता देवी के पूर्व पति बबन पासवान की घर जांच के दौरान बबन पासवान ने बताया कि मेरी दूसरी पत्नी संगीता देवी को बीडीसी चंदन ठाकुर चाहने लगा था, और उसे अपने साथ रखने के लिए दबाव बनाता था, ये सब देखकर मैने अपनी दूसरी पत्नी को छोड़ दिया हूं।

युवकों ने श्रमदान से सड़क मरम्मत की

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। प्रखंड के चौकाहातू गांव के आजाद युवा सेवा संघ के सदस्यों मंगलवार को ओड़ेदारू से चौकाहातू के बीच सड़क का मरम्मत श्रम दान से किया। सड़क मरम्मत होने से लोगों को काफी सहूलियत हुई। बारिश के कारण सड़क कई जगहो पर गड्ढे हो गये थे। जिससे दुर्घटना की संभावना बनी रहती थी। मौके पर संघ के अध्यक्ष राजकुमार मांझी चंद्र मोहन सिंह मुंडा, दीपक गोंझू, सुखदेव पातर, आनंद सिंह मुंडा, तारनी सिंह मुंडा, शंकर सिंह मुंडा, विनय प्रामाणिक, राहुल विष्णु, सोनी, रबिन्द्र गोस्वामी, नितेश अहीर, सोमल सेठ, रोहिम तांती, अमर, सूर्या छुटु सोनु बिंदु, जंगबंधु आदि मौजूद थे।

प्रखंड स्तरीय खेलो झारखंड का समापन

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। प्रखंड स्तरीय खेलों झारखंड का आयोजन थाना मैदान में समापन किया गया। खेल का आयोजन 8 एवं 9 सितंबर को किया गया। अंडर 14, 17 एवं 19 वर्ष बालक/बालिकाओं ने प्रतियोगिता में शामिल हुए। 15 मध्य विद्यालय एवं 6 हाई स्कूल के छात्र छात्राएं शामिल थीं। प्रतियोगिता में 100 मीटर, दौड़ 200 मीटर ,दौड़ 400 मीटर दौड़, 800 मीटर दौड़, लॉन्ग जंप, हाई जंप, गोला फेंक, भला फेंक, चक्का फेंक, फुटबॉल खेल ,कबड्डी खेल ,वॉलीबॉल खेल, खो - खो खेल आदि प्रतियोगिताएं की गयी। बालिका वर्ग में सबसे ज्यादा पुरस्कार केजीबीवी सोनाहातू तथा बालक वर्ग में हाई स्कूल लान्दुपडीह के छात्रों को ज्यादा मैडल जीते। मुख्य अतिथि विधायक अमित कुमार महतो के द्वारा विजेता छात्र छात्राओं को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर प्रमुख विक्टोरिया देवी, बीईओ शांति मुनि तिर्की, बीपीओ गोपाल ठाकुर, लेखपाल राकेश कुमार मौजूद रहे। खेल को सफल संचालन करने में शारीरिक शिक्षा शिक्षक बिदेश्वर महतो, अनिल लोहरा, विपिन गाड़ी, अनिल कुमार, प्रतिमा कुमारी, उमाकांत स्वासी, सुधीर प्रमाणिक, कुमुद रंजन आदि शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

बुंडू स्थित वाई-फाई इंस्टीट्यूट में शिक्षक दिवस मना

बुंडू (आजाद सिपाही)। मंगलवार को बुंडू स्थित वाई-फाई इंस्टिट्यूट में पूरे धूमधाम के साथ शिक्षक दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में कोचिंग निदेशक मानसिंह महतो ने भारत के महान शिक्षा विद एवं राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र को माल्यार्पण के साथ दीप प्रज्वलन शुरूआत की गयी। मौके पर कोचिंग के छात्र-छात्राओं ने शिक्षक को उपहार भेंट दिये। कोचिंग डायरेक्टर मानसिंह महतो ने शिक्षक दिवस के महत्व और समाज में शिक्षक की भूमिका को बताया उन्होंने आगे कहा शिक्षा समाज में नयी दिशा देने हेतु निरंतर प्रयासरत रहेंगे। कार्यक्रम का संचालन छात्र छात्राओं ने किया। डायरेक्टर मानसिंह महतो सहायक आचार्य शिक्षक बनने पर छात्र-छात्राओं ने बधाई दिया। इस मौके पर कोचिंग के छात्र-छात्राओं ने गीत एवं संस्कृति कार्यक्रम कर मन मोह लिया।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। सरायकेला-खरसावां जिला के चौका थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच 33 जांता में बाइक की टक्कर से जाता निवासी शंकर महतो की मौत हो गयी और बाइक सवार युवक उदल बांदु निवासी सहदेव गोप गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया है। घटना मंगलवार सुबह 5 बजे की है। घटना की सूचना पर चौका पुलिस पहुंचे तथा मृतक एवं घायल युवक को चांडिल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सरायकेला सदर अस्पताल भेज दिया। जानकारी के अनुसार शंकर महतो पैदल सड़क पार कर रहा था, उसी दौरन उरमाल से चौका की ओर जा रहे बाइक ने जोरदार टक्कर मार दिया, जिसमें शंकर महतो की मौत हो गयी।

शिक्षक समाज की रीढ़ होते हैं, उनका सम्मान करें : प्रकाश टूटी

खूंटी (आजाद सिपाही)। खूंटी के दतिया रोड स्थित लाईट्स इंस्टीट्यूट में सोमवार को शिक्षक दिवस समारोह उल्लासपूर्ण वातावरण में मनाया गया। समारोह का शुभारंभ भारत के पूर्व राष्ट्रपति, दार्शनिक एवं महान शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की तस्वीर पर माल्यार्पण कर तथा केक काटकर किया गया। इस अवसर पर लाईट्स प्ले स्कूल के नन्हें-मुन्ने बच्चों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें गीत, नृत्य और कविता-पाठ शामिल रहे। लाईट्स इंस्टीट्यूट के निदेशक सह शिक्षक प्रकाश टूटी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा केवल डिग्री तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन मूल्यों, संस्कारों और अनुशासन को आत्मसात करने का माध्यम है। शिक्षक समाज की रीढ़ होते हैं और विद्यार्थी तभी सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंच सकते हैं जब वे अपने गुरुओं का सम्मान करते हुए उनके मार्गदर्शन को जीवन में उतारें। उन्होंने विद्यार्थियों से मेहनत, अनुशासन और समर्पण की भावना अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन मिली प्रिया होरो और अभय कुमार ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर संस्थान की शिक्षिकाएं सत्यमा एवं सेतेंग सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

किसानों के बीच सोलर आधारित पंपसेट का वितरण

खूंटी (आजाद सिपाही)। कृषि विभाग के सौजन्य से मंगलवार को तोरपा प्रखंड मुख्यालय में किसानों के बीच सोलर आधारित पंपसेट का वितरण किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि के तौर पर तोरपा के विधायक सुदीप गुड़िया उपस्थित थे। मौके पर विधायक सुदीप गुड़िया ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि जब हमारे किसान मजबूत होंगे तभी गांव, जिला, राज्य और देश मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि झारखंड कृषि प्रधान राज्य है और कृषि को और मजबूती के साथ आगे बढ़ाना समय की मांग है। पंपसेट वितरण से किसानों को सिंचाई करने सुविधा होगी और खेती को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में झामुमो महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष सुशांति कोनगाड़ी, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष रोबिन तोपनो, मोंजीर अंसारी, मुकेश सिंह, जयदीप तोपनो, संतोष सिंह, चंदन ठाकुर, सिकदर कुमार और हुसरु बारला सहित कई कार्यकर्ता और किसान मौजूद थे।

रैयत विस्थापित मोर्चा ने केडीएच में दिया धरना

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। रैयत विस्थापित मोर्चा के द्वारा केडीएच परियोजना कार्यालय के समक्ष धरना दिया गया। धरना की अध्यक्षता शाखा सचिव प्रभाकर गंझू तथा संचालन प्रवक्ता रामलखन गंझू ने किया। धरना में मुख्य रूप से एरिया अध्यक्ष बिगन सिंह भोगता उपस्थित थे। धरना को बिगन सिंह भोगता, रंथु उरांव, जगरनाथ महतो, अमृत भोगता, जालिम सिंह, शिवनारायण लोहरा, प्रकाश महतो, सुनील यादव, सोनू गंझू, सलामत अंसारी, राजकुमार सिंह, अनिकेत गंझू सहित कई लोगों ने संबोधित किया। धरना को संबोधित करते हुए एरिया अध्यक्ष बिगन सिंह भोगता ने कहा कि अब इस क्षेत्र के रैयत विस्थापित जाग गये हैं और अब अन्याय शोषण बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। रैयत विस्थापित अपने हक अधिकार के लिए कमर कस चुके हैं और अब प्रबंधन के द्वारा रैयत विस्थापित की उपेक्षा की गयी और उनका अधिकार छिनने की कोशिश हुई तो खदान चलाना मुश्किल हो जायेगा। धरना के माध्यम से विश्रामपुर के मूल रैयतों को जल्द से जल्द सत्यापन कराकर जल्द से जल्द नौकरी देने, हेवी ब्लास्टिंग पर रोक लगाने और ब्लास्टिंग से क्षतिग्रस्त घरो का मुआवजा देने, आर एंड आर पॉलिसी के तहत मोर्चा की सहमति के बाद ही किसी को नियुक्त पत्र देने, दुलार गंझू के शेष बचे हुए जमीन का मुआवजा भुगतान करने, जेहलीटॉड एव बड़कीटॉड और विश्रामपुर के सभी रैयतों को एकसाथ विस्थापित करने, जेहली टॉड पुल की मरम्मत, जामुन दोहर के विस्थापित किये गये ग्रामीणों को तीन डिसमिल जमीन उपलब्ध कराने, केडीएच कार्यालय से केकराही गढ़ा तक पैदल चलने के लिए सड़क बनाने सहित कई मांग शामिल है। धरना के अंत में परियोजना पदाधिकारी को 14 सूत्री मांग पत्र सौंपा गया। इस धरना में किसुन गंझू, सिपता गंझू, धर्मराज गंझू, गुड्डू गंझू, मिलु गंझू, जयराम गंझू, जीतन, बालजीत गंझू, सुशील, मेघु, लड्डू सिंह, छोटू गंझू, रामदास, तौहीद, नसीम, इसराइल, नीलेश, बालेश्वर गंझू, मनीता देवी, सुनीता देवी, भारती देवी, बसंती देवी, सोनी देवी सहित कई लोग मौजूद थे।

चोरी के ट्रक के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

आरोपी सूरज यादव और प्रकाश यादव।

खूंटी। मुरहू थाना पुलिस ने मंगलवार को खूंटी-तोरपा रोड पर कंजला मोड़ के पास चोरी के एक ट्रक(रजिस्ट्रेशन नंबर संख्या ओडी14-3915) के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार जिले के पुलिस कप्तान मनीष टोप्पो के निर्देश पर मंगलवार को पुलिस द्वारा मुरहू थाना क्षेत्र के कुंजला मोड़ के पास एंटी-क्राइम चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। उसी दौरान ट्रक पर सवार दो युवक पुलिस को देख ट्रक छोड़कर भागने लगे। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को खदेड़कर पकड़ लिया। गिरफ्तार युवकों की पहचान उड़ीसा के बड़ा मुंडा थाना क्षेत्र के तिलका नगर निवासी सूरज यादव (28 वर्ष) और सुंदरगढ़ जिले के ब्राह्मणी तरंग थाना क्षेत्र के सिमिलर चौक निवासी तेज प्रकाश यादव के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि वे ट्रक को ओड़िशा के सुंदरगढ़ से चोरी कर ले जा रहे थे।

इस मामले में मुरहू थाना में मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने ट्रक और आरोपियों के तीन मोबाइल फोन भी जब्त किये हैं। एंटी-क्राइम चेकिंग अभियान में मुरहू थाना प्रभारी रामदेव यादव, सब इंस्पेक्टर विमल और सुदर्शन महतो के अलावा सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

कल्याणपुर जितिया मेला समिति ने चिकित्सा पदाधिकारी से मेडिकल कैंप लगाने की मांग की

आजाद सिपाही संवाददाता

चिकित्सा पदाधिकारी से मुलाकात करते मेला समिति के लोग।

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के कल्याणपुर गांव में 16 सितंबर से लगने वाले तीन दिवसीय ऐतिहासिक जितिया मेला को लेकर मेला समिति का एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को टंडवा प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुदीप कुमार से औपचारिक मुलाकात किया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कल्याणपुर में आयोजित होने वाले ऐतिहासिक जितिया मेला में बतौर अतिथि के रूप में प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी को आमंत्रित किया, साथ ही मेला में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए मेला परिसर में मेडिकल कैंप का स्टॉल लगाने की मांग की। मेला समिति के सदस्यों ने बताया कि तीन दिवसीय इस ऐतिहासिक जितिया जतरा मेला में लाखों की संख्या में लोगों की भीड़ जुटती है। वहीं टंडवा चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुदीप कुमार ने जितिया जतरा मेला में उपचार हेतु चिकित्सा संबंधी बातो पर चर्चा की, साथ ही डॉक्टर सुदीप कुमार ने अपने चिकित्सा टीम के साथ स्टॉल लगाने तथा मेला में आने का सहमति जताते हुए समिति के सदस्यों को भरोसा दिया। चिकित्सा प्रभारी से मिलने वाले सदस्यों में सचिव बालेश्वर उरांव, कोषाध्यक्ष मानेश्वर भगत, संरक्षक शिव शंकर साव, सदस्य रविंद्र सिंह सहित अन्य लोग शामिल थे।

आदर्श उच्च विद्यालय में छात्रों को किया गया सम्मानित

मैकलुस्कीगंज (आजाद सिपाही)। आदर्श उच्च विद्यालय मैकलुस्कीगंज में शिक्षक दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानाध्यापक एवं सभी शिक्षकों द्वारा डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र में दीप प्रज्वलन एवं श्रद्धा सुमन अर्पित कर किया गया।कार्यक्रम मुख्य अतिथि के रूप में ज्ञानोदय पब्लिक स्कूल एवं मदर टेरेसा स्कूल के प्रधानाध्यापक उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानाध्यापक ने कहा कि शिक्षक समाज के मार्गदर्शक होते हैं एवं आने वाले भविष्य को गढ़ते हैं। समाज की उन्नति शिक्षकों के सम्मान एवं प्रोत्साहन में निहित है। इस अवसर पर 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा में टॉपर विद्यार्थी प्रशांत कुमार भुइयां एवं खुशी कुमारी को पुरस्कृत किया गया।

यूरिया लूट सहित अन्य जनमुद्दों पर माकपा और किसान सभा ने राहे में किया प्रदर्शन

आजाद सिपाही संवाददाता

राहे। माकपा एवं झारखंड राज्य किसान सभा के तत्वावधान में यूरिया खाद लूट सहित जनता के जनमुद्दों को लेकर राहे प्रखंड कार्यालय के समक्ष सोमवार को प्रदर्शन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में माकपा राज्य सचिव मंडल सदस्य सह झारखंड राज्य किसान सभा के राज्य अध्यक्ष सुफल महतो ने कहा कि आजादी के बाद झारखंड सहित देशभर में यूरिया खाद की सबसे ज्यादा कमी हुई है ये केंद्र सरकार की विफलता है। प्रखंड में यूरिया की भरी किल्लत है। भारी बारिश से सब्जी फसल बर्बाद हुए है। प्रखंड, अंचल, अस्पताल में भ्रष्टाचार चरम पर है। माकपा 1 सितंबर से 15 सितंबर तक जनता के जनमुद्दों पर झारखंड सहित देशभर के सभी प्रखंडों पर धरना - प्रदर्शन कर सरकार का जनता के साथ धोखा को घर-घर पहुंचायेगी तथा जनमुद्दों पर संघर्ष तेज करेगी। साथ ही झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार से आगाह किया गया कि किसान - मजदूरों, युवाओं के लिए उनके वादों एवं जनमुद्दों को पूरा करने के लिए कारगर कदम उठायें। इस दौरान मुख्यमंत्री के नाम 23 सूत्री मांग पत्र प्रखंड में सौंपी गयी। मौके पर रंगोवती देवी, विशंभर महतो, जयपाल सिंह मुंडा, पांडूराम मुंडा, भुवनेश्वर मुंडा, शोभाराम महतो, बुधराम मांझी, जगन्नाथ मुंडा, पंचायत मुंडा, सुखदेव महतो आदि मौजूद थे।

प्रखंड स्तरीय रांची स्पीक प्रतियोगिता

आजाद सिपाही संवाददाता

बुंडू। जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज के मार्गदर्शन में मंगलवार को रांची स्पीक कार्यक्रम के तहत प्रखंड संसाधन बुंडू में निकासी और व्ययन पदाधिकारी अरुण कुमार भारद्वाज रा० म० वि० एदलहातु बुंडू के सौजन्य से प्रखंड स्तरीय रांची स्पीक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कक्षा 1 से 8 तक के छात्र-छात्राओं ने इसमें भाग लिया लेकर अपनी अदभुत वक्तृत्व कला और आत्मविश्वास का परिचय दिया। मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड विकास पदाधिकारी सावित्री कुमारी ने विजेताओं को सम्मानित किया और बच्चों के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। यह प्रतियोगिता कुल चार चरणों: , स्कूल, सीआरसी, प्रखंड और जिला स्तर पर आयोजित की जा रही है। स्कूल और सीआरसी स्तर पर सफल हुए बच्चों ने अब प्रखंड स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किये। निर्णायक मंडल में, अब्दुल वहाब अंसारी, अर्जुन गोराई, प्रिति कुंडु, सविता देवी, प्रदीप कुमार महतो शामिल हुए। कार्यक्रम संचालन प्रसन्ना गोराई, श्यामली दास, निर्मल बा: ने किया, वही बीपीओ अनवर हुसैन, बीआरपी सुनील प्रमाणिक, सीआरसी नोडल शिक्षक जयदेव कुशवाहा, देवकुमार मांझी, सत्येंद्र सिंह मुंडा, सत्यदेव महतो, दिनेश कुमार, दिलीप प्रमाणिक और इस बीआरसी कर्मी रामनाथ मुंडा का विशेष सहयोग रखा। विजेताओं की सूची कक्षा 1-5 में : **प्रथम** - खुशी कुमारी रा.म.वि. बारीडीह, बुंडू द्वितीय सभ्या कुमारी रा.म.वि.कन्या बुंडू, तृतीय - अभय महली रा.प्रा.वि. भोरंगाडीह, कक्षा-6-8 में प्रथम - मनीष कहतो रा.म.वि.दलकीडीह **द्वितीय** - रेश्मा कुमारी रा.म.वि. दामी, तृतीय-पलक परवीन रा.म.वि. एदेलहातु इस अवसर पर बच्चो ने रचनात्मक और ऊर्जा ने यह साबित कर किया कि रांची स्पीक जैसी पहल उन्हें न केवल अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दे रही है, बल्कि भविष्य के लिए सशक्त और आत्मविश्वासी बनाने की दिशा में भी अहम कदम है।

लिटिल स्टार एकेडमी में मनाया गया शिक्षक दिवस

मैकलुस्कीगंज (आजाद सिपाही)। मैकलुस्कीगंज स्थित लिटिल स्टार एकेडमी में शिक्षक दिवस समारोह बड़े धूमधाम से आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समा बांध दिया। मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड ओलंपिक संघ के संरक्षक एवं पूर्व अंतराष्ट्रीय वॉलीबॉल कोच शेखर बॉस, गोपीचंद चौरसिया, विद्यालय के संस्थापक जितेंद्र गिरि, सुदेश शर्मा और सुनील गिरि के द्वारा कार्यक्रम का उद्घाटन संयुक्त रूप से फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि शेखर बॉस ने शिक्षक दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए शिक्षकों के मनोबल को बढ़ाने तथा अभिभावकों से बच्चों की शिक्षा में सहयोग देने की बात कही। छात्र-छात्राओं ने मैथिली, नागपुरी, भोजपुरी सहित अन्य लोक नृत्यों की प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का समापन उप प्रधानाचार्य अमृता कुमारी के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। शिक्षक लालकिशोर यादव, सोनी कुमारी, शांति देवी और शिखा कुमारी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

खलारी में बीआरसी स्तर पर भाषण प्रतियोगिता

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। जिला शिक्षा अधीक्षक रांची बादल राज द्वारा चलाया गया रांची स्पीक्स कार्यक्रम के एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में प्रखंड स्तरीय रांची स्पीक्स का वार्षिकोत्सव पीएम श्री राजकीय कृत मध्य विद्यालय खलारी में प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी सर्वरीनाथ चौरसिया के नेतृत्व में आयोजित की गयी। इस कार्यक्रम में प्रथम आये वर्ग 1 - 5 एवं 6 - 8 के प्रथम आये सभी प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में वर्ग 1 - 5 में एनपीएस केडीएच सरना क्लब की छात्रा अंशु कुमारी निर्णायक मंडली द्वारा दिये 100 अंक लेकर प्रथम स्थान पर रही, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर ध्रुप कुमार एवं हसनैन अंसारी क्रमशः 97 एवं 86 अंक प्राप्त किए,ध्रुप कुमार कोलपारा और हसनैन अंसारी जीपीएस मायापुर के छात्र है। वहीं 6 - 8 में जीएमएस करकट्टा की छात्रा पीहू कुमारी 97 अंक लाकर प्रथम स्थान, जीएमएस डकरा की छात्रा पल्लवी कुमारी 86 अंक लाकर द्वितीय एवं जीयूएचएसराय की छात्रा प्रियंका कुमारी 83 अंक लाकर तृतीय स्थान पर रही। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडली में शिक्षिका सुमन कुमारी, शिवेंद्र कुमार नायक, नूतन प्रभात गिद्ध एवं सोनालाल महतो ने अहम भूमिका निभायी। ये कार्यक्रम होने के दौरान अनुज कुमार गुप्ता, उदय प्रताप सिंह, आदर्श बाजपेयी, उत्तरा कुमार, गंगा महतो, अनूप सिंह, तेरेसा टोप्पो, पवन कुमार, गजाधर महतो भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

तोरपा में आम बागवानी और इंटरक्रॉपिंग देख प्रभावित हुए यूपी के अधिकारी

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। उत्तरप्रदेश के पंचायती राज विभाग और सर्ड रांची से पांच दिवसीय खूंटी दौरे पर पहुंचे अधिकारियों ने मंगलवार को तारेपा प्रखंड की दियांकेल पंचायत के गुफू गांव में 23 एकड़ की आम बागवानी और जल संरक्षण के लिए किये गये उपायों का अवलोकन किया। ज्ञात हो कि गुफू गांव में एक समय पानी की काफी समस्या थी और बारिश का पानी भी बहकार बहकर बर्बाद हो जाता था। इस समस्या के निदान के पहाड़ी के नीचे छोटे-छोटे तालाब बनाकर एक दूसरे से लिंक कर पानी को संग्रहित किया गया। इस व्यवस्था से न सिर्फ इस पूरे 23 एकड़ की बागवानी पैच में, बल्कि गांव में भी जल स्तर बढ़ाने में मदद मिली। साथ ही बागवानी के अतिरिक्त अन्य फसलों को भी सिंचित करने में कामयाबी मिली। पहाड़ी की तलहटी में एक बड़ा तालाब बनाकर उसमें मत्स्य पालन प्रारंभ किया गया। इसके नीचे छोटा-छोटा डोभा बनाने का लाभ गांव के अन्य किसानों को भी मिला। आज यहां की आम बागवानी करने वाले किसान आम की फसल से काफी मुनलाफा कमा रहे हैं और गुफू गांव आम के हब के रूप में प्रसिद्ध हो गया। फसल खराब होने या अधिक

पैदावार होने की दशा में आम का मूल्य गिरने जैसे रिस्क फैक्टर से भी किसान बच जाते हैं, क्योंकि व्यापारी फसल का सौदा मंजर आने के साथ ही कर लेते हैं। उत्तर प्रदेश की टीम ने हुसीर के मनरेगा पार्क का भी अवलोकन किया। यहां पर इन्होंने इंटरक्रॉपिंग को देखा। बताते चलें कि यहां भी बड़े क्षेत्रफल में आम बागवानी की जाती है। अनेक वेरायटी के आम यहां लगे हुए हैं। किसान सिर्फ आम बागवानी पर ही निर्भर नहीं है। उन्होंने बागान के चारों ओर पपीता के पौधे लगाये हैं। साथ हल्दी एवं अदरक की खेती भी बागान में की गयी है। पौधों के पटवन के लिए उन्हें मनरेगा से कुआं मिला है। ऐसे में इन्हें पौधों को सिंचाई करने में सुविधा होती है और ये इंटरक्रॉपिंग कर पाते हैं। किसानों का कहना है कि वे लोग मौसमी सब्जी यथा टमाटर, मिर्च, गोभी आदि फसल भी तैयार कर बाजार में बेचते हैं। जिससे इन्हें अच्छी आमदनी होती है। इसके अतिरिक्त यहां इन्होंने मधुमक्खी पालन भी कर रखा है। इससे इन्हें अतिरिक्त लाभ हो जाता है। इसके बाद टीम ने किसान पाठशाला चुरगी का विजिट किया। यहां महिला उत्पादक समूह द्वारा किये जा रहे कृषि एवं पशुपालन के कार्यों का अवलोकन किया। यहां के अमरूद बागान में लगे तरह तरह के देशी एवं विदेशी अमरूद के किस्मों को देखकर टीम काफी प्रभावित हुई।

यहां अवस्थित पशु शेड, गो पालन, मत्स्यपालन, दाल एवं रागी प्रोसेसिंग प्लांट का अवलोकन करने के उपरांत टीम का विजिट समाप्त हुआ। टीम विजिट का नेतृत्व सर्ड के सेशन कॉर्डिनेटर सरफराज तथा राज्य समन्वयक अरविंद मिश्रा ने किया। तोरपा के प्रखंड विकास पदाधिकारी नवीन चंद्र झा ने टीम विजिट की रूपरेखा तैयार कर टीम विजिट पूर्ण कराया।

रातू के केशवनगर में बुलडोजर चला, तोड़ा गया अवैध निर्माण

पत्रकार के साथ धक्का मुक्की, मोबाइल छीना

आजाद सिपाही संवाददाता

रातू। हाइकोर्ट के आदेश के बाद मंगलवार को थाना क्षेत्र के केशव नगर में मजिस्ट्रेट सरफराज अफजल के मौजूदगी में अवैध निर्माण को तोड़ दिया गया। केशव नगर के रहने वाले सुदर्शन पांडेय ने सड़क चौड़ीकरण के लिए झरखंड़ सरकार पर पीआइएल 205/2021 दर्ज करायी थी। हाइकोर्ट के आदेश के बाद मंगलवार को सीओ रवि कुमार के आदेश पर अंचल निरीक्षक सरफराज अफजल बतौर मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में सड़क में बने अवैध निर्माण पर बुलडोजर चला कर हटा दिया गया। सड़क पर अवैध रूप से बाउंड्री एवं गेट लगा कर अतिक्रमण किया गया था। न्यायालय के आदेश पर जांच के बाद अवैध निर्माण पर कार्रवाई की गयी। इससे पूर्व उन्हें नोटिस दिया गया था। इससे पहले भी केशव नगर में 12 अगस्त 2023 में बुलडोजर चला कर अतिक्रमण हटाया गया था, परंतु रास्ते को फिर से अतिक्रमण कर लिया गया था। रास्ते को अतिक्रमण मुक्त करने के दौरान लगभग दो घंटे तक काठीटांड- फुटकलटोली मार्ग अवरुद्ध रहा। इस दौरान मजिस्ट्रट सरफराज अफजल के साथ में अभद्र व्यवहार किया गया। वही आरोपी पक्ष की ओर से एक पत्रकार के साथ धक्का मुक्की व गाली-गलौज किया गया।

दुर्गा पूजा पंडाल निर्माण को लेकर भूमि पूजन

बेड़ो (आजाद सिपाही)। श्रीश्री दुर्गा पूजा महासमिति द्वारा आयोजित दुर्गा पूजा की तैयारी को लेकर महादानी मंदिर परिसर समीप दुर्गा पूजा पंडाल निर्माण के लिए अशोक पंडा द्वारा विधिवत भूमि पूजन किया गया। आयोजन समिति के अध्यक्ष कैलाश कुमार ने बताया कि इस वर्ष भव्य रूप से दुर्गा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसको लेकर विशेष तैयारी की जा रही है। इस वर्ष मंदिरनुमा आकर्षक व भव्य पंडाल बनाया जाएगा। जिसकी भव्यता रात्रि में देखते ही बनेगी। साथ ही भव्य विधुत्त तोर्णद्वार बनायी जायेगी। वहीं पूजा का शुभारंभ 22 सितंबर को कलश स्थापना के साथ शुरू होगा। मौके पर मेघनाथ गिरी,बजरंगी बाबा,कैलाश कुमार, रवि सिंह, अंकित सोनी, शशि टाइगर, साधन कुमार राय, सोमित्रो शर्मा, बालक गोप, आपूर्व लाल खन्ना, रंजीत गुप्ता, डा रमेश प्रसाद गुप्त, सीताराम महतो, मुकेश कुमार, अंकित सोनी आदि मौजूद थे।

डीडीटी छिड़काव कर्मियों ने वर्षों से बकाया मजदूरी भुगतान की मांग की

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र में डीडीटी छिड़काव करनेवाले कर्मियों ने वर्षों से उनकी लंबित बकाया मजदूरी का भुगतान यथाशीघ कराने की मांग की है। जानकारी के अनुसार कर्मियों को पिछले छह वर्षो का बकाया मजदूरी का भुगतान अब तक नहीं किया गया है। इस संबंध में कुतुरलोआ निवासी सूरज बेदिया, हरिलाल बेदिया, जयनंदन बेदिया, जगबंधु बेदिया व सुकरा उरांव ने बताया कि वे अनगड़ा सीएचसी अंतर्गत प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में वर्ष 2019 में डीडीटी का छिड़काव कार्य किये थे। उस वक्त कुल 12 मजदूरों को इस काम में लगाया गया था। जिसमें से 7 मजदुरों को मजदुरी का भुगतान तो कर दिया गया। लेकिन हम 5 मजदूरों को बकाया राशि करीब 1.25 लाख रुपए का भुगतान अबतक नहीं किया गया है। इस बाबत पूछे जाने पर सीएचसी के मलेरिया पर्यवेक्षक शशि ठाकुर ने बताया कि राशि भुगतान के समय मजदुरों के बैंक (झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक) के आईएफएससी कोड में सुधार की प्रक्रिया चल रही थी, जिस वजह से भुगतान रूक गया था। उन्होंने बताया कि इस बारे में विभागीय अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। उम्मीद है शीघ्र ही इस पर उचित कार्रवाई होगी।

आज मनायी जायेगी दुर्गा सोरेन की जयंती

नामकुम (आजाद सिपाही)। नामकुम पुरुलिया रोड स्थित लोवाडीह हाईटेंशन मैदान के दुर्गा सोरेन स्मारक स्थल पर बुधवार को झामुमो नेता दुर्गा सोरेन की जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। इसे लेकर दुर्गा सोरेन चौक स्थित स्मारक स्थल को सजाया गया है। दुर्गा सोरेन स्मारक समिति के सचिव वीरु साहू ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के अलावा उनकी धर्मपत्नी सह गांडेय विधायक कल्पना सोरेन, सिल्ली विधायक अमित महतो, केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य, विनोद कुमार पांडे, मुस्ताक आलम शामिल रहेंगे। बताया कि मुख्यमंत्री सुबह साढ़े ग्यारह बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगे। इस दौरान स्कूली छात्र-छात्राएं विभिन्न कार्यक्रम करेंगे। बताते चले कि 10 सितंबर को पूरे राज्य में धूमधाम से दुर्गा सोरेन की जयंती मनायी जाती है।

विधायक की अनुशंसा पर तीन योजनाओं का किया गया शिलान्यास

नामकुम (आजाद सिपाही)। खिजरी विधायक राजेश कच्छप के अनुशंसा पर कल्याण विभाग मद से नामकुम प्रखंड खिजरी विधानसभा क्षेत्र में तीन योजनाओं का शिलान्यास विधानसभा प्रभारी सतीश पंडा एवं प्रखंड प्रमुख आशा कच्छप ने संयुक्त रुप से किया। मौके पर जिला ग्रामीण उपाध्यक्ष माधो कच्छप, पंसस कल्याण लिंडा के साथ सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

इरफान अंसारी ने 91 सीएचओ को सौंपा नियुक्ति पत्र

सभी सदर अस्पतालों में एमआरआइ और सीटी स्कैन की सुविधा होगी : स्वास्थ्य मंत्री

आजाद सिपाही संवाददाता

नामकुम। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने मंगलवार को नामकुम स्थित लोक स्वास्थ्य संस्थान सभागार में आयोजित समारोह में 91 सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारियों (सीएचओ) को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आप सबको चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, लेकिन डरना मत। हमने नौकरी दी है, तो आपकी हिफाजत भी करेंगे। मंत्री ने कहा कि पदभार संभालने के बाद से राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में तेजी से काम हो रहा है। कहा कि इससे राज्य की आम जनता को महंगे इलाज के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। लोगों को अपने जिला मुख्यालयों में ही एमआरआइ और सीटी स्कैन की सुविधा मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि पिछले 25 वर्षों में जो सुधार नहीं हो पाया उसे अब तेजी से पूरा किया जा रहा है। राज्य में विशेषतौर पर गुर्दे की बीमारी के इलाज के लिये 2100 बिस्तरों वाला सुपर स्पेशियलिटी किडनी अस्पताल और छह नये मेडिकल कॉलेज जल्द ही बनेंगे। इससे गंभीर बीमारियों का इलाज झारखंड में ही संभव हो सकेगा। डॉ अंसारी ने साफ कहा कि झारखंड की जनता को अब इलाज के लिए दर-दर भटकना नहीं पड़ेगा। आने वाला समय झारखंड की सेहत और खुशहाली का होगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने समारोह के दौरान शायरी सुनाते हुए भाजपा और विरोधियों पर निशाना भी साधा। उन्होंने कहा कि मजबूत से मजबूत लोहा टूट जाता है, कई झूठे इकट्ठे हों तो सच्चा टूट जाता है। इस मौके पर स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद झारखंड का स्वास्थ्य सूचकांक राष्ट्रीय औसत से बेहतर है। इस मौके पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा, झारखंड मेडिकल कॉरपोरेशन के एमडी अबु इमरान और निदेशक प्रमुख स्वास्थ्य सेवाएँ डॉ. सिद्धार्थ सान्याल समेत कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

जनप्रतिनिधियों ने प्रखंड सह अंचल कार्यालय को घेरा

आजाद सिपाही संवाददाता

नामकुम। नामकुम के जनप्रतिनिधियों ने ओलावृष्टि मुआवजा और अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मंगलवार को नामकुम प्रखंड सह अंचल कार्यालय का घेराव किया। इस दौरान जमकर नारेबाजी की गई। सभा को संबोधित करते हुए लालखटंगा पंचायत के पूर्व मुखिया रितेश उरांव ने कहा कि अंचल कार्यालय में भ्रष्टाचार चरम पर है। जिससे आम-जनता त्राहिमाम है। कहा कि प्रखंड कार्यालय में बिना रिश्वत के कोई काम नही होता है। जाति, आय, आवासीय, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, दाखिल-खारिज समेत कई कार्यों के लिए जनता सालों से चक्कर लगा रहे है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी योजनाओं में भारी कमीशनखोरी हो रही है। आरती कुजूर ने राज्य सरकार को घेरते हुए कहा कि सत्ता में बैठे नेताओं को जनसमस्याओं से निपटने की क्षमता कम हो गई है। कहा कि ओलावृष्टि से प्रभावित लोगों का आवेदन कुछ महिना पूर्व ही दिया गया था। जिसका आज तक मुआवजा नही मिला है। वहीं, जनप्रतिधियों ने अपनी 15 सूत्री मांगों को लेकर रांची उपायुक्त के नाम नामकुम सीओ एवं बीडीओ को ज्ञापन सौंपा है। मौके पर लालखटंगा पंचायत की मुखिया पुष्पा तिर्की, कुटीयातू मुखिया निशा उरांव, खिजरी मुखिया कामेर्ला कच्छप, आरा पंसस अन्नू तिवारी, बरगावां मुखिया अनिता तिर्की, आरती कुजूर, अशोक मुंडा, प्रभाष झा, अजय मुंडा, विनीता कच्छप, प्रभावती कच्छप, लक्ष्मी कुमारी, अनिता टोप्पो, सुमित्रा देवी आदि मौजूद थे।

संजय सेठ ने सीआर पाटिल को अधूरी योजनाओं की जानकारी दी

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने मंगलवार को दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से मुलाकात की। इस दौरान उन्हें रांची जिला अंतर्गत सिल्ली प्रखंड के राढ़ू नदी में वर्ष 1980 में स्थापित बहुदेशीय उद्धव सिंचाई परियोजना के बदहाल स्थिति से अवगत कराया। बताया गया कि राज्य सरकार की उदासीनता के कारण यह परियोजना कई दशक से मुदार्हाल बनी हुई है। स्वर्णरिखा नदी की सहायक राढ़ू नदी पर आधारित यह परियोजना क्षेत्र के लिए वरदान साबित होगी। इस परियोजना में बांध का निर्माण, पाइपलाइन सिंचाई प्रणाली, पर्याप्त सिंचाई व्यवस्था, जल विद्युत उत्पादन, पेयजल आपूर्ति एवं औद्योगिक उपयोग हेतु जल की व्यवस्था किया जाना है। परियोजना का महत्वपूर्ण और सकारात्मक पक्ष यह है कि इससे कोई विस्थापन नहीं होगा। इसके साथ ही इस योजना के संचालित होने से सिल्ली एवं राहे प्रखंड के सैकड़ो गांव को दीर्घकालिक लाभ भी प्राप्त होगा। वर्तमान समय में इस योजना को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत एआईबीपी घटक के अंतर्गत शामिल किया गया है, जिसमें 60% केंद्रांश का प्रावधान है। उन्होंने मंत्री से आग्रह किया कि राज्य स्तर पर लंबित मामलों को निष्पादित करते हुए इसे संचालित करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया जाये। इस महत्वाकांक्षी योजना के निर्माण का पहल के लिए भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष विनय महतो धीरज ने संजय सेठ का आभार व्यक्त किया है।

जमीन ब्रोकर ने अपने निजी लाभ के लिए बिजली पोल को शिफ्ट कराया

बड़ा नाला के सामने 15 फीट का चौड़ा गेट लगाया

आजाद सिपाही संवाददाता

कांके। थाना क्षेत्र के सुकुरहूटू रिंग रोड में भैगना होटल समीप एक जमीन ब्रोकर में अपने निजी लाभ के लिए लोहे के दो विशाल बिजली पोल खंभा लगवा कर पोल शिफ्टिंग करवाने की तैयारी कर दी क्योंकि जमीन में जाने के लिए और गेट लगाने के लिए बिजली पोल से बाधा हो रही थी। इन्होंने बिजली विभाग को बाकायदा आवेदन दिया कि मैं यहां पर अपनी जमीन पर मकान बनाना चाहता हूं। इसलिए बिजली पोल मेरे रास्ते से हटाया जाये। इसके लिए बाकायदा बिजली विभाग में सरकारी नियम अनुसार राशि भी जमा की है। यह बात कांके विद्युत अवर प्रमंडल के एसडीओ सह अभियंता पंकज कुमार ने भी स्वीकार की है, जबकि जानकारों का कहना है कि जहां पर 15 फीट चौड़ा रास्ते के लिए गेट लगाया गया है, उस जगह पर रिंग रोड में बारिश का पानी जाने के लिए बड़ा नाला बना हुआ है। जानकारों ने बताया कि इस जमीन ब्रोकर में हाल ही में कुछ जमीन एग्रीमेंट करायी है, जिसके लिए रास्ता बहुत ही जरूरी है। नहीं तो जमीन ही नहीं बिकेगी। वर्तमान में इस जगह पर इस जमीन की कीमत लाखों में है। इस मामले को लेकर शीघ्र ही समाजसेवी आर ठाकुर कार्यपालक अभियंता विद्युत, सीओ कांके और रांची उपायुक्त को ज्ञापन देंगे।

उषा मार्टिन ने टीबी मरीजों को पोषण किट मुहैया करायी

समाज से टीबी उन्मूलन हो हमारा लक्ष्य : एनएन झा

आजाद सिपाही संवाददाता

नामकुम। टीबी उन्मूलन में जनसहभागिता जरूरी है। इसके लिए समाज के सभी वर्ग के लोगों एवं संस्थाओं को आगे आकर सहयोग करना होगा। समाज से टीबी उन्मूलन हमारा लक्ष्य होना चाहिए। उक्त बातें मंगलवार को उषा मार्टिन और शालिनी अस्पताल के सहयोग से टीबी मरीजों के लिए आयोजित पोषण वितरण कार्यक्रम में उषा मार्टिन के एचआर हेड एनएन झा ने कही। इस दौरान उषा मार्टिन कंपनी के सहयोग से कारखाने के इर्द-गिर्द के गांवों में इलाजरत टीबी के 50 मरीजों के बीच पोषण किट का वितरण किया गया। कंपनी द्वारा पिछले तीन सालों से समीपवर्ती गांव के मरीजों को पोषण उपलब्ध कराया जा रहा है। इधर उषा मार्टिन फॉउंडेशन के हेड डॉ मयंक मुरारी ने कहा कि उषा मार्टिन अपने सीएसआर कार्यक्रम के तहत पिछले तीन सालों से सरकारी के लोक कल्याण के कार्य को सहयोग कर रही है। गांवों में कुपोषण के लिए भी शालिनी अस्पताल के माध्यम से कार्यक्रम चलाया जा रहा है। उषा मार्टिन फॉउंडेशन के सहयोग और शालिनी अस्पताल के माध्यम से प्रधानमंत्री निक्षय पोषण योजना के तहत बांटे गए पोषण किट में प्रोटीनयुक्त खाद्य सामग्री मुहैया कराया गया है। इसमें सामग्रियों में दाल, चना, गुड़, मूंग, तेल, सोयाबीन बरी के अलावा अंडा शामिल है। डॉ टीके मिश्रा ने कहा कि टीबी उन्मूलन में दवाई के साथ पोषण जरूरी है। अमरेश कुमार ने कहा कि जन भागीदारी के कारण टीबी उन्मूलन का कार्यक्रम लक्ष्य पर पूरा हो सकेगा। नामकुम अस्पताल के सुशांति तिर्की और अनगड़ा की नेहा भूषण ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर शालिनी अस्पताल के राणा विकास, फॉउंडेशन के वरुण कुमार, शिशिर भगत, दिलीप मुंडा, पंकज, उत्तम महतो, संपूणानंद महतो, संगीता कुमारी आदि उपस्थित थे।

सरकार से कंपनी के योगदान को मिला सम्मान

उषा मार्टिन फॉउंडेशन के माध्यम से टीबी उन्मूलन के प्रयासों को सरकार द्वारा भी सराहना मिली है। झारखंड में टीबी उन्मूलन के प्रयासों को सबसे पहले उषा मार्टिन द्वारा सहयोग दिया गया था, जो लगातार जारी है। कंपनी के समाज के प्रति समर्पण के लिए भारत सरकार के डिप्टी डायरेक्टर-टीबी के माध्यम से सम्मान पत्र मिला है। उषा मार्टिन की ओर से एचआर हेड एनएन झा और सीएसआर हेड डॉ मयंक मुरारी ने यह सम्मान पत्र ग्रहण किया।

महत्वपूर्ण खबरें

बेड़ो थाना में शांति समिति की बैठक आज

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय सहित प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्र में 22 सितंबर से होने वाली दुर्गा पूजा में शांति व्यवस्था के साथ विधि व्यवस्था बनाये रखने के लिए बेड़ो थाना परिसर में बुधवार की अपराह्न तीन बजे शांति समिति की बैठक रखी गई है। थाना प्रभारी देव प्रताप प्रधान ने बताया कि 22 सितंबर से दुर्गा पूजा पर्व मनाया जायेगा। साथ ही दीपावली एवं छठ को लेकर पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था बनाये रखने एवं पूजा शांति पूर्ण संपन्न कराने के लिए शांति समिति की बैठक रखी गयी।

मुरतो दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष बने सुदर्शन प्रसाद

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के मुरतो गांव में सोमवार को दुर्गा पूजा महापर्व धूमधाम मनाये जाने की तैयारी को लेकर ग्रामीणों एवं समिति के सदस्यों की एक बैठक की गयी। बैठक में सर्वसम्मति से दुर्गा पूजा की नयी समिति का गठन किया गया। इसमें अध्यक्ष सुदर्शन प्रसाद, उपाध्यक्ष सुखसागर साहू, सचिव नंदलाल सिंह, कोषाध्यक्ष राजेश कुमार, संयोजक अभ्यास साहू, गोविंद गुप्ता, प्रदीप साहू, संरक्षक महावीर साहू, कलिंद्र साहू, श्याम सुंदर साहू, विष्णु प्रसाद गुप्ता, लखन साहू, आनंद ठाकुर, आनंद सिंह, आशीष ठाकुर, राकेश कुमार, सुकर साहू और प्रमोद सिंह सहित कई सदस्य बनाये गये है।

जरिया में स्व करमचंद भगत स्मृति फुटबॉल प्रतियोगिता 27 सितंबर से

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के जरिया गांव स्थित करमचंद भगत मैदान में जरिया फुटबॉल क्लब के तत्वाधान में पांच दिवसीय प्राइज मनी बालक व बालिका वर्ग का फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 27 सितंबर से आरंभ होगी। क्लब के विशेश्वर उरांव ने बताया कि आगामी 27 सितंबर से 2 अक्टूबर तक पांच दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया जायेगा। इस प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में कुल 16 टीमें शामिल होंगी। प्रवेश शुल्क 9300 रुपये है। विजेता टीम को एक लाख और ट्रॉफी उपविजेता को 50 हजार और ट्रॉफी तीसरे और चौथे स्थान पर आनेवाले टीमों को दस-दस हजार रुपये देकर पुरस्कृत किया जायेगा। वहीं महिला वर्ग में आठ टीमें भाग ले सकती हैं, जिसका प्रवेश शुल्क 5100 रुपये है जिसमें विजेता टीम को 35 हजार और ट्रॉफी, उपविजेता को 15 हजार और ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया जायेगा। संचालन के लिए बनी समिति में संरक्षक डॉ रविंद्र नाथ भगत, रामनारायण भगत, जयदेव भगत, कुंवारी खलखो, पेरो उरांव, बंधन उरांव, डहरू उरांव, अभय महली, मो माजिद, मटनू उरांव, राजीव रंजन अधिकारी, श्रीमंत चटर्जी, अध्यक्ष विशेश्वर उरांव, उपाध्यक्ष इंद्रजीत भगत और संदीप खलखो, सचिव जितपहान लकड़ा, कोषाध्यक्ष भैरो उरांव सहित कई सदस्य बनाये गये।

गौतमधारा के पास ट्रेन से गिर कर युवक की मौत

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। गौतमधारा रेलवे स्टेशन के पास मंगलवार की सुबह ट्रेन से गिरकर एक युवक की मौत हो गयी। मृतक की पहचान उतर प्रदेश के आर्यन कुमार (21 वर्ष) के रूप में की गयी। बताया गया कि युवक स्वर्ण जयंती ट्रेन से रांची आ रहा था। इसी दौरान गौतमधारा रेलवे स्टेशन पर वह ट्रेन के गेट से बाहर जा गिरा। मौके पर ही उसकी मौत हो गयी। रेलवे पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया।

संतोष मोबाइल रिपेयर स्टोर में चोरी

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के जोन्हा स्कूल मोड़ के समीप संतोष मोबाइल रिपेयर स्टोर नामक दूकान से सोमवार की देर रात अज्ञात चोरों ने करीब 50 हजार रुपये की संपति की चोरी कर ली। चोर एस्बेस्टस को तोड़ कर दुकान में घुसे और वहां रखे 6 मोबाइल सेट, दर्जनों हेडफोन, चार्जर, पेन ड्राइव एवं दो हजार रुपये नकद चुरा लिया। घटना की सूचना अनगड़ा पुलिस को दे दी गयी है।

16 गौवंश से भरी दो पिकअप वैन जब्त

इटकी (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के इटकी मारो रोड से मंगलवार को गोवंश तस्कर को 16 गौवंश से भारी दो पिकअप वैन को थाना प्रभारी मनीष कुमार ने जब्त किया है । गौवंश से भरी दो गाड़ी JH 01FG 2001 महिंद्रा पिकअप तथा JH01 FR 3752 टाटा पिकअप को सुबह करीब 7 बजे सुबह मारो जाने वाली सड़क पर से गोवंश से भरी गाड़ी को जब्त किया। गौवंश से भरी गाड़ी को इटकी से बाहर ले जाने का प्रयास किया जा रहा था। इसमें सलीम उर्फ सुलूम को गिरफ्तार किया गया है। सुलुम के घर का पता सत्यापित कर जेल भेजा जायेगा। बाकी कितने लोग इस तस्करी में शामिल थे, का पता लगाया जा रहा है। इस क्रम में थाना प्रभारी मनीष कुमार व बालकिशोर हेंब्रम एवं सशस्त्र बल शामिल थे।

बिजली चोरी के खिलाफ रातू में छापेमारी 7 पर प्राथमिकी दर्ज, 81000 रुपये जुर्माना

रातू (आजाद सिपाही)। झारखंड ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड, बिजली चोरी के खिलाफ निगम के आदेश पर विभाग की ओर से गठित टीम ने मंगलवार को इलाके के रातू आमटांड में बिजली चोरी के खिलाफ छापामारी अभियान चलाया। सहायक विद्युत अभियंता, विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल हिमांशु वर्मा के नेतृत्व में की गई छापेमारी में रातू आमटांड़ के 7 लोग बिजली चोरी करते पकड़े गये। इन पर कुल 81 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आरोपियों में इदरीश अंसारी पिता याकूब अंसारी पर 18 हजार बबली देव पति कंदरु साहू पर 18 हजार के अलावा माधुरी देवी पति सुरेंदर मिर्धा, फूल मनी देवी पति विक्रम मिर्धा, पूनम देवी पति राजेश मिर्धा, मुकेश मिर्धा पिता गणेश मिर्धा व मंजू देवी पति रंथु मिर्धा पर जुर्माना लगाया गया। इन पर नौ-नौ.हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। सभी आमटांड के रहने वाले है। इन पर कुल 81 हजार का जुमार्ना लगाया गया है। मामले को लेकर कनीय विद्युत अभियंता रंजीत कुमार ने सभी आरोपियो के खिलाफ रातू थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है।

रांची स्पीक्स प्रतियोगिता का आयोजन, चान्हो प्रखंड से शशि लोहरा, आलिया परवीन का चयन

चान्हो (आजाद सिपाही)। राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय चान्हो में रांची स्पीक्स प्रतियोगिता का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। प्रतियोगिता में चान्हो प्रखंड के सभी नौ सीआरसी से चयनित कुल 18 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इनमें वर्ग 1 से 5 श्रेणी के 9 और वर्ग 7 से 8 श्रेणी के 9 छात्र-छात्राएं शामिल थे। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए वर्ग 1 से 5 श्रेणी में आरसी प्राथमिक विद्यालय मूरतों की शशि लोहरा और वर्ग 7 से 8 श्रेणी में राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय चोड़ा, चान्हो की आलिया परवीन का चयन जिला स्तरीय राज्य स्पीक के लिए किया गया। इस अवसर पर डीडीओ चान्हो प्रखंड, नोडल शिक्षक रांची स्पीक्स साबिर हुसैन, निलेश कुमार, मोहम्मद अबरार, विनीता कच्छप, नीतू कुमारी सहित सभी सीआरसी के नोडल शिक्षक एवं शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

चर्म, कुष्ठ, थायरॉयड और गुप्त रोग विशेषज्ञ डॉ संदीप गुमला में 14 को

गुमला (आजाद सिपाही)। झारखंड के सुप्रसिद्ध चर्म, कुष्ठ, थायरॉयड व गुप्त रोग विशेषज्ञ डॉ संदीप रविवार 14 सितम्बर को गुमला में रहेंगे। पालकोट रोड स्थित निलेश मेडिकल हॉल में प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक वे रोगियों की जांच करेंगे। उक्त जानकारी देते हुए निलेश मेडिकल हॉल के संचालक दिलीप निलेश ने बताया कि ससमय पहुंच कर रोगी डॉ संदीप से मिल कर रोग संबंधी परामर्श ले सकते हैं।

फुटबॉल टूर्नामेंट में रूद्रपुर की टीम जीती

जारी (आजाद सिपाही)। जारी प्रखंड के बड़काडीह डूमरपानी में सोमवार को पटनाडाड़ मैदान में आयोजित आदिवासी फुटबॉल मैच का फाइनल हुआ। जिसमे रुद्रपुर और पतराटोली के बीच खेला गया। जिसमे रूद्रपुर की टीम पेनाल्टी शूट मे एक गोल से विजेता रहा। विजेता एवं उप विजेता टीम को खस्सी देकर पुरस्कृत किया गया।इस आयोजन का सफल संचालन राजेंद्र कोरवा, सुखराम महतो, धनी नगेसिया, पितरुस तिग्गा, रंगू कोरवा, लेटन कोरवा, बीरबल नायक सहित अन्य स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों ने मिलकर किया।

राजकीय मध्य विद्यालय में साइकिल वितरण

बिशुनपुर (आजाद सिपाही)। झारखंड सरकार के उन्नति का पहिया योजना अंतर्गत राजकीय मध्य विद्यालय बनालात में वर्ग आठवी के छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल वितरण की गयी, जिससे छात्रों में खुशी की लहर दौड़ गयी। इस अवसर पर छात्रों ने अपने चेहरे पर मुस्कान के साथ साइकिल प्राप्त की और अपनी खुशी का इजहार किया। छात्राओं में रिद्धिमा कुमारी, रिया कुमारी और सीमा कुमारी ने कहा कि साइकिल मिलने से उन्हें विद्यालय आने-जाने में सुविधा होगी और वे अपनी पढ़ाई पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकेंगी। वहीं, छात्रों में नीरज कुमार और मणि कुमार ने भी अपनी खुशी व्यक्त की और कहा कि साइकिल से उनकी जिंदगी में बड़ा बदलाव आयेगा। प्रधानाध्यापक सुखदेव उरांव ने कहा कि साइकिल वितरण कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना और उन्हें विद्यालय आने-जाने में सुविधा प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि विद्यालय प्रशासन छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए हमेशा प्रयासरत रहेगा। इस अवसर पर विद्यालय के सभी छात्रों ने साइकिल प्राप्त करने के लिए सरकार और शिक्षा विभाग का आभार व्यक्त किया।

गुमला लायंस क्लब ने बाल भारती स्कूल में मनाया शिक्षक दिवस

गुमला (आजाद सिपाही)। लायंस क्लब ऑफ गुमला ने सिसई रोड स्थित बाल भारती स्कूल में शिक्षक, छात्र-छात्राओं के साथ शिक्षक दिवस मनाया। इस अवसर पर दो सेवानिवृत्त शिक्षक सामंत राय गोप और खृस्टीना खलखो को लायंस अध्यक्ष मुरली मनोहर प्रसाद और सचिव योगेन्द्र प्रसाद साहु द्वारा बुके और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर लायंस अध्यक्ष मुरली मनोहर प्रसाद ने उपस्थित शिक्षकगण और छात्र-छात्राओं का स्वागत करते हुए कहा कि शिक्षक भगवान के रूप में जाने जाते हैं। उनसे हमें प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। किसी विद्यार्थी की सफलता पर मां-बाप के अलावे कोई खुश होता है वह होता है शिक्षक। लायंस क्लब के रीजन चेयरपर्सन अशोक जायसवाल ने कहा कि शिक्षक हमारे भाग्य निर्माता हैं। जिस तरह कुम्हार मिट्टी को गोंध कर आकार का रूप देता है, उसी तरह बच्चों को योग्य एक शिक्षक ही बनाता है। सचिव योगेन्द्र प्रसाद साहु ने कहा कि डाक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक साधारण परिवार से थे। वे भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति और देश के द्वितीय राष्ट्रपति थे। उनके शिष्यों के अनुरोध पर अपने जन्म दिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया था। शिक्षक के कारण ही एक समाचार पत्र बेचने वाला व्यक्ति को भारत का मिसाइल मैन से जाना जाता है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने स्वागत गान और कई मनमोहक दृश्य प्रस्तुत किए। इस अवसर पर प्राचार्य जेम्स बारला ने कहा कि लायंस क्लब के द्वारा हमारे स्कूल में आकर जो बच्चों और शिक्षक गण को सम्मानित और प्रोत्साहित करने का सराहनीय कार्य किये है भविष्य में भी इस स्कूल के प्रति अपना विश्वास बनाये रखेंगे। इस अवसर पर योगिता टोप्पो, सबनम निशा, कैथरीना टेटे, रश्मी कुमारी रेजिना केर-केट्टा, लाडली तबसुम, फ अल्पना एक्का, प्रियांशी प्रियानी, इग्नासिया तिर्की, अनंत मिश्रा, अखिलेश यादव, नितु बाखला, कृति एक्का, सदींपा तिर्की सुनीता टोप्पो के प्रति लायन्स क्लब सम्मान व्यक्त किया। लायंस महिला नेत्री ला शशिकिरण जयसवाल, सरवस्ती प्रसाद, रेणु साह ने बच्चों के बीच टॉफी वितरण कर बच्चों के साथ अपना समय बिताया।

फादर सिप्रियन एक्का मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन

चैनपुर (आजाद सिपाही)। चैनपुर में आयोजित फादर सिप्रियन एक्का मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट का भव्य समापन हुआ जिसमें संत अन्ना बालिका उच्च विद्यालय ने चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। यह टूर्नामेंट बालिकाओं की प्रतिभा को निखारने के लिए आयोजित किया गया था जिसका सफलतापूर्वक समापन मंगलवार को हुआ। कामेर्ला असुर प्लेयर ऑफ द मैच बनी। फाइनल मैच में संत अन्ना बालिका उच्च विद्यालय की टीम ने कस्तूरबा डुमरी की टीम को पेनल्टी शूटआउट में हराकर चैंपियन बनी। विजेता और उपविजेता की टीम को पुरुष्कार में एक-एक विशाल खस्सी दिया गया। वहीं सेमीफाइनल खेलने वाली संत मारिया बालिका उच्च विद्यालय और परमवीर अल्बर्ट एक्का मेमोरियल कॉलेज की टीम को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। प्लेयर ऑफ द फाइनल मैच संत अन्ना बालिका उच्च विद्यालय की कामेर्ला असुर और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट कस्तूरबा डुमरी की अनुष्का ढिढियो को बनाया गया। उन्हें उनके बेहतर प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत भी किया गया। परमवीर अल्बर्ट एक्का मेमोरियल कॉलेज चैनपुर के संस्थापक फादर सिप्रियन एक्का के भाई थॉमस एक्का बतौर मुख्य अतिथि थे। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि हमारी लड़कियां किसी से कम नहीं हैं। वे हर क्षेत्र में अपना लोहा मनवा रही है।

घाघरा-विशुनपुर में कांग्रेस का कार्यकर्ता सम्मेलन, जिलाध्यक्ष के चुनाव पर मंथन

कांग्रेस ने ही देश को आजादी दिलायी और अब कांग्रेस ही संविधान पर हमला करने वाला भाजपा से देश को बचायेगी : डॉ. रघु शर्मा

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआइसीसी) के संगठन सृजन अभियान के तहत गुमला जिला कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया को लेकर मंगलवार को घाघरा प्रखंड के झकड़ा कुंबा सामुदायिक भवन और विशुनपुर प्रखंड में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किये गये। इन सम्मेलनों में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी जुटे। कार्यकर्ताओं ने संगठन की मजबूती और नेतृत्व चयन को लेकर अपनी राय रखी। कार्यक्रम में एआइसीसी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक एवं राजस्थान के पूर्व मंत्री सह पूर्व सांसद डॉ रघु शर्मा, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, झारखंड आवास बोर्ड के अध्यक्ष संजय लाल पासवान, प्रदेश कांग्रेस महासचिव नेता अजयनाथ शाहदेव और जिला कांग्रेस अध्यक्ष चैतू उरांव मुख्य रूप से मौजूद रहे। डॉ शर्मा ने कहा कि कांग्रेस वह शक्ति है जो आजादी की लड़ाई से निकली और जिसने देश को लोकतंत्र, संविधान और बराबरी का अधिकार दिया। कांग्रेस ने ही देश को आजादी दिलायी और कांग्रेस ही देश को बचायेगी। आज भाजपा और आरएसएस संविधान को कमजोर करने की साजिश कर रहे हैं। यह सिर्फ कांग्रेस का संघर्ष नहीं, बल्कि भारत की आत्मा की रक्षा का संघर्ष है। कहा कि भाजपा सिर्फ सत्ता पाने के लिए राजनीति करती है। जबकि कांग्रेस सेवा और बलिदान की राजनीति करती है। आज नौजवान बेरोजगार हैं, किसान अपने अधिकारों के लिए सड़कों पर हैं और महिलाएं असुरक्षित हैं। इनकी आवाज कांग्रेस ही उठाती है। भाजपा धर्म और जाति के नाम पर समाज को बांटती है। लेकिन कांग्रेस जोड़ने का काम करती है। उन्होंने कहा कि गुमला का नया जिलाध्यक्ष वही बनेगा जो गांव-गांव जाकर जनता की आवाज बने और संगठन के लिए दिन-रात मेहनत करे। हमें कुर्सी के भूखे लोग नहीं, बल्कि लड़ने वाले सिपाही चाहिए। यह चुनाव किसी व्यक्ति का नहीं, बल्कि कांग्रेस संगठन की आत्मा का चुनाव है।

प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा कि देश आज कठिन दौर से गुजर रहा है। बेरोजगारी और महंगाई ने आम आदमी को तोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ही वह पार्टी है जिसने हमेशा किसानों, नौजवानों और वंचितों के हक में आवाज उठायी है। हमें गुमला में ऐसा जिलाध्यक्ष चाहिए जो हर वर्ग को साथ लेकर चले और जनता की आवाज बने।

झारखंड आवास बोर्ड के अध्यक्ष संजय लाल पासवान ने कहा कि राहुल गांधी का सपना है कि कांग्रेस का संगठन परिवार की तरह काम करे। जब तक कार्यकर्ता गांव-गांव में सक्रिय नहीं होंगे, तब तक संगठन मजबूत नहीं होगा। संगठन सृजन अभियान कार्यकताओं को शक्ति देने और नेतृत्व में उनकी भूमिका सुनिश्चित करने का प्रयास है।

प्रदेश महासचिव अजयनाथ शाहदेव ने कहा कि कांग्रेस की असली ताकत उसका समर्पित कार्यकर्ता है। आज भाजपा लोकतंत्र को खोखला कर रही है। लेकिन कांग्रेस ही वह पार्टी है जिसने हर संकट के समय देश को संभाला। यह संगठन सृजन अभियान कार्यकताओं की आवाज को जिलाध्यक्ष चयन तक पहुंचाने का ऐतिहासिक प्रयास है। हमें ऐसा नेतृत्व चुनना है जो संघर्ष के हर मोर्चे पर खड़ा हो सके। उन्होंने कहा कि आने वाला समय कांग्रेस का है और यदि सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर काम करेंगे तो गुमला जिला ही नहीं, पूरा देश कांग्रेस का गढ़ बन जायेगा।

दस दिनों के अंदर चोरी की घटना का उद्भेदन, चार नाबालिग धराये

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। जिला मुख्यालय के मेन रोड में घटित चोरी की एक घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया। मामला ये है कि मेन रोड स्थित प्रतिष्ठित लक्ष्मीनारायण रामचन्द्र हार्डवेयर दुकान के गोदाम से करीब 60 हजार रुपये मूल्य का सामान चोरी हो जाने की बात सामने आयी। घटना की शिकायत दुकान के संचालक अमित कुमार सांबू ने 31 अगस्त को गुमला थाना में दर्ज करायी थी। पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर तहकीकात शुरू की और सिर्फ दस दिन के भीतर ही चोरी का उद्भेदन कर दिया और चार नाबालिग चोरों को पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि चोरों का कहना है कि चोरी की इस घटना को 26 से 30 अगस्त के बीच अंजाम दिया था। अमित का गोदाम धोबी मुहल्ला स्थित मंत्री वस्त्रालय के बगल में है। इसके पिछले हिस्से से एक पतली सी गली और नाली निकलती है जो रूप सुहाना सैलून के बगल से होते हुए द्वारिका के प्रतिष्ठान और दृष्टि कार्ड दुकान के सामने खुलती है। चोरों ने इसी रास्ते का इस्तेमाल चोरी के लिए किया और गोदाम का पिछला दरवाजा खोलकर चोरी को अंजाम दिया। 30 अगस्त की शाम करीब चार बजे जब कारोबारी का स्टाफ गोदाम पहुंचा तो गोदाम से वह सामान गायब मिला। जांच में सामने आया कि लगभग 40-45 नगाड़ा, 80 किलो बक्सा (पेरी) बनाने का लोहा तथा 6 बोरा रस्सी जिसका मूल्य लगभग बीस हजार रुपये है। गायब था। चोरी गये सामान की कुल कीमत करीब 60 हजार बतायी जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही कारोबारी अमित कुमार सांबू ने थाना प्रभारी को लिखित शिकायत दी। इसमें अज्ञात चोरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गयी। व्यापारियों ने पुलिस की नाकामी पर सवाल उठाते हुए उन्हें चेतावनी दी थी कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाये गये तो आंदोलन किया जायेगा। थाना प्रभारी ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की गंभीरता को देखते हुए मामले कि छान बीन शुरू कर दी। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाले गये। संदिग्ध इलाकों में लगातार छापेमारी की गयी। पुलिस को मिले सुरागों के आधार पर सिर्फ दस दिनों के भीतर ही चोरी की गुत्थी सुलझा ली गयी। पुलिस ने चार नाबालिग चोरों को गिरफ्तार किया। जिनकी उम्र 16 से 18 वर्ष के बीच बतायी जा रही है। पूछताछ में उन्होंने चोरी की घटना को अंजाम देने की बात स्वीकार कर ली। इधर गिरफ्तार चोरों की निशानदेही पर चोरी गया सामान मेन रोड स्थित एक दुकान से बरामद किया गया। जांच में सामने आया कि चोरों ने चोरी के बाद सामान अलग-अलग दिनों में इस दुकान में बेचा था। दुकानदार ने ढोल बनाने वाले सामानों को मात्र 200 रुपये प्रति पीस की दर से खरीद लिया था। पुलिस ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए शहर में सुरक्षा व्यवस्था और गश्ती बढ़ा दी है। थाना प्रभारी ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाया जायेगा।

झांगुर गुट सुप्रीमो रामदेव उरांव के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

आजाद सिपाही संवाददाता

बिशुनपुर। गुरदरी थाना कांड संख्या 05/ 24 के आरोपी झांगुरगुट सुप्रीमो रामदेव उरांव के घर पहुंच कर ग्रामीणों के समक्ष गुरदरी पुलिस ने न्यायालय द्वारा निर्गत इतिहास चिपकाते हुए उपस्थित परिजनों को निर्धारित समय पर आरोपी को न्यायालय उपस्थित कराने की बात कही है। थानेदार धीरज कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी फरार चल रहा हैं और पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। इसी क्रम में मंगलवार को एसआइ शशि भूषण कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोप के घर देवरागाणी पहुंचकर विधिवत ग्रामीणों के समक्ष इश्तिहार चिपकाया। पुलिस ने आरोपि से निर्धारित समय पर न्यायालय में उपस्थित होने की अपील की है। पुलिस का कहना है ऐसा नहीं करने पर न्यायालय के दिशा निर्देश उपरांत अग्रेतर कार्रवाई की जायेगी।

युवक ने जान से मारने का लगाया आरोप, दिया आवेदन

सिसई (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के मकतब मोहल्ला निवासी साहिल अंसारी ने बसिया रोड निवासी आमिर आलम एवं दाऊद अंसारी अफजल मोहल्ला निवासी के खिलाफ जान से मारने की लिखित शिकायत सिसई थाने में आवेदन किया है। आवेदन में ये भी बताया है कि दोनों आरोपियों ने मेरा इंस्टाग्राम और फेसबुक अकाउंट को हैक कर लिया है जिसका शिकायत सिसई थाने में करने में जा रहा था, जो दोनों आरोपियों ने मुझे जबरन थाने के पीछे संत तुलसीदास स्कूल के पास ले जाकर मारपीट की। सर में अंदरूनी चोट लगने के कारण मैं वहीं बेहोश हो गया है मुझे आरोपियों ने मुझे मरा हुआ समझकर भाग गया। फिर लोगों ने मुझे हॉस्पिटल पहुंचाया।

दुर्गा पूजा धूमधाम से मनाये जाने को लेकर बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। शारदीय नवरात्र एवं दुर्गा पूजा धूमधाम से मनाये जाने को लेकर बड़ा दुर्गा मंदिर के प्रांगण में शहरी क्षेत्र सहित निकटवर्ती गांवों के दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष, सचिव तथा प्रतिनिधियों की बैठक श्री बड़ा दुर्गा मंदिर पूजा समिति के अध्यक्ष निर्मल कुमार गोयल की अध्यक्षता में हुई। बैठक के प्रारंभ में बड़ा दुर्गा मंदिर के पूजा समिति के सचिव रमेश कुमार 'चीनी' द्वारा आगत पूजा समिति के पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए नवरात्र एवं दुर्गा पूजा के दौरान जिला, पुलिस एवं नगरीय प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले मूलभूत सुविधाओं की ओर ध्यानाकृष्ट कराते हुए उपस्थित सभी पूजा समिति के पदाधिकारियों से सुझाव देने का अनुरोध किया गया। बैठक में उपस्थित लगभग सभी पूजा समिति के पदाधिकारियों ने बिजली, पानी की निर्बाध आपूर्ति सहित साफ -सफाई रखें जाने पर जोर दिया। शहर के मुख्य मार्गों के साथ साथ उपपथों में पेड़ की डालियां झुकी हुई हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है और विजया दशमी के दिन प्रतिमाओं के नगर भ्रमण के दौरान काफी कठिनाई होती है। समिति के पदाधिकारियों ने पेड़ के झुकी हुई डालियों को समय से पहले कटवाने की इच्छा जाहिर की। समिति के पदाधिकारियों द्वारा जिला प्रशासन द्वारा आहूत शांति समिति की बैठक में लिये गये निर्णयों का सही से अनुपालन सुनिश्चित किये जाने की बात कही गयी। बैठक में पूजा के दौरान शहर के सभी पूजा पंडालों और निकटवर्ती गांवों के पूजा पंडालों एवं मेला में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था रखें जाने बात कही गयी।

वृद्ध महिला से गहने और पर्स की छिनतई

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। शहर के दुंदरिया निवासी 60 वर्षीय शांति देवी से मंगलवार की दोपहर थाना रोड के समीप दो अज्ञात युवकों ने उनके गले का चैन, कान का टाप्स और पर्स झपटकर फरार हो गये। घटना के बाद पीड़िता ने मंगलवार की अपराह्न 3 बजे गुमला थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। शांति देवी ने अपने आवेदन में बताया कि वह बाजार से घर लौट रही थीं। इसी दौरान थाना रोड के पास दो युवक उनके पास आये और किसी डाक्टर शीतल शर्मा के बारे में पूछने लगे। महिला ने अनभिज्ञता जतायी और कहा कि वह किसी डाक्टर को नहीं जानती। इसके बाद वह आगे बढ़ने लगीं तभी पीछे से एक युवक ने उनके गले की चैन, कान के टाप्स और हाथ में रखा पर्स झपट लिया। वह कुछ समझ पाती दोनों युवक वारदात को अंजाम देकर लोहरदगा रोड की ओर भाग गये। अचानक हुई इस घटना से शांति देवी दहशत में आ गयी। घटना की जानकारी आसपास के लोगों को दी गयी। जिसके बाद उन्हें थाना लाकर आवेदन दिया गया।

घाघरा ब्लॉक में फैले भ्रष्टाचार के खिलाफ 16 से शुरू होगा आंदोलन

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। भ्रष्टाचार विरोधी मंच घाघरा के बैनर तले पूर्व घोषित बैठक मंच के प्रमुख लोगों को लेकर बसंत उरांव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के प्रभारी सह झारखंड नवनिर्माण दल के केंद्रीय संयोजक विजय सिंह ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की भ्रष्ट नीति के कारण ब्लॉक और अन्य सरकारी दफ्तर खरीद बिक्री का दुकान बनी हुई है, जहां आम जनता को योजना का लाभ नहीं मिल रहा है बल्कि गरीबों को अबुआ आवास जैसे योजना खरीदना पड़ रहा है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। श्री सिंह ने यह भी कहा कि भ्रष्टाचार पर रोक लगाना है तो प्रखंड के गांव-गांव में इस लूट व कमीशन खोरी के विरुद्ध उठ खड़ा होना होगा और शुरू की जा रही आंदोलन में आम जनता से हजारों की संख्या में भागीदारी निभाने की अपील की है। बैठक में घाघरा बैंक आफ इंडिया में खाता धारकों को हो रही भारी परेशानी को देखते हुए इस समस्या का समाधान को लेकर 8 सितंबर को प्रखंड विकास पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपने, घाघरा ब्लॉक में फैले भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचार के कारण आम जनता की लंबित काम को एकत्रित कर तथा मनरेगा और 15वीं वित्त आयोग की योजना में हो रही बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार संबंधी दी गई मांगों पर हुई कार्रवाई के बाबत जवाब लेने को लेकर 16 सितंबर को घाघरा ब्लॉक के समक्ष धरना प्रदर्शन कर आंदोलन की शुरूआत करने, सितंबर माह में भ्रष्टाचार विरोधी मंच का विस्तार कर प्रखंड टीम का गठन करने के अलावे कई निर्णय लिए गये हैं।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, लातेहार

अति अल्पकालीन ई-निविदा आमंत्रण सूचना

(डी0एम0एफ0टी0 मद)

संख्या – EE/RDSD/LATEHAR/18/2025-26(3rd call)

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :

क्र० सं०	कार्य का नाम	ग्रुप सं0	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	लातेहार जिलान्तर्गत प्रखण्ड महुआडांड़ के पंचायत नेतरहाट में CONSTRUCTION OF AGANWADI KENDRA AT AIGU NETARHAR का कार्य।	Gr_2	1903700	38100	5000	4 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 10.09.2025
3. ई-निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 10.09.2025 से दिनांक 16.09.2025 को अपराह्न 5:00 बजे तक।
4. ई-निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, लातेहार।
5. ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय –18.09.2025 अपराह्न 2:00 बजे
6. ई-निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, लातेहार।
7. ई-निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 06565796434
8. परिमाण विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई-भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, लातेहार

PR 361399 Rural Development(25-26)#D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

जिला योजना अनावद्ध निधि से चतरा जिलान्तर्गत स्वीकृत निम्नलिखित योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु ग्रामीण विकास विभाग (ग्रामीण कार्य मामले), झारखण्ड सरकार द्वारा समुचित श्रेणी के निबंधित संवेदको से एकल लिफाफा पद्धति के अंतर्गत निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई-निविदा सूचना संख्या :– RDD/SD/CHATRA/02/2025-26

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :–

ग्रुप० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	लिफाफा पद्धति
1	प्रखण्ड-चतरा, पंचायत-डाढ़ा, ग्राम-पकरिया में चतरा जिला मुख्यालय स्थित पकरिया में निर्मित मॉडल वृद्धावस्था आश्रम भवन का परिसर विकास कार्य।	12,96,500.00	26000.00	2500.00	03 माह	एकल
2	प्रखण्ड-चतरा, पंचायत-डाढ़ा, ग्राम-पकरिया में चतरा जिला मुख्यालय स्थित पकरिया में निर्मित मॉडल वृद्धावस्था आश्रम भवन का मरम्मति कार्य।	18,24,300.00	36500.00	5000.00	03 माह	एकल
3	प्रखण्ड-चतरा, पंचायत-चतरा, ग्राम-चतरा में बाल कल्याण समिति चतरा भवन का मरम्मति कार्य।	18,19,900.00	36400.00	5000.00	03 माह	एकल

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 16.09.2025
3. ई-निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय –दिनांक–16.09.25 से दिनांक–23.09.25 के अपराह्न 05:00 बजे तक
4. ई-निविदा खोलने का स्थान– कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा।
5. ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 25.09.2025 अपराह्न 02:00 बजे
6. ई-निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, चतरा।
7. ई-निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 9431060939 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है, तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई-भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बन्द कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, चतरा

PR 361391 Rural Development(25-26)#D

12 सूत्री मांग को लेकर भाजपाइयों ने कार्यपालक पदाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

चिरकुंडा (आजाद सिपाही)। अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत मंगलवार को चिरकुंडा भाजपा मंडल अध्यक्ष अरविंद सिन्हा के नेतृत्व में दर्जनों भाजपाइयों ने नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न वार्डों की समस्या को लेकर कार्यपालक पदाधिकारी प्रियंका कुमारी को ज्ञापन सौंपा। जिसमें मुख्य मांगे आगामी त्यौहारों को देखते हुए क्षेत्र में साफ सफाई, संपूर्ण वार्डो में लाईट की व्यवस्था,सड़क की मरमती, नियमित पेयजल आपूर्ति इत्यादि विभिन्न प्रमुख मांगों शामिल है जिसे लेकर ज्ञापन सौंपा गया। जानकारी देते हुए भाजपा नेता सह समाजसेवी दशरथ साव ने बताया कि त्यौहार को ध्यान में रखते हुए नगर परिषद द्वारा सभी वार्डो की साफ सफाई सभी बिजली के खंभे पे लाईट की व्यवस्था, टूटे सड़कों की मर्मती एवं तालडांगा से चिरकुंडा नदी तक सड़क के किनारे नाली का निर्माण करायी जाये क्योंकि वर्तमान में नाली का पानी सड़क पर आ रहा हैं जिससे त्यौहारों में राहगीरों को काफी परेशानी होगी जिससे लेकर ज्ञापन सौंपा गया। अगर जल्द से जल्द कार्यो को पूरा नहीं किया गया तो भाजपा के एक एक कार्यकर्ता नगर परिषद कार्यालय के समक्ष अनिश्चितकाल धरना पर बैठने को बाध्य होंगे। वहीं इन सारे मुद्दे पर कार्यपालक पदाधिकारी प्रियंका कुमारी ने बताया कि त्यौहार को ध्यान में रखते हुऐ सारे वार्डो का निरीक्षण किया जा रहा हैं कचड़ा उठाव से लेकर कचड़ा डंप करने एव स्ट्रीट लाइटे दुरुस्त की जा रही हैं संभवतः सभी मूलभूत कार्य आगामी त्यौहारों से पहले दुरुस्त हो जायेगी।

चास निगम क्षेत्र में पेयजलापूर्ति व्यवस्था सुचारू करने को लेकर डीसी ने की बैठक

बोकारो (आजाद सिपाही)। चास नगर निगम क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त एवं सुदृढ़ करने को लेकर मंगलवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने गोपनीय स्थित कार्यालय कक्ष में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अपर नगर आयुक्त चास संजीव कुमार, कार्यपालक अभियंता विद्युत प्रमंडल एसबी तिवारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, पूर्व मध्य रेलवे धनबाद मंडल के प्रतिनिधि आदि उपस्थित रहे। बैठक में उपायुक्त ने विशेष रूप से वाटर ट्रीटमेंट प्लांट (डब्ल्यूटीपी) चास को डेडिकेटेड विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने में आ रही समस्याओं पर विस्तार से समीक्षा की। जिस पर कार्यपालक अभियंता विद्युत प्रमंडल चास द्वारा बताया गया कि सब स्टेशन का कार्य पूरा है, 33 केवी का लाइन दुग्धा से ले जाने के लिए रेलवे से एनओसी नहीं मिल रहा है, इससे परेशानी हो रही है। मौके पर ही उपायुक्त ने पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री अखिलेश मिश्रा से बात कर समस्या पर चर्चा की। जिस पर उन्होंने अपनी ओर से जल्द कार्रवाई की बात कहीं। बैठक में उपायुक्त ने पुनः कार्यपालक अभियंता को रेलवे पोर्टल पर आन लाइन अप्लाई करने एवं बैठक में उपस्थित रेलवे प्रतिनिधियों से दो दिनों में प्रक्रिया को पूरा करते हुए एनओसी निर्गत करने की बात कहीं। उपायुक्त ने कार्यपालक अभियंता चास को एनओसी प्राप्त होने के साथ ही रविवार से इस दिशा में कार्य करने को कहा। उन्होंने कहा कि विजया दशमी तक हर हाल में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट (डब्ल्यूटीपी) चास को डेडिकेटेड विद्युत आपूर्ति सेवा सेजोड़ देना है। उपायुक्त ने कार्यरत एजेंसियों जुडको एवं अन्य को निर्देश दिया कि वह इस दौरान अब तक छूटे हुए कॉलोनियों/मोहल्लों तक पाइपलाइन बिछाने का कार्य शीघ्र पूरा करें। बैठक में उपायुक्त ने अपर नगर आयुक्त को यह सुनिश्चित करने को कहा कि गरगा नदी में शहर का गंदा पानी सीधे नहीं जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि केवल फिल्टर और शोधन के बाद ही नदी में जल का प्रवाह हो।

जिप चेयरमैन ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण

धनबाद (**आजाद सिपाही**)। विगत कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रही जिला परिषद चेयरमैन शारदा सिंह ने आज स्वयं सदर अस्पताल पहुंचकर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के समय सिविल सर्जन समेत अस्पताल प्रशासन के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। जांच के क्रम में अस्पताल की सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पायी गयी। हमेशा लोगों को और मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सदर अस्पताल आने के लिए प्रेरित करती रही हैं, और आज स्वयं उन्होंने यहाँ आकर इसका अनुभव किया। उन्होंने जिले के सभी जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे भी समय-समय पर अपने स्वास्थ्य की जांच अवश्य कराएं। उनके अनुसार, ऐसा करने से न केवल अस्पताल की व्यवस्थाओं में और सुधार होगा बल्कि आम लोगों को भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

चैंबर सचिव मुकेश अग्रवाल की पत्नी का निधन

बोकारो (आजाद सिपाही)। चेंबर के सचिव एवं रोटरी क्लब चास के पूर्व सचिव मुकेश अग्रवाल की धर्मपत्नी समाजसेवी रितु अग्रवाल (50 वर्ष) का आकस्मिक निधन हो गया। इस दुखद समाचार से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गयी। रितु अग्रवाल हमेशा सामाजिक कार्यों में सक्रिय रही थीं। वे रोटरी क्लब चास, मारवाड़ी महिला समिति सहित कई संस्थानों से जुड़ी हुई थीं और समाजहित में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती थीं। उनके आकस्मिक निधन पर बोकारो विधायक श्वेता सिंह व भाजपा नेत्री डॉ परिंदा सिंह ने मुकेश अग्रवाल एवं उनके परिजनों से मुलाकात कर सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि समाज ने एक सक्रिय और समर्पित कार्यकर्ता खो दिया। रोटरी क्लब चास की अध्यक्ष डिंपल कौर, सचिव श्वेता रस्तोगी, चेंबर अध्यक्ष मनोज चौधरी, संजय बैद, राजकुमार जायसवाल, नरेंद्र सिंह, विनोद चोपड़ा, सिद्धार्थ पारख, प्रकाश केजरीवाल, विजय अग्रवाल, श्रमिक नेता संग्राम सिंह सहित अनेक लोगों ने भी गहरा दुख प्रकट किया।

बांधडीह रेलवे साइडिंग में अपराधियों ने ट्रैक्टर चालक को मारी गोली

बोकारो (आजाद सिपाही)। चास मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत बांधडीह रेलवे साइडिंग में मंगलवार को उस समय सनसनी फैल गयी जब दो बाइक सवार अपराधियों ने ट्रैक्टर चालक जादू साहिस गोली मार दी। इस घटना में गंभीर रूप से घायल चालक को तत्काल बोकारो जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही एसपी हरविंदर सिंह खुद मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने मौ यां चलायी। जादू साहिस को पेट, कमर और पैर में गोली लगी है। रेलवे साइडिंग में पिछले छह महीने से बाउंड्री वॉल का निर्माण कार्य चल रहा था। स्थानीय लोग इस घटना को रंगदारी से भी जोड़कर देख रहे हैं। गोलीबारी की खबर फैलते ही इलाके में दहशत का माहौल है। घटना के तुरंत बाद वहां मौजूद लोगों ने घायल चालक को अस्पताल पहुंचाया। बहरहाल, चास मु. थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

राजगंज के पेट्रोल पंप में दिनदहाड़े गोलीबारी

आजाद सिपाही संवाददाता

राजगंज। राजगंज थाना क्षेत्र के चाली बंगला के समीप भारत पेट्रोलियम बीबीडी फ्यूल परिसर में सोमवार दोपहर करीब चार बजे अज्ञात हमलावरों ने गोलीबारी की। बाइक सवार तीन युवकों ने इस घटना को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गए। घटना स्थल से पुलिस ने खोखा बरामद किया है। बताया जाता है कि पेट्रोल पंप कारोबारी बीरबल मंडल का है। गोलीबारी की सूचना मिलते ही राजगंज पुलिस, बाघमारा डीएसपी और ग्रामीण एसपी दल-बल के साथ घटनास्थल पहुंचे और मामले की जांच में जुट गये।

पेट्रोल पंप मैनेजर के अनुसार, काले रंग की पल्सर बाइक पर सवार तीन युवक पेट्रोल पंप के सामने सर्विस रोड पर रुके। उनमें से एक युवक उतरकर सीधे ऑफिस के समीप पहुंचा और बिना कुछ कहे पेट्रोल पंप के मुख्य दरवाजे पर दो राउंड फायरिंग की। इसके बाद तीसरी गोली हवा में दागी और वह युवक तुरंत बाइक पर सवार होकर साथियों संग राजगंज की ओर फरार हो गया। इस घटना मे पंप कर्मी बाल बाल बच गए।

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि हमलावर बरवाअड्डा की ओर से आये थे। दिनदहाड़े हुई इस गोलीबारी से इलाके में दहशत फैल गयी है और पेट्रोल पंप कर्मी सहमे हुए हैं। पुलिस ने पूरे क्षेत्र में नाकेबंदी कर हमलावरों की तलाश शुरू कर दिया है।

टैक्स वसूली के बाद भी बड़की सरिया नगर में फैली है गंदगी

आजाद सिपाही संवाददाता

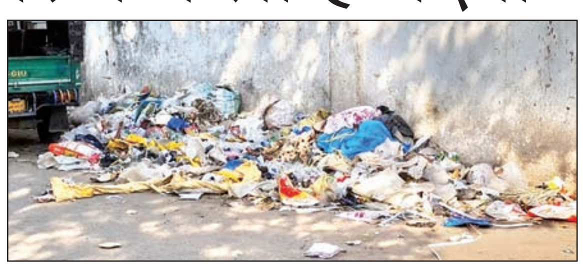

गिरिडीह/ सरिया। बड़की सरिया नगर पंचायत क्षेत्र में होल्डिंग टैक्स, ट्रेड लाइसेंस के नाम पर आम नागरिकों से टैक्स लिया जा रहा है। लेकिन नगर पंचायत के सरिया बाजार में साफ सफाई शून्य है। नालियों का गंदा दुर्गंध पानी सड़कों पर निकल रहा है।

साथ ही चौक चौराहा पर लगे डस्टबिन लगाया गया है। उसकी साफ सफाई भी प्रतिदिन नहीं होती है। जिसके कारण आसपास के लोग कचरे को डस्टबिन के बाहर फेक रहे है। जिसके कारण दुर्गंध फैल रहा है इस बाबत सरिया बाजार निवासी संजय साव ने कहा कि नगर पंचायत बनने के बाद शहरी क्षेत्र के लोगो को कई तरह का टैक्स भरना पड़ रहा है तथा सुविधा शून्य है।

नगर पंचायत बनने के बाद लोगों को सुविधा क्या मिल पा रहा है । किसी जनप्रतिनिधि को इसकी चिंता नहीं है। पहले अपने घरों का कचरा को अपने हिसाब से हटाते थे।

लेकिन नगर पंचायत बनने के बाद जब टैक्स भरना पड़ रहा है तो लगा अब सुविधा बहाल होगी तो टैक्स भरना मुनासिब है।

लेकिन विडंबना है कि टैक्स की दोहरी मार के बावजूद सुविधा शून्य है बरसात में कचरा जमा होना और नाली का गंदा पानी सड़क पर बहने के कारण महामारी की संभावना उत्पन्न होगी ।

इसके लिये स्थानीय नेता व नगर पंचायत विभाग को समाधान करने की आवश्यकता है।

बोकारो स्टील प्लांट में ठेकेदारों के लिए सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। बीएसएल में ठेकेदारों के बीच सुरक्षा के महत्व को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कॉन्ट्रैक्टर सेफ्टी मैनेजमेंट की एलिमेंट स्टीयरिंग कमेटी एवं कॉन्ट्रैक्टर मीट के अंतर्गत एक विशेष सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन 9 सितम्बर को मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मुख्य सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन बीएसएल के सुरक्षा अभियंत्रण विभाग द्वारा किया गया जिसमें संयंत्र के विभिन्न विभागों के लगभग 35 ठेकेदारों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) बीके सरतापे उपस्थित थे। इस अवसर पर महाप्रबंधक-प्रभारी (सुरक्षा) आनंद रौतेला, उप महाप्रबंधक (सुरक्षा) कुमार रजनीश, सहायक प्रबंधक (सुरक्षा) श्री एडी रामटेके एवं उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) एसके दत्ता सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत में उप महाप्रबंधक (सुरक्षा) कुमार रजनीश ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रुपरेखा से सभी को अवगत कराया। तत्पश्चात मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) बीके सरतापे ने सभी प्रतिभागियों को सुरक्षा शपथ दिलायी तथा अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि सुरक्षा केवल एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि कार्य संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। हम सभी की जिम्मेदारी है कि स्वयं के साथ-साथ अपने सहकर्मियों की भी सुरक्षा सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर सहायक प्रबंधक (सुरक्षा) एडी रामटेके ने एक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से कार्यस्थल पर संभावित जोखिमों की पहचान, निवारक उपाय, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों के अनिवार्य उपयोग एवं सुरक्षित कार्य पद्धतियों जैसे विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी साझा की। यह कार्यक्रम बीएसएल की ठेकेदारों के बीच सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने, सुरक्षा संस्कृति को और सुदृढ़ करने तथा अपने हितधारकों के लिए सुरक्षित एवं स्वस्थ कार्य वातावरण सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

एक नये सफर की शुरुआत कार्यक्रम का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट से सितम्बर '2025 में सेवानिवृत होने वाले कुल 27 कार्मिकों को सेवानिवृति से जुड़ी औपचारिकताओं तथा सेवानिवृति के उपरांत जीवन में आने वाले संभावित परिवर्तनों के समुचित प्रबंन्धन की जानकारी देने के उद्देश्य से 9 सितम्बर को मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में मानव संसाधन के अंतिम निपटारा प्रकोष्ठ के द्वारा 'एक नए सफर की शुरूआत' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में वरीय प्रबंधक (मानव संसाधन-अंतिम निपटारा प्रकोष्ठ) कल्पना ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया तथा नये मेडिक्लेम योजना की जानकारी के साथ कार्यक्रम के प्रयोजन से सभी को अवगत कराया। डॉ साकेत मिश्रा, एसी एमओ (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) ने इस्पात कर्मियों को स्वास्थ्य प्रबंधन तथा योग गुरु श्री के बी मिश्रा ने योग के माध्यम से स्वस्थ जीवन शैली के बारे में बताया। उप महा प्रबंधक (वित्त एवं लेखा) अनुपम शी ने उपस्थित समूह को वित्तीय प्रबंधन तथा नगर प्रशासन विभाग से जितेंद्र कुमार, सहायक महाप्रबंधक ने आवास प्रतिधारण नीति के बारे में विस्तृत जानकारी दी। पंजाब नेशनल बैंक सेक्टर 4 के ब्रॉंच हेड दीपक कुमार लोहानी तथा उनकी टीम के सदस्यों ने कार्यक्रम में उपस्थित सुधिजनो को सीनियर सिटीजन के लिए धन निवेश पर सुझाव तथा बैंकिंग सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। अनीता झा (मानव संसाधनअंतिम निपटारा प्रकोष्ठ) ने अंतिम निपटारा गतिविधियों के बारे में बताया।

बाघमारा में गरमायी सियासत

दीपक रवानी की टिप्पणी से भाजपा कार्यकर्ता भड़के

आजाद सिपाही संवाददाता

महुदा। रामकनाली हादसे को लेकर सियासी गलियारों में हलचल तेज हो गयी है। जेएलकेएम नेता एवं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी दीपक रवानी द्वारा बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो पर की गयी व्यक्तिगत और तीखी टिप्पणी ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। रवानी द्वारा विधायक को धनबाद सांसद ढुल्लू महतो की कठपुतली बताने पर भाजपा कार्यकर्ताओं और विधायक समर्थकों में गहरा आक्रोश है। इस पूरे प्रकरण के खिलाफ विधायक प्रतिनिधि हिमांशु शेखर रवानी की अध्यक्षता में एक आपात पत्रकार वार्ता महुदा मोड़ में मंगलवार को आयोजित की गयी, जिसमें दर्जनों भाजपा के वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता और विधायक समर्थक मौजूद रहे। वार्ता के दौरान हिमांशु रवानी ने दीपक रवानी पर तीखा हमला बोलते हुए कहाः जनता के द्वारा चुने गये जनप्रतिनिधि पर व्यक्तिगत टिप्पणी कर दीपक रवानी सिर्फ सस्ती लोकप्रियता हासिल करना चाहते हैं। उनके बयान न केवल अनर्गल हैं, बल्कि क्षेत्रीय राजनीति को दूषित करने का प्रयास है।

हिमांशु रवानी ने नाम लिये बिना डुमरी विधायक पर भी तंज कसते हुए कहा किः राजनीति की पराकाष्ठा तब देखने को मिली जब एक विधायक साहब बीमार होने का दावा करते हुए गाड़ी में ही स्लाइन चढ़वाते हुए वीडियो बनाते हैं और उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हैं। ये क्या जनता की सेवा है या दिखावे की पराकाष्ठा? उन्होंने आरोप लगाया कि दीपक रवानी उसी 'रील राजनीति' की राह पर चल पड़े हैं – जैसा गुरु, वैसा चेला।

जेएलकेएम पर गंभीर आरोपः पत्रकार वार्ता में हिमांशु रवानी ने जेएलकेएम पर सवाल उठाया। कहा जो लोग संविधान की दुहाई देते हैं। हिमांशु ने साफ कहा कि दीपक रवानी अगर वाकई समाजसेवा की भावना रखते हैं, तो पहले अपनी पार्टी को देखें। वार्ता के अंत में उन्होंने चेतावनी देते हुए कहाः हम दीपक रवानी जैसे लोगों को स्पष्ट चेतावनी देते हैं कि वे हमारे विधायक के खिलाफ ओछी राजनीति और व्यक्तिगत हमलों से बाज आयें। क्षेत्र की जनता सब देख रही है और समय आने पर जवाब देगी।

कार्यालय, जिला पशुपालन पदाधिकारी, खूँटी

–: आम सूचना :–

खूँटी जिलान्तर्गत प्रत्येक पंचायत में पशुपालन विभाग द्वारा विशेष पशु चिकित्सा शिविर (प्रथम चरण) का आयोजन पशुओं में होने वाले संक्रामक एंव अन्य बीमारियों की बड़े स्तर पर एक साथ चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित् करने तथा पशुपालकों में जागरूकता लाने के लिए किया जा रहा है।

वित्तीय वर्ष 2025–26 में खूँटी जिलान्तर्गत विशेष पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन की सूची निम्नवत् है:–

क्र0 सं0	प्रखंड का नाम	क्र0 सं0	पंचायत का नाम	आयोजन स्थल का नाम	आयोजन की तिथि	उत्तरदायी पशुचिकित्सक का नाम	पदनाम	दूरभाश सं0	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	खूँटी	1	गुटजोरा	कपरिया	11.09.2025 12.09.2025	डॉ0 गीतांजली कच्छप	प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी, खूँटी	8210276170	
		2	फूदी	डण्डोल	13.09.2025 14.09.2025				
		3	मुरही	कुरकुटीया	15.09.2025 16.09.2025				
		4	भण्डरा	मन्दरूटोली	18.09.2025 19.09.2025				
		5	सिलादोन	चुकरू	20.09.2025 21.09.2025				
		6	लान्दुप	जोजोहातु	23.09.2025 24.09.2025				
		7	मारंगहादा	हितुटोला	25.09.2025 26.09.2025				
		8	बारूडीह	कुन्दी	27.09.2025 28.09.2025				
2	तोरपा	9	डोड़मा	डोड़मा	11.09.2025 12.09.2025	डॉ0 सुरेश कुमार	भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी, डोड़मा	7250379473	
		10	ओकड़ा	अंगराबाड़ी	13.09.2025 14.09.2025				
		11	सुन्दारी	डाडटोली	15.09.2025 16.09.2025				
		12	जरिया	जरिया	18.09.2025 19.09.2025				
		13	दियांकेल	बड़रूटोली	20.09.2025 21.09.2025				
		14	बरकुली	कजुरदाग	23.09.2025 24.09.2025				
		15	तोरपा पूर्वी	बड़ाईक टोली	25.09.2025 26.09.2025				
		16	सहारा टोली	तोरपा पश्चिमी	27.09.2025 28.09.2025				
3	मुरहू	17	मुरहू	चमरा टोली	11.09.2025 12.09.2025	डॉ0 विनय कुमार झा	भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी, मुरहू	8002684981	
		18	गोड़ाटोली	सुरूंदा	13.09.2025 14.09.2025				
		19	गनालोया	बिरमकेल	15.09.2025 16.09.2025				
		20	कोड़ाकेल	घघारी	18.09.2025 19.09.2025				
		21	रूमूतकेल	कुम्हार टोली	20.09.2025 21.09.2025				
		22	हास्सा	गजगांव	23.09.2025 24.09.2025				
		23	कुंजला	इठे	25.09.2025 26.09.2025				
		24	बिचना	पाण्डु	27.09.2025 28.09.2025				
4	अड़की	25	हुंठ	हेमरोम	11.09.2025 12.09.2025	डॉ0 ब्रजेश कुमार	भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी, अड़की	9122972378	
		26	पुरनानगर	पुरनानगर	13.09.2025 14.09.2025				
		27	सिन्दरी	बान्दु	15.09.2025 16.09.2025				
		28	सोसोकुटी	खेसारीबेड़ा	18.09.2025 19.09.2025				
		29	नौढ़ी	रंगामाटी	20.09.2025 21.09.2025				
		30	उपरबालालौंग	जोजोहातु	11.09.2025 12.09.2025	डॉ० दीपक मैथ्यू एक्का	प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी, अड़की	8757506309	
		31	अड़की	लुपुंगहातु	13.09.2025 14.09.2025				
		32	सरगेया	सरगेया	15.09.2025 16.09.2025				
		33	बाडीनिजकेल	उलीहातु	18.09.2025 19.09.2025				
		34	तोडांग	तोडांग	20.09.2025 21.09.2025				
		35	तिनतिला	रागोनोए	11.09.2025 12.09.2025	डॉ0 ललित कुमार गागराई	भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी, बीरबांकी	9572339783	
		36	बीरबांकी	चुकलू	13.09.2025 14.09.2025				
		37	मदहातु	चलकद	15.09.2025 16.09.2025				
		38	कोचांग	कोचांग	18.09.2025 19.09.2025				
		39	बोहण्डा	बोहण्डा	20.09.2025 21.09.2025				
		40	तिरला	तिरला	25.09.2025 26.09.2025				
5	रनिया	41	जयपुर	तालडा	11.09.2025 12.09.2025	डॉ0 अनिल कुमार नायक	भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी, रनिया	9608142030	
		42	ताम्बा	हुटुटुवा	13.09.2025 14.09.2025				
		43	खटखुरा	जाममोड	15.09.2025 16.09.2025				
		44	सोदे	चलंगिदा	18.09.2025 19.09.2025				
		45	खटंगा	कुल्हई	20.09.2025 21.09.2025				
		46	डाहु	गोहारोम	23.09.2025 24.09.2025				
		47	बनई	मनहातु	25.09.2025 26.09.2025				
6	कर्रा	48	कर्रा	गड़के	11.09.2025 12.09.2025	डॉ0 ज्ञानचन्द आर्य	भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी, कर्रा	7033782248	
		49	बमरजा	सियांकेल	13.09.2025 14.09.2025				
		50	कुदलुम	दिगादोन	15.09.2025 16.09.2025				
		51	डुमरगढ़ी	बुड़ीरोमा	18.09.2025 19.09.2025				
		52	सुनगी	लुदरू	20.09.2025 21.09.2025				
		53	जुरदाग	गनालोया	23.09.2025 24.09.2025				
		54	धुनसुली	चापी	25.09.2025 26.09.2025				
		55	हाकाजांग	सिलापाट	27.09.2025 28.09.2025				
		56	लरता	बुड़का	11.09.2025 12.09.2025	डॉ0 प्रदीप कुमार	भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी, गोविन्दपुर	6201382513	
		57	डेहकेला	रूंजू	13.09.2025 14.09.2025				
		58	जरिया	मुरूधकेल	15.09.2025 16.09.2025				
		59	गोविन्दपुर	रेहरगाड़ा	18.09.2025 19.09.2025				
		60	लिमड़ा	देशवाली	20.09.2025 21.09.2025				
		61	बकसपुर	लापा	23.09.2025 24.09.2025				
		62	उड़ीकेल	कसीरा	25.09.2025 26.09.2025				

PR 361400 (Animal Husbandry)25-26*D

जिला पशुपालन पदाधिकारी खूँटी

पीएम मोदी ने पंजाब और हिमाचल राज्यों का हवाई सर्वे किया, बाढ़ पीड़ितों से मिले

पंजाब को 1600 और हिमाचल को 1500 करोड़ देने का एलान

आजाद सिपाही संवाददाता

पंजाब/हिमाचल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिमाचल के बाद पंजाब में बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वे किया। इसके बाद वह गुरदासपुर पहुंचे। यहां उन्होंने 19 किसानों, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ टीम से बातचीत की। इसके बाद मंत्रियों और अधिकारियों से मीटिंग की। पीएम मोदी ने पंजाब को 1600 करोड़ रुपये देने का एलान किया। इससे पहले पीएम मोदी ने हेलिकॉप्टर से कुल्लू, मंडी और चंबा में हुए नुकसान का हवाई सर्वेक्षण किया। इसके बाद कांगड़ा में आपदा को लेकर एक बैठक की, जिसमें अधिकारियों ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से उन्हें नुकसान की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने 1500 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता देने का एलान किया।

पीएम मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार हर संभव मदद करेगी। मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जायेगी। मीटिंग में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू भी मौजूद रहे। उधर पीएमओ ने एक बयान में कहा कि एसडीआरएफ और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की दूसरी किस्त पहले जारी की जायेगी।

प्रधानमंत्री ने मंडी, कुल्लू और चंबा जिले के 18 प्रभावित लोगों से मुलाकात की और उनकी आपबीती सुनी। उन्होंने एक साल की नितिका से भी मुलाकात की, जिसके माता, पिता और दादी की 30 जून को मंडी में बादल फटने से आयी बाढ़ में मौत हो गयी थी। प्रधानमंत्री ने नितिका को पहले टॉफी दी और फिर उसे गोद में उठा लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने पूरे क्षेत्र और लोगों को फिर से पटरी पर लाने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। यह कार्य कई तरीकों से किया जायेगा, जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घरों का पुनर्निर्माण, राष्ट्रीय राजमार्गों का जीर्णोद्धार, स्कूलों का पुनर्निर्माण, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष के तहत राहत का प्रावधान, और पशुओं के लिए मिनी किट जारी करना। नुकसान का सटीक आकलन करने और प्रभावितों तक त्वरित सहायता पहुंचाने में मदद मिलेगी। निर्बाध शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए, स्कूल नुकसान की सूचना दे सकेंगे और उसे जियोटैग कर सकेंगे, जिससे समग्र शिक्षा अभियान के तहत समय पर सहायता मिल सकेगी। वर्षा जल के संग्रहण और भंडारण हेतु जल संचयन हेतु पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण किया जायेगा। इन प्रयासों से भूजल स्तर में सुधार होगा और बेहतर जल प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा। केंद्र सरकार ने नुकसान का आकलन करने के लिए हिमाचल प्रदेश का दौरा करने के लिए अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय दल पहले ही भेज दिये हैं। उनकी रिपोर्ट के आधार पर आगे की सहायता पर विचार किया जायेगा।

पंजाब में हालात बेहद खराब

पंजाब के सभी 23 जिलों के 2064 गांवों बाढ़ ने आफत मचा रखी है। इस बाढ़ ने दशकों को रिकॉर्ड तोड़ दिया है। यहां के 14 जिलों में बाढ़ से मरने वालों का आंकड़ा 51 तक पहुंच गया है। तीन लोग लापता हैं। वहीं, फसलों को भी काफी नुकसान पहुंचा है। करीब 1.75 लाख हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि पर लगी फसलें नष्ट हुई हैं।

हिमाचल प्रदेश में कमोबेश यही हालात

वहीं, हिमाचल प्रदेश में भी बाढ़ से हालत अच्छे नहीं है। बादल फटने की घटना से यहां बेहद क्षति हुई है। 20 जून से सोमवार 8 सितंबर तक बादल फटने, भारी बारिश, लैंडस्लाइड के चलते करोड़ो का नुकसान हुआ है। अभी तक 370 लोगों की मौत की खबर सामने आयी है। बात पहाड़ी इलाकों की करें तो यहां करीब 165 लोगों की सड़क दुर्घटनाओं में जान गयी है। अभी भी करीब 41 लोग लापता हैं। मॉनसून की शुरुआत से ही हिमाचल प्रदेश में 136 घटनाएं लैंडस्लाइड की दर्ज की गयी हैं।

जमीन पर कब्जा ही भारत में जीत का पैमाना : सेना प्रमुख

- युद्ध 4 दिन का टेस्ट मैच नहीं, इसमें थल सेना की भूमिका हमेशा अहम रहेगी

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को कहा कि युद्ध के दौरान जमीन पर कब्जा ही भारत में जीत की असली करेंसी या पैमाना है। इस वजह से थल सेना की भूमिका हमेशा सबसे अहम रहेगी।

जनरल द्विवेदी दिल्ली में ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन के कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पिछले महीने अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात हुई। उन्होंने भी सिर्फ जमीन के आदान-प्रदान को लेकर चर्चा की।

आर्मी चीफ की यह टिप्पणी वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह के बयान के दो हफ्ते बाद आयी है, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए हवाई शक्ति की अहमियत बतायी थी।

इधर, सेना प्रमुख ने ऑपरेशन सिंदूर पर कहा कि कुछ लोगों ने कहा कि ये तो चार दिन का टेस्ट मैच था, लेकिन आप युद्ध के बारे में पहले से कुछ नहीं कह सकते। हमें कोई अंदाजा नहीं था कि ऑपरेशन कितने दिन चलेगा। युद्ध हमेशा अनिश्चित होता है। जब रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ था, तब किसी को अंदाजा नहीं था कि ये इतना लंबा चलेगा। ईरान-इराक युद्ध लगभग 10 साल चला।

आत्महत्या पर बदलता दृष्टिकोण : एक नयी कथा की आवश्यकता

डॉ अमूल रंजन सिंह

आत्महत्या को लेकर समाज में लंबे समय से नकारात्मक और चुप्पीभरी धारणाएं रही हैं। इसे अक्सर व्यक्तिगत कमजोरी, असफलता या सामाजिक शर्म से जोड़ा जाता है, लेकिन अब समय है कि इस कथा को बदला जाये और आत्महत्या के मुद्दे को मानसिक स्वास्थ्य, संवेदनशीलता और सहानुभूति के दृष्टिकोण से देखा जाये।

आत्महत्या की वास्तविकता और समाज : भारत में हर साल लाखों लोग आत्महत्या का प्रयास करते हैं और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, भारत दुनिया में आत्महत्या की सबसे अधिक दर वाले देशों में शामिल है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) की 2023 की रिपोर्ट बताती है कि भारत में प्रतिदिन लगभग 450 से अधिक लोग आत्महत्या करते हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि इनमें बड़ी संख्या युवा वर्ग और गृहिणियों की होती है।

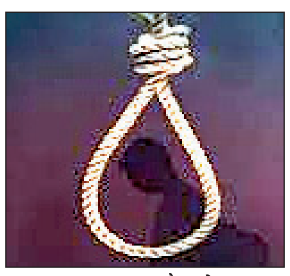

अक्सर जब कोई व्यक्ति आत्महत्या करता है, तो समाज सवाल उठाता है कि उसने ऐसा क्यों किया, या क्यों वह मजबूत नहीं बना। यह दृष्टिकोण नकारात्मक है क्योंकि यह व्यक्ति की पीड़ा को नजरअंदाज करता है। आत्महत्या मानसिक स्वास्थ्य संकट का परिणाम होती है, न कि इच्छाशक्ति की कमी का।

नयी सोच की आवश्यकता : हमें यह समझना होगा कि आत्महत्या कभी भी अचानक लिया गया निर्णय नहीं होता। यह लंबे समय तक चली मानसिक पीड़ा, तनाव, अवसाद और अकेलेपन का परिणाम हो सकता है। अगर समाज इस दर्द को समझे और व्यक्तियों को खुलकर अपनी भावनाएँ साझा करने का वातावरण दे, तो कई ज़िंदगियां बचायी जा सकती हैं।

नयी कथा का निर्माण करते समय हमें कुछ बातों पर जोर देना होगा : आत्महत्या को पाप या कमजोरी कहने के बजाय इसे मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी गंभीर स्थिति मानें। कठिनाइयों से जूझ रहे लोगों को जज करने के बजाय सहारा दें। घरों, विद्यालयों और कार्यस्थलों में बातचीत की संस्कृति बनायें, ताकि लोग अपने अहसास साझा कर सकें।

मीडिया और भाषा की भूमिका : मीडिया की रिपोर्टिंग शैली कथानक बदलने में महत्वपूर्ण है। आत्महत्या को सनसनीखेज तरीके से पेश करने की बजाय मीडिया को रोकथाम, मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं और हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी साझा करनी चाहिए। इसी तरह हमारी भाषा में भी बदलाव जरूरी है। उसने हार मान ली या कमजोर साबित हुआ कहने की जगह वह मानसिक संघर्ष से गुजर रहा था कहना अधिक संवेदनशील और सटीक है। भाषा के इस छोटे-से बदलाव से समाज की सोच में बड़ा परिवर्तन लाया जा सकता है।

समाधान और आगे का रास्ता : विद्यालयों और कॉलेजों में मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा शामिल की जाये। काउंसलिंग और हेल्पलाइन सेवाओं को अधिक सुलभ और सस्ती बनाया जाये। परिवार और समुदाय स्तर पर सहानुभूति और संवाद को बढ़ावा दिया जाये। आत्महत्या की घटनाओं को रोकथाम योग्य माना जाये, न कि नियति के रूप में।

निष्कर्ष : आत्महत्या पर नयी कथा का निर्माण तभी संभव है जब हम चुप्पी तोड़ें और इसे शर्म या कलंक से नहीं, बल्कि समझ और करुणा से देखें। यह बदलाव मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, सांस्कृतिक दृष्टिकोण और भाषा की संवेदनशीलता से ही आयेगा। यदि समाज आत्महत्या को समाप्ति की कहानी मानने के बजाय सहारे और उपचार की शुरुआत समझे, तो जीवन बचाये जा सकते हैं और जीने की उमंग बनी रह सकती है।

याद रखें : आत्महत्या रोकी जा सकती है। मदद उपलब्ध है। अगर आप या आपका कोई परिचित आत्महत्या के विचारों से जूझ रहा है, तो तुरंत मदद लें। रिनपास का टोल-फ्री आत्महत्या रोकथाम हेल्पलाइन नंबर है: 9471136697

(लेखक : रिनपास, रांची के निदेशक हैं)

लद्दाख में हिमस्खलन, 3 जवान शहीद कुल्लू में लैंडस्लाइड, 5 लोगों की मौत

- दिल्ली में 4 मंजली इमारत ढही, अहमदाबाद में दंपति की करंट से मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली/ लखनऊ। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में सोमवार रात लैंडस्लाइड से टूटे घर में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गयी, जबकि तीन लोगों को सुरक्षित निकाला गया। लद्दाख के सियाचिन में सेना के बेस कैंप में हिमस्खलन के बाद तीन जवान शहीद हो गये। एक कैप्टन को बचा लिया गया है। शहीद जवान महार रेजिमेंट के हैं। बचाव दल के सैनिक लगभग 5 घंटे तक बर्फ में फंसे रहे।

उत्तर दिल्ली के पंजाबी बस्ती इलाके में सोमवार देर रात 4 मंजिली इमारत अचानक ढह गयी। घटना के समय इमारत खाली थी, लेकिन कुछ वाहन मलबे में दब गये। गुजरात के अहमदाबाद में सोमवार रात बाइक सवार कपल पानी भरी सड़क से गुजर रहा था। रास्ते में गड्ढे में करंट का तार था, जिसकी चपेट में आने से दोनों की मौत हो गयी। घटना का वीडियो

भी सामने आया है। राजस्थान में इस मानसून सीजन राज्य के इतिहास की दूसरी सबसे ज्यादा बारिश 693.1 हुई है। 108 साल पहले 1917 में 844.2 बारिश दर्ज हुई थी। अब तक राज्य के 63% बांध फुल हो चुके हैं।

मथुरा-वृंदावन में यमुना उफान पर, मंदिर-परिक्रमा मार्ग डूबे : यूपी में गंगा, यमुना समेत सभी बड़ी नदियां उफान पर हैं। हथिनी कुंड बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद मथुरा के वृंदावन में हालात बिगड़ गए हैं। 50% इलाका बाढ़ प्रभावित है। राधा वल्लभ मंदिर में पानी भर गया। वृंदावन का परिक्रमा मार्ग पूरी तरह डूब चुका है। बांके बिहारी मंदिर से यमुना की दूरी 600 मीटर है, लेकिन अब महज 100 मीटर रह गयी। वर्तमान में प्रदेश में लगभग 48 जिले बाढ़ की चपेट में है।

तख्त श्री हरिमंदिर साहिब को बम से उड़ाने की धमकी

पटना (आजाद सिपाही)। पटना के तख्त श्री हरिमंदिर साहिब गुरुद्वारा को बम से उड़ाने की धमकी दी गयी है। ई-मेल के जरिए बदमाशों गुरुद्वारा प्रबंधन को धमकी भेजी। इसमें लिखा था कि गुरु लंगर कक्षों में आइइडी लगे हुए हैं। जल्द ही विस्फोट होने वाला है। इस सूचना के बाद गुरुद्वारे में हड़कंप मच गया। फौरन पटना पुलिस की टीम बम निरोधक दस्ते के साथ पहुंची और जांच में जुट गयी। टीम ने गुरुद्वारे के चप्पे-चप्पे को खंगाला लेकिन बम या कोई आपत्तिजनक सामान नहीं मिला। इसके बाद पटना पुलिस टीम हाई अलर्ट पर है। धमकी देने वाले ने मेल में खुद को Vanniyar Pundai Ramadoss बताते हुए कई सनसनीखेज बातें लिखी हैं।

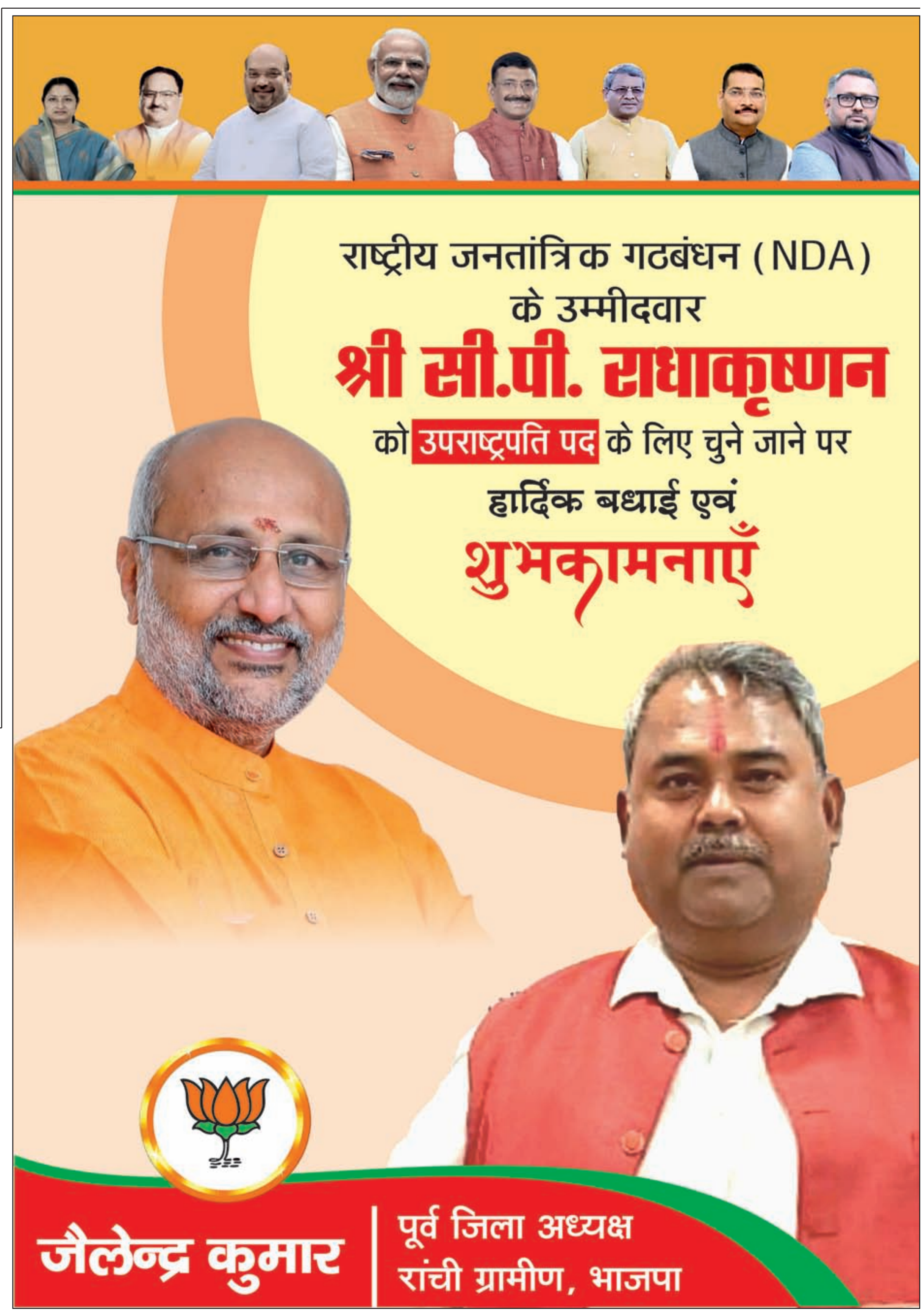

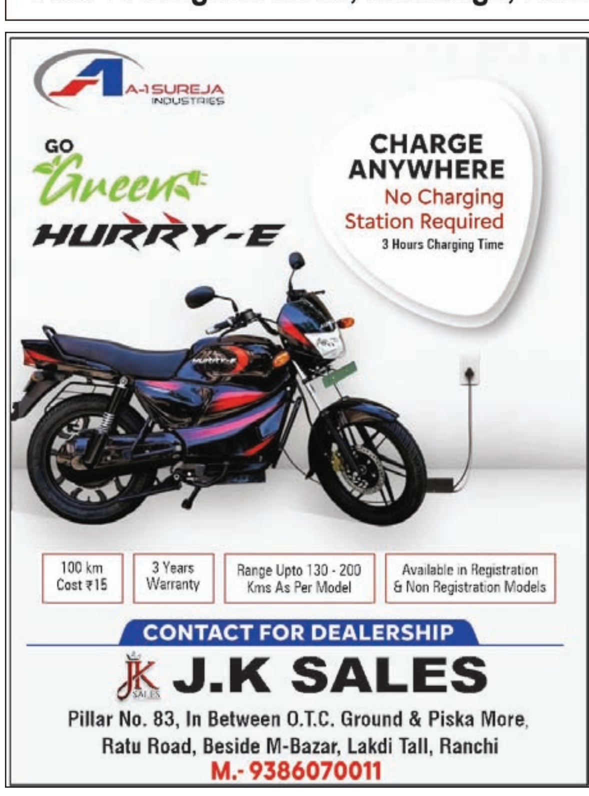

VERMA PRESS

वर्मा प्रेस प्रा० लि०
राँची

Verma's® Today®

श्रृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं–

Class - X		Class - IX	
Hindi	₹ 150	Hindi	₹ 150
English	₹ 150	English	₹ 150
Mathematics	₹ 150	Mathematics	₹ 150
Science	₹ 150	Science	₹ 150
Social Science	₹ 150	Social Science	₹ 150
Sanskrit	₹ 150	Sanskrit	₹ 150
Hindi – B	₹ 150	Hindi – B	₹ 150
Hindi Vyakaran– II	₹ 120	Hindi Vyakaran– II	₹ 120
English Grammar– II	₹ 130	English Grammar– II	₹ 130
Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100	Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100
Hindi Practical	₹ 60	Hindi Practical	₹ 60
English Practical	₹ 60	English Practical	₹ 60
Maths. Practical	₹ 70	Maths. Practical	₹ 70
Science Practical	₹ 70	Science Practical	₹ 70
S. Science Practical	₹ 75	S. Science Practical	₹ 75
Sanskrit Practical	₹ 60	Sanskrit Practical	₹ 60
Maths. Practical (Combined)	₹ 90	Maths. Practical (Combined)	₹ 90
Science Practical (Combined)	₹ 90	Science Practical (Combined)	₹ 90
English Medium		English Medium	
Mathematics	₹ 200	Mathematics	₹ 230
Science	₹ 220	Science	₹ 200
Social Science	₹ 230	Social Science	₹ 230
Maths. Practical	₹ 80	Maths. Practical	₹ 80
Science Practical	₹ 80	Science Practical	₹ 80
S. Science Practical	₹ 100	S. Science Practical	₹ 90

मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान !

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची, झारखंड से मुद्रित। **संस्थापक प्रधान संपादक :** स्व. हरिनारायण सिंह, **संपादक :** राकेश सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**